RNI NO.UPHIN/2010/36547
वर्ष 14 अंक 251
लखनऊ, बृहस्पतिवार, 4 जुलाई, 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
लखनऊ
नगर संस्करण

लखनऊ, नई दिल्ली और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

असम में बाढ़ की वजह भौगोलिक कारक
राष्ट्रीय-10

मणिपुर में लगातार घट रही हिंसा: मोदी

नई दिल्ली में राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर जवाब देते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

● राज्य के अधिकांश हिस्सों में स्कूल फिर खुले, पूर्ण शांति की वापसी सुनिश्चित करने के प्रयास जारी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को विपक्षी बेंच में अपने आलोचकों को चुप करा दिया और संसद को सूचित किया कि मणिपुर में हिंसा लगातार कम हो रही है और राज्य के अधिकांश हिस्सों में स्कूल फिर से खुल गए हैं और पूर्ण शांति की वापसी सुनिश्चित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। संसद की संयुक्त बैठक में अपने संबोधन के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को धन्यवाद देने के प्रस्ताव पर राज्यसभा में बहस का जवाब देते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि मणिपुर में 500 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया है और 11,000 से अधिक एफआईआर दर्ज की गई हैं। मोदी ने कहा कि केंद्र राज्य में सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए राज्य सरकार और अन्य के साथ काम कर रहा है। राज्यसभा में बोलते हुए, मोदी ने आगे कहा कि मणिपुर भी बाढ़ की स्थिति का सामना कर रहा है, और केंद्र ने राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की दो टीमों को राज्य में भेजा है। मोदी ने एनईईटी पेपर लीक मामले में कार्रवाई का भी वादा किया और अपने पिछले दो कार्यकालों की उपलब्धियां और तीसरे कार्यकाल की प्राथमिकताएं गिनाईं। प्रधानमंत्री ने प्रतियोगी परीक्षाओं के संचालन में कथित अनियमितताओं पर विस्तार से बात की और कहा कि पेपर लीक में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा, हम चाहते थे कि पेपर लीक जैसे संवेदनशील मुद्दे पर कोई राजनीति न हो, लेकिन विपक्ष को इसकी आदत हो गई है। मैं भारत के युवाओं को आश्वस्त करता हूं कि यह सुनिश्चित करने के लिए कार्रवाई की जा रही है कि युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वालों को कड़ी सजा दी जाए।

मणिपुर पर मोदी ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने खुद मणिपुर में रहकर शांति के प्रयासों का आगे बढ़कर नेतृत्व किया। प्रधानमंत्री ने बताया कि मणिपुर में सामाजिक संघर्ष एक लंबे इतिहास में गहराई से निहित है, जिसके कारण आजादी के बाद से 10 बार राष्ट्रपति शासन लगाया गया है। उन्होंने मणिपुर में 1993 के बाद से पांच साल तक चले सामाजिक संघर्ष का भी जिक्र किया। मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि स्थिति को समझदारी और धैर्य से संभालने की जरूरत है। उन्होंने समान विचारधारा वाले सभी लोगों को मणिपुर में सामान्य स्थिति और शांति सुनिश्चित करने के अपने प्रयासों में मदद करने के लिए आमंत्रित किया। प्रधानमंत्री को कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्ष के गुस्से का सामना करना पड़ रहा है, जिसने आरोप लगाया था कि मोदी को मणिपुर के ज्वलंत मुद्दे पर अभी तक संसद में बोलना बाकी है और प्रधानमंत्री फिर से लोकसभा में एक दिन पहले दो घंटे से अधिक के अपने भाषण में चूक गए। विपक्ष ने यह भी आरोप लगाया कि पीएम ने पेपर लीक के मुद्दे पर ध्यान नहीं दिया और इस संबंध में लोकसभा में राहुल गांधी ने एनईईटी, नेट पेपर लीक पर चर्चा के लिए पीएम को पत्र लिखा था। विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे को प्रधानमंत्री के भाषण के दौरान हस्तक्षेप करने की अनुमति नहीं दिए जाने के बाद कांग्रेस के नेतृत्व में (शेष पेज 9)

हाथरस भगदड़ की होगी न्यायिक जांच

● हाई कोर्ट के रिटायर्ड जस्टिस बृजेश कुमार श्रीवास्तव होंगे न्यायिक जांच आयोग के अध्यक्ष

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ हाथरस

हाथरस भगदड़ में घायल हुए अस्पताल में भर्ती लोगों का हालचाल लेते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को स्पष्ट कर दिया कि हाथरस हादसे में जो भी लोग जिम्मेदार हैं उन्हें उनकी सजा दिलाई जाएगी। कोई भी दोषी बच नहीं पाएगा। घटना के संबंध में मुख्य सेवादार और कार्यक्रम के आयोजकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई है। सीएम योगी ने हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में न्यायिक जांच के भी आदेश दे दिए हैं। हाथरस में घटनास्थल का मुआयना और समीक्षा करने के साथ-साथ घायलों से मिलने के बाद सीएम योगी ने प्रेस वार्ता के माध्यम से इस पूरी घटना की तह में जाने की बात कही।

दूसरी ओर बुधवार देर शाम तक हाथरस में हुए हादसे की न्यायिक जांच के लिए इलाहाबाद हाई कोर्ट के रिटायर्ड जस्टिस बृजेश कुमार श्रीवास्तव (द्वितीय) की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय न्यायिक जांच आयोग का गठन भी कर दिया गया। प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल द्वारा बुधवार रात इसका नोटिफिकेशन जारी कर दिया गया। इस न्यायिक जांच आयोग में रिटायर्ड आईएएस हेमन्त राव और रिटायर्ड आईपीएस भवेश कुमार सिंह को सदस्य नियुक्त किया गया है। न्यायिक जांच आयोग का मुख्यालय लखनऊ में होगा। आयोग इस नोटिफिकेशन के जारी होने की तारीख से दो माह की अवधि के भीतर जांच पूरी करेगा। इसकी अवधि में किसी प्रकार का परिवर्तन राज्य सरकार के आदेश पर किया जा सकेगा। नोटिफिकेशन के अनुसार आयोग 2 जुलाई, 2024 को हाथरस जनपद में घटित घटना की जांच करेगा और जांच के बाद निर्धारित बिंदुओं पर राज्य सरकार को रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा। इसमें, कार्यक्रम के आयोजकों द्वारा, जिला प्रशासन द्वारा प्रदान की गई अनुमति एवं उसमें दी गई शर्तों के अनुपालन की जांच करना शामिल है। साथ ही, यह घटना कोई दुर्घटना है अथवा कोई षडयंत्र या अन्य कोई सुनियोजित आपराधिक घटना की सम्भावना के पहलुओं की जांच करना। इसके अतिरिक्त जिला प्रशासन एवं पुलिस द्वारा कार्यक्रम के दौरान भीड़ नियंत्रण तथा कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए किए गए प्रबन्ध एवं उनसे सम्बन्धित अन्य पहलुओं की जांच करना भी आयोग के कार्यक्षेत्र में होगा। आयोग उन कारणों एवं परिस्थितियों पर भी गौर करेगा जिसके कारण घटना घटित हुई, जबकि भविष्य में इस प्रकार की घटना की पुनरावृत्ति को रोकने के सम्बन्ध में आयोग अपने सुझाव भी देगा।

इससे पहले हाथरस पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संवाददाताओं से कहा कि इस पूरे आयोजन में अंदर की व्यवस्था आयोजन से जुड़े सेवादारों की थी, जबकि प्रशासन द्वारा बाहर पुलिस की व्यवस्था की गई थी, लेकिन हादसा होने के तुरंत बाद सेवादार वहां से भाग निकले। यहां तक कि उन्होंने हादसे के बाद लोगों को अस्पताल पहुंचाने के लिए भी कोई व्यवस्था नहीं की। (शेष पेज 9)

जमानत पर छूटे हेमंत सोरेन फिर बनेंगे झारखंड के मुख्यमंत्री

राजेश कुमार। रांची/नई दिल्ली

एक अहम घटनाक्रम में झारखंड के मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने शपथ लेने के बमुश्किल 152 दिन बाद राज्य के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया, उनके पूर्ववर्ती और झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रमुख हेमंत सोरेन, जो प्रवर्तन निदेशालय द्वारा मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जमानत पर हैं (ईडी), ने अगली सरकार बनाने का दावा किया है। यह तीसरी बार है जब हेमंत झारखंड के मुख्यमंत्री बनेंगे। वह राज्य के 13वें मुख्यमंत्री होंगे, जो 15 नवंबर 2000 को बिहार से अलग होकर बना था। चंपई ने राजभवन से बाहर आने के बाद कहा, कुछ दिन पहले, मुझे मुख्यमंत्री बनाया गया और मुझे राज्य की जिम्मेदारी मिली। हेमन्त सोरेन जी के वापस आने के बाद हमारे गठबंधन ने यह फैसला लिया और हमने हेमन्त सोरेन जी को अपना नेता चुना। मैंने झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन के निर्णय के अनुसार इस्तीफा दे दिया है। हमारा गठबंधन मजबूत है। सभी जानते हैं कि हेमंत सोरेन जी के साथ क्या हुआ था... मुझे गठबंधन सहयोगियों ने जिम्मेदारी दी थी। अब, गठबंधन ने हेमंत सोरेन जी के पक्ष में फैसला किया है। हेमंत की ओर से राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को सरकार बनाने का अनुरोध भी सौंपा गया था। राज्यपाल से मुलाकात के बाद हेमंत ने मीडिया से कहा कि सरकार बनाने की सभी औपचारिकताएं पूरी हो चुकी हैं। शपथ ग्रहण के बारे में पूछे जाने पर हेमंत ने कहा, जल्द ही सब कुछ खुलासा किया जाएगा। इससे पहले दिन में, चंपई, जिन्होंने 2 फरवरी को झारखंड के 12वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी, ने राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात की और अपना इस्तीफा सौंप दिया, जिससे हेमंत के अगले मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने का मार्ग प्रशस्त हो गया। यह चंपई के आवास पर विधायकों और सत्तारूढ़ गठबंधन के अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ एक बैठक के बाद आया है, जिसमें सर्वसम्मति से हेमंत को पार्टी के नेता के रूप में चुनने का फैसला किया गया। उनकी वापसी पर पार्टी के सहयोगी दल कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) ने सहमति जताई है। बैठक में कांग्रेस के झारखंड प्रभारी गुलाम अहमद मीर और प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर के अलावा हेमंत सोरेन के भाई बसंत और पत्नी कल्पना भी शामिल हुए। बताया जा रहा है कि चंपई को यूपीए समन्वय समिति के अध्यक्ष और जेएमएम के कार्यकारी अध्यक्ष के तौर पर नई जिम्मेदारी दी जा सकती है। पार्टी के विधायकों और नेताओं की बैठक के तुरंत बाद, चंपई ने राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से मिलने का समय मांगा, जिन्होंने उन्हें शाम 7.30 बजे राजभवन बुलाया। राज्य में राजनीतिक परिदृश्य 28 जून को बदल गया जब कथित भूमि घोटाले से जुड़े मनी-लॉन्ड्रिंग मामले में हेमंत को झारखंड उच्च न्यायालय से जमानत मिल गई, यह देखते हुए कि 'विश्वास करने का कोई कारण नहीं' था कि वह कथित अपराध के लिए दोषी थे। वह 31 जनवरी से जेल में थे, जब उन्हें मामले के सिलसिले में प्रवर्तन निदेशालय ने गिरफ्तार किया था। चंपई सोरेन के मुख्यमंत्री पद संभालने के बाद गिरफ्तार होने से कुछ समय पहले ही हेमंत ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। (शेष पेज 9)

बिहार में महज 15 दिनों में सात पुल धराशायी, जांच आरंभ

अर्चना ज्योति। पटना/नई दिल्ली

बिहार के सीवान जिले में बुधवार को भारी बारिश के बीच गिरा पुल।

भले ही बिहार सरकार के एक उच्च-स्तरीय पैनल ने राज्य भर में हाल ही में पुल गिरने की घटनाओं की जांच शुरू कर दी है, लेकिन बुनियादी ढांचे और सार्वजनिक सुरक्षा पर गंभीर चिंताएं बढ़ रही हैं, वहीं बुधवार को फिर एक ऐसी ही घटना हुई जिसमें सीवान जिले में गंडकी नदी पर बना पुल धराशायी हो गया। महज 15 दिनों में इस तरह का सातवां और पिछले 11 दिनों में जिले में दूसरा मामला है। हालाँकि, इन घटनाओं की गंभीरता के बावजूद सौभाग्य से अब तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। बिहार इंजीनियरिंग सर्विसेज एसोसिएशन (बीईएसए) के सदस्यों ने चेतावनी दी है कि राज्य में भारी बारिश के कारण नदियां उफान पर हैं, इसलिए आने वाले दिनों में ऐसी और घटनाएं होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है।

घटनाओं का परेशान करने वाला सिलसिला 19 जून को अररिया में एक निर्माणाधीन पुल के ढहने से शुरू हुआ, जिसके बाद 22 जून को सीवान में, 23 जून को पूर्वी चंपारण में और 24 जून को किशनगंज में पुल ढह गया। बुधवार को सीवान जिले के देवरिया ब्लॉक में गंडकी नदी पर बने पुल के ढह जाने से कई गांवों और महराजगंज के बीच आवश्यक संपर्क टूट गया है, जिससे स्थानीय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

उप विकास आयुक्त मुकेश कुमार ने कहा कि सही कारण की जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि ब्लॉक के वरिष्ठ अधिकारी पहले ही घटनास्थल पर पहुंच चुके हैं। उन्होंने कहा, देवरिया ब्लॉक में एक पुल का एक हिस्सा आज सुबह ढह गया। सटीक कारण की जांच की जा रही है। कुमार ने कहा, घटना सुबह करीब 5 बजे हुई। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, पुल का निर्माण 1982-83 में हुआ था। पिछले कुछ दिनों से पुल पर मरम्मत का काम चल रहा था। ग्रामीणों ने सुझाव दिया कि पिछले दिनों में भारी बारिश के कारण पुल ढह गया होगा, गंडकी नदी में उफान के कारण पुल की संरचना कमजोर हो सकती है। यह घटना ठीक 11 दिन पहले जिले में एक और पुल ढहने की घटना के ठीक बाद हुई है। 22 जून को दरौंदा इलाके में एक पुल का एक हिस्सा ढह गया, जिसके बाद बिहार सरकार ने इन घटनाओं की जांच के लिए एक उच्च स्तरीय समिति गठित की। बिहार के ठाकुरगंज में जो पुल ढह गया, वह 2007-08 में बनाया गया था, और इसमें दरार आने और एक फुट नीचे धंसने के बाद यह बेकार हो गया था। इसी तरह, ठाकुरगंज ब्लॉक में एक पुल भारी बारिश के बाद बंड नदी में बढ़ते जल स्तर के कारण ढह गया, जिससे यह एक फुट तक डूब गया और दरार आ गई, जिससे यह उपयोग के लिए बहुत खतरनाक हो गया। पथरिया पंचायत के खोशी डांगी गांव में स्थित इस पुल का निर्माण 2007-2008 में ठाकुरगंज के तत्कालीन सांसद मोहम्मद तस्लीमुद्दीन के सांसद बजट से किया गया था और यह कई पंचायतों को जोड़ रहा था। यह घटना 28 जून को मधुबनी क्षेत्र में एक निर्माणाधीन पुल के ढहने के बाद हुई है, जिसे बिहार सरकार के ग्रामीण कार्य विभाग द्वारा 2021 से 3 करोड़ रुपये की लागत से बनाया जा रहा था।

पतन के बाद, दोषारोपण का खेल शुरू हो चुका है, जिससे बिहार के बुनियादी ढांचे के प्रबंधन में जवाबदेही और निगरानी के बारे में चिंताएं तेज हो गई हैं। राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने राज्य में पुल ढहने की घटना पर कटाक्ष किया, जबकि केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने घटनाओं के पीछे संभावित साजिश की आशंका जताई।

मांझी ने कहा, राज्य में अचानक पुल ढहने की घटनाएं क्यों शुरू हो गई हैं? लोकसभा चुनाव के बाद ऐसा क्यों हो रहा है? एक महीने पहले ऐसी घटनाएं क्यों नहीं हो रही थीं? मुझे इसके पीछे किसी साजिश का संदेह है. संबंधित अधिकारियों को इस पहलू पर गौर करना चाहिए। उन्होंने ठेकेदारों द्वारा घटिया सामग्रियों के उपयोग को भी एक कारण माना है और आश्वासन दिया कि राज्य सरकार जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। उन्होंने कहा, यह ठेकेदारों द्वारा इस्तेमाल की जा रही घटिया सामग्री के कारण हो रहा है। राज्य सरकार ऐसे ठेकेदारों पर कार्रवाई कर रही है। राज्य के अधिकारी भी इस मामले की जांच कर रहे हैं। मैं उनसे साजिश के पहलू से भी जांच करने का अनुरोध करता हूं। राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव ने बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार पर कटाक्ष किया। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने लिखा, बधाई हो! डबल इंजन सरकार की डबल ताकत के कारण केवल नौ दिनों में पांच पुल ढह गए।

सोशल मीडिया मंच कू को बंद करने का ऐलान

असद। नई दिल्ली

ट्विटर (अब एक्स) का विकल्प पाने का भारतीयों का सपना चकनाचूर हो गया है क्योंकि 2020 में बहुत धूमधाम से लॉन्च किया गया देसी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म बंद हो गया है, जिसमें कई शीर्ष भारतीय राजनेता और सरकारी विभाग भी शामिल हुए थे। पीली चिड़िया कू के चहचहाना बंद होने के बारे में दुनिया को तब पता चला जब इसके सह-संस्थापकों ने बुधवार को अलविदा कहने के कठिन फैसले के बारे में एक मार्मिक नोट लिखा। इस निराशाजनक खबर को कई कू उपयोगकर्ताओं ने पीड़ा के साथ स्वीकार किया है। कू के कट्टर प्रशंसक और क्रिस के पूर्व गवर्निंग काउंसिल सदस्य विनीत गोयनका इस खबर से परेशान हैं। उन्होंने कहा, यह शटडाउन उन लोगों के लिए एक अहम झटका होगा जो सोशल मीडिया के लोकतांत्रिक मूल्यों में विश्वास करते हैं, क्योंकि यह पश्चिमी मीडिया के अंतहीन प्रभुत्व और सोशल मीडिया ऐप स्पेस पर उनके उपनिवेशीकरण को उजागर करता है।

लिंक्डइन पर भावनाओं से भरे एक पोस्ट में, सह-संस्थापक अप्रमेय राधाकृष्ण और मयंक बिदावतका ने अपनी निराशाजनक यात्रा और कठिन चुनौतियों को साझा करते हुए लिखा, हमने कई बड़ी इंटरनेट कंपनियों, समूहों और मीडिया घरानों के साथ साझेदारी की खोज की, लेकिन ये बातचीत सफल नहीं हो पाई। उन्होंने खेद व्यक्त करते हुए कहा, हालांकि हम ऐप को चालू रखना पसंद करते, लेकिन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को बनाए रखने के लिए प्रौद्योगिकी और सेवाओं की उच्च लागत ने हमें यह कठिन निर्णय लेने के लिए मजबूर किया है। भारत में स्थापित कू ने नई ऊंचाइयों को छुआ, अपने चरम पर रहते हुए केन्या और ब्राजील तक अपने पंख फैलाए। केन्या में इसका उदय नाइजीरियाई राष्ट्रपति मुहम्मदु बुहारी के एक ट्वीट को हटाने के लिए ट्विटर पर देश के अनिश्चितकालीन प्रतिबंध के बाद हुआ। 2021 के आसपास, भारत सरकार और ट्विटर के बीच विवादास्पद विवाद के बीच कू की लोकप्रियता भारत में बढ़ी।

इस संघर्ष ने घरेलू डिजिटल प्लेटफार्मों के पारिस्थितिकी तंत्र का विस्तार करने के लिए कॉल को प्रेरित किया, जो आभासी दुनिया में दृढ़ता से गूंज उठा और कू को प्रमुखता के लिए प्रेरित किया। कुछ समय के लिए, ऐसा लग रहा था कि यह घरेलू मंच भारत में ट्विटर की लोकप्रियता को काफी चुनौती देगा और शायद उससे भी आगे निकल जाएगा। हालाँकि, घटना का यह प्रत्याशित मोड़ कभी नहीं आया क्योंकि ट्विटर सरकार के साथ अपने संबंधों को सुचारू बनाने में कामयाब रहा। कू ने अपने संक्षिप्त अस्तित्व में एक उतार-चढ़ाव भरी सवारी का अनुभव किया। अपने चरम पर, इस स्वदेशी मंच पर लगभग 21 लाख दैनिक सक्रिय उपयोगकर्ता, लगभग (शेष पेज 9)

सेंसेक्स पहली बार 80,000 पर पहुंचा

पीटीआई। मुंबई

मजबूत वैश्विक संकेतों के बीच घरेलू स्तर पर बैंकों एवं दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली कंपनियों के शेयरों में तगड़ी लिवाली आने से बुधवार को सेंसेक्स कारोबार के दौरान पहली बार 80,000 के ऐतिहासिक मुकाम पर पहुंचने के बाद थोड़ा नीचे बंद हुआ। निफ्टी भी 162 अंकों की बढ़त के साथ अपने सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स कारोबार की शुरुआत में पहली बार ऐतिहासिक 80,000 अंक के स्तर को पार कर गया। कारोबार के अंत में यह 545.35 अंक यानी 0.69 प्रतिशत उछलकर 79,986.80 पर बंद हुआ। एक समय यह 632.85 अंकों की छलांग के साथ 80,074.30 के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया था। इस तरह सेंसेक्स ने पिछले कुछ दिनों का अपना रिकॉर्डतोड़ प्रदर्शन जारी रखा है। सेंसेक्स ने 25 जून को पहली बार 78,000 का स्तर और 27 जून को 79,000 का स्तर पार किया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 162.65 अंक यानी 0.67 प्रतिशत चढ़कर 24,286.50 के सर्वकालिक उच्च स्तर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 183.4 अंक बढ़कर 24,307.25 के नए शिखर पर पहुंच गया था। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से अदाणी पोर्ट्स में सर्वाधिक 2.49 प्रतिशत की तेजी रही। कोटक महिंद्रा बैंक, एचडीएफसी बैंक, एक्सिस बैंक, इंडसइंड बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, पावर ग्रिड, जेएसडब्ल्यू स्टील, बजाज फाइनेंस और टाटा स्टील के शेयरों में भी बढ़त दर्ज की गई। दूसरी तरफ टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टाइटन, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा मोटर्स और लार्सन एंड टूब्रो के शेयरों में गिरावट रही।

बरसते पानी के बीच घटनास्थल का जायजा लेने पहुंचे मुख्यमंत्री

● अस्पताल में एक-एक बेड पर जाकर सीएम ने घायलों के स्वास्थ्य की ली जानकारी परिजनों से भी की बातचीत

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ हाथरस

हाथरस हादसे को लेकर सीएम योगी फुल एक्शन में हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को स्वयं हाथरस पहुंचे और यहां उन्होंने अधिकारियों से पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली और फिर सीएम योगी सीधे हाथरस जिला अस्पताल पहुंच गए, जहां उन्होंने हादसे में घायल हुए लोगों का हाल चाल जानना और डॉक्टरों को सभी घायलों के समुचित उपचार के निर्देश दिए। यही नहीं बरसते पानी के बीच सीएम घटनास्थल पर भी पहुंचे, जहां उन्हें अधिकारियों ने पूरा घटना का ब्यौरा दिया।

उल्लेखनीय है कि मंगलवार को हाथरस के सिकंदराराऊ में भोले बाबा के सत्संग कार्यक्रम में मची भगदड़ में सैकड़ों लोगों की जान चली गई थी। सीएम योगी ने तुरंत एक्शन लेते हुए तीन मंत्रियों की टीम और मुख्य सचिव व डीजीपी को तत्काल हाथरस के लिए रवाना किया था। यही नहीं, सीएम ने घटना की जांच के लिए एडिशनल डीजी आगरा और मंडलायुक्त अलीगढ़ को नियुक्त किया और 24 घंटे में रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए। इसके अलावा सीएम ने मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख और घायलों को 50-50 हजार रुपए की सहायता राशि देने का भी ऐलान किया। हादसे के एक दिन बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को हाथरस पहुंचे। यहां उन्होंने सर्किट हाउस में अधिकारियों के साथ पूरे घटनाक्रम की विस्तार से जानकारी हासिल की और महत्वपूर्ण दिशा निर्देश भी प्रदान किए। इसके बाद सीएम योगी हाथरस जिला अस्पताल पहुंचे। यहां उन्होंने घायलों और उनके परिजनों से बात की। वो हर एक बेड पर जाकर घायलों से मिले और पूरी घटना के बारे में जानकारी ली। उन्होंने घायलों से उनकी तबीयत के बारे में पूछा और इलाज के संबंध में भी चर्चा की। सीएम ने घायलों के परिजनों से भी विस्तार से बात की। इस दौरान उन्होंने डॉक्टरों से भी घायलों की स्थिति के विषय में जाना और समुचित उपचार के निर्देश प्रदान किए। इस दौरान सीएम योगी मृतकों के परिजनों से भी मिले और उनके साथ हुए हादसे के बारे में जानकारी ली और साथ ही अपनी ओर से सांत्वना और संवेदना भी प्रकट की। इससे पूर्व सीएम योगी ने पुलिस लाइन में घटना के प्रत्यक्षदर्शियों से भी मुलाकात कर हादसे के विषय में जानकारी ली। घटना की प्रत्यक्षदर्शी और ड्यूटी पर तैनात महिला कांस्टेबल ने सीएम को पूरी घटना के बारे में बताया। उसने बताया कि भगदड़ मचने के बाद लोग एक-दूसरे के ऊपर गिरते चले गए। खासतौर पर बड़ी संख्या में महिलाएं भगदड़ का शिकार बनीं। वो उठना चाह रही थीं, लेकिन उठ नहीं सकीं, क्योंकि एक के बाद एक महिलाएं उनके ऊपर गिरती चली गईं। सीएम योगी के साथ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, सरकार में मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी, असीम अरुण और संदीप सिंह के साथ ही स्थानीय विधायक, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह और प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री संजय प्रसाद भी मौजूद रहे। घायलों से मिलने के बाद सीएम योगी हाथरस के सिकंदराराऊ में उस स्थान पर भी पहुंचे, जहां मंगलवार को भगदड़ में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की मौत हुई थी। सीएम योगी के साथ तीनों मंत्री, मुख्य सचिव, डीजीपी व स्थानीय विधायक भी मौजूद थे। अलीगढ़ की मंडलायुक्त ने सीएम योगी को हादसे से जुड़ी एक-एक घटना के विषय में विस्तार से जानकारी दी। बरसते पानी के बीच सीएम योगी ने भगदड़ वाले स्थल का भी जायजा लिया और आवश्यक निर्देश प्रदान किए।

एसडीएम ने डीएम हाथरस को सौंपी अपनी रिपोर्ट

इस बीच, हाथरस हादसे पर एसडीएम सिकंदराराऊ ने हाथरस के डीएम को अपनी जांच रिपोर्ट सौंप दी है। रिपोर्ट में बताया गया है कि सत्संग के दौरान पांडाल में 2 लाख से अधिक श्रद्धालुओं की भीड़ मौजूद थी। सत्संग खत्म होने के बाद नारायण साकार हरि (भोले बाबा) के दर्शन व चरण स्पर्श एवं आशीर्वाद स्वरूप उनकी चरण रज अपने माथे पर लगाने के लिए लोग आगे बढ़े। श्रद्धालु उनके वाहन की ओर दौड़ने लगे तो बाबा के साथ उनके निजी सुरक्षाकर्मी (ब्लैक कमांडो) एवं सेवादारों ने भीड़ के साथ धक्का-मुक्की शुरू कर दी। इससे कुछ लोग नीचे गिर गए। यहां से भीड़ कार्यक्रम स्थल के सामने खुले खेत की तरफ भागी जहां सड़क से खेत की ओर उतरने के दौरान ढालनुमा जगह होने के कारण लोग फिसलकर गिर पड़े। इसके बाद वो पुनः उठ नहीं सके और भीड़ उनके ऊपर से होकर इधर-उधर भागने लगी। इसमें कई महिलाएं व पुरुष और बच्चे हताहत व गंभीर रूप से घायल हो गए। तत्काल पुलिस सुरक्षा कर्मियों द्वारा हताहत लोगों को एंबुलेंस व अन्य उपस्थित साधनों से घटनास्थल के आसपास स्थित अस्पतालों एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भिजवाया गया।

हाथरस हादसे में 3 अन्य राज्यों के श्रद्धालुओं की भी मृत्यु, राज्य सरकार सभी को देगी मुआवजा

● अब तक 121 श्रद्धालुओं की मौत की पुष्टि, मृतकों में 113 महिलाएं, 6 बच्चे और 2 पुरुष शामिल

● मृतकों में यूपी के 17 जिलों के कुल 106 श्रद्धालु, गैरप्रांतों के 6 श्रद्धालुओं की मौत की पुष्टि

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ हाथरस

हाथरस में हुए हादसे में मारे गए श्रद्धालुओं में उत्तर प्रदेश के साथ-साथ 3 अन्य राज्यों के श्रद्धालु भी शामिल हैं। इनमें मध्य प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान के श्रद्धालु शामिल हैं। वहीं, प्रदेश के अंदर 17 जनपदों के श्रद्धालुओं की भी मृत्यु हुई है। इन सभी मृतकों के परिजनों को योगी सरकार सहायता राशि प्रदान करेगी। जिला प्रशासन द्वारा जारी मृतकों की सूची में 6 मृतक अन्य राज्यों से है। इनमें मध्य प्रदेश के ग्वालियर से एक, हरियाणा के पलवल से एक और फरीदाबाद से 3, जबकि राजस्थान के डीग से 1 श्रद्धालु शामिल है। इसी तरह उत्तर प्रदेश के मृतकों में सर्वाधिक 22 मृतक हाथरस से हैं, जबकि आगरा से 17, अलीगढ़ से 15,एटा से 10, कासगंज और मथुरा से 8-8,बदायूं से 6, शाहजहांपुर और बुलंदशहर से 5-5, औरैया और संभल से 2-2, जबकि ललितपुर, फिरोजाबाद, गौतमबुद्धनगर, पीलीभीत, लखीमपुर खीरी और उन्नाव से एक-एक श्रद्धालु की मृत्यु हुई है। कुल मिलाकर उत्तर प्रदेश से बाहर के 6 और उत्तर प्रदेश के 106 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। कुल 121 में से अब तक 112 की शिनाख्त हुई है। इन 121 मृतकों में से 113 महिलाएं, 6 बच्चे (5 बच्चे और 1 बच्ची)व 2 पुरुष शामिल हैं। प्रशासन की ओर से कंट्रोल रूम/ हेल्पलाइन नंबर 05722-227041, 42, 43, 45 भी जारी किया गया है।

हाथरस पहुंचकर घायलों के परिजनों से मिले प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय

● हाईकोर्ट के मौजूदा जज से कराई जाएं न्यायिक जांच, मृतकों के परिजनों को दें एक करोड़ का मुआवजाः अजय राय

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

जनपद हाथरस में भगदड़ के दौरान हुई ह्रदय विदारक घटना की वस्तु स्थिति जायजा लेने तथा घटना में मृतकों के परिजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करने तथा घायलों के परिजनों से मिलकर उनका कुशल क्षेम जानने के लिए प्रदेश कांग्रेस अजय राय जनपद हाथरस पहुंचे।

उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी मीडिया विभाग के चेयरमैन डॉ. सीपी राय ने बताया कि घटना के संज्ञान में आने पर अजय राय हाथरस के बागला अस्पताल पहुंचे जहां घटना में गंभीर रूप से घायल हुए नागरिकों का कुशलक्षेम जाना और उनके परिजनों को सांत्वना दिया और चिकित्सकों से मिलकर घायलों के समुचित इलाज हेतु आग्रह भी किया।

तत्पश्चात राय हाथरस के सोखना गांव पहुंचे जहां एक ही गांव के 4 लोगों को हादसे में अपनी जान गवानी पड़ी। राय ने मृतकों के परिजनों से मिलकर उन्हें ढांढस बंधाया और उन्हें पार्टी की ओर से हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

राय ने कहा कि यह घटना प्रशासन की लापरवाही का परिणाम है। यदि प्रशासन द्वारा समय रहते घायलों को अस्पताल पहुंचाकर उनके समुचित इलाज की व्यवस्था कराई जाती तो शायद मरने वालों की संख्या इतनी अधिक नहीं होती। इस घटना के लिए पूरी तरह से प्रशासन जिम्मेदार है। राय ने कहा कि सरकार द्वारा घटना की जांच का आदेश रिटायर्ड जज दिया गया है जबकि जांच हाईकोर्ट के वर्तमान जज से कराना चाहिए। राय ने सरकार से मांग करते हुए कहा कि इस ह्दय विदारक घटना में मृतकों के परिजनों को 1 करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता एवं परिवार के एक सदस्य को नौकरी तथा घटना में घायल हुए नागरिकों के लिए 25 लाख रुपए की सहायता राशि के साथ उनके समुचित इलाज की व्यवस्था हो।

हाथरस हादसे में सरकार व प्रशासन की है लापरवाहीः अखिलेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने हाथरस में हुए हादसे की बहुत दर्दनाक और दुःखद बताया है। उन्होंने कहा कि हादसे को लेकर हमें और हमारी पार्टी को बहुत दुःख है। जिन लोगों की जान गयी है, उनके परिजनों के प्रति गहरी संवेदना है। अखिलेश यादव ने कहा कि इस घटना में पूरी सरकार और प्रशासन की लापरवाही है। सरकार और प्रशासन को पता है कि जब कभी इस तरह के कार्यक्रम होते है, बड़ी संख्या में लोग आते है। सरकार के पास जानकारी थी उसके बावजूद जरूरी इंतजाम नहीं किए गये। लापरवाही की वजह से जो जानें गयी है उसकी जिम्मेदार सरकार है। जानें बच सकती थी लेकिन सरकार एम्बूलेंस और गाड़ियों की व्यवस्था नहीं कर पायी। जो घायल इलाज के लिए अस्पताल पहुंचे, उन्हें पर्याप्त इलाज नहीं मिला। न दवाएं मिली न ऑक्सीजन मिली। लोगों को बचाने का कोई इंतजाम नहीं था। इस सबके लिए भाजपा सरकार जिम्मेदार है। अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार दुनिया में विश्व गुरू बन जाने की बात करती है। बड़े-बड़े दावे करती है कि दुनिया में भारत पांचवी बड़ी अर्थव्यवस्था बन गयी, तीसरी अर्थव्यवस्था बनने जा रहे हैं लेकिन सच्चाई यह है कि यह सरकार आपात स्थिति में लोगों को ठीक से इलाज नहीं दे सकती। अखिलेश यादव ने कहा कि हाथरस सत्संग में अगर अनुमति 50 हजार लोगों के पहुंचने की थी लेकिन अगर ज्यादा लोग आये तो प्रशासन क्या कर रहा था? रोका क्यों नहीं? अगर ज्यादा संख्या में लोग आ रहे थे प्रशासन ने फोर्स क्यों नहीं बढ़ायी? बैरिकेडिंग क्यों नहीं बढ़ायी? बैरिकेडिंग क्यों नहीं की। सरकार की जिम्मेदारी थी। सरकार की वजह से ऑक्सीजन नहीं मिला, दवाएं नहीं मिली। इलाज नहीं मिला। सरकार की वजह से लोगों की जाने गयी। सरकार अपनी जिम्मेदारी दूसरों पर न डालें।

राज्य सरकार ने 26 दिन में 3749 मरीजों को दी 78.31 करोड़ की आर्थिक सहायता

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

'सबका साथ, सबका विकास' को चरितार्थ करते हुए आचार संहिता हटने के तत्काल बाद से ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जनसमस्याओं के समाधान में जुट गए। आचार संहिता हटते ही सीएम योगी आदित्यनाथ ने छह जून को लखनऊ स्थित सरकारी आवास पर 'जनता दर्शन' किया। उनकी मंशा के अनुरूप पीड़ितों की समस्याओं का समाधान तत्काल शुरू हुआ। वहीं इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर आए पीड़ितों को भी राहत देते हुए समयसीमा के भीतर अस्पताल के लिए राशि जारी कर दी गई। महज 26 दिन के भीतर 3749 मरीजों को इलाज के लिए 78.31 करोड़ से अधिक की राशि स्वीकृत की गई। सीएम योगी आदित्यनाथ के जनता दर्शन के साथ ही जनप्रतिनिधियों के पत्र पर भी पीड़ित लोगों को रिपोर्ट के आधार पर धनराशि जारी की गई है। छह जून से पहली जुलाई के मध्य 3749 पीड़ितों को 78 करोड़, 31 लाख, 54 हजार 134 रुपये जारी किए गए। महज 26 दिन में यह राशि जारी होने से सभी वर्गों के पीड़ितों को किडनी, कैंसर, ब्रेन हैमरेज, ऑपरेशन समेत कई जटिल बीमारियों के इलाज में मदद मिली। 'जनता दर्शन' सीएम योगी आदित्यनाथ की प्राथमिकता में है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर प्रतिदिन सुबह 9 से दोपहर दो बजे तक उनके सरकारी आवास पर जनता दर्शन कार्यक्रम चलता है। समय-समय पर सीएम खुद भी लखनऊ और गोरखपुर में 'जनता दर्शन' करते हैं।

ग्रीन फील्ड़ कालेज, इलसिया ग्रन्ट रामकोट सीतापुर, पिन कोड़-261001

आवश्यकता है

सहायक आचार्य (एम०ए०)-चित्रकला 02 पद, गृह विज्ञान 02 पद, अग्रेजी 02 पद। सहायक आचार्य-बी0काम0-03 पद।

योग्यता-यू०जी०सी०/राज्य सरकार/लखनऊ विश्वविद्यालय के मानकानुसार। इच्छुक अभ्यर्थी समस्त शैक्षिक प्रमाण पत्रों सहित आवेदन 15 दिनों में पंजीकृत डाक से भेजे। **प्रबन्धक/सचिव**
ग्रीन फील्ड़ कालेज,
सीतापुर।
7310005000

प्रयागराज महाकुंभः अस्थायी बस स्टेशनों के निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ प्रयागराज

प्रयागराज में गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के त्रिवेणी के तट पर लगने जा रहे महाकुंभ-2025 के आयोजन को लेकर योगी सरकार युद्ध स्तर पर तैयारियां कर रही है । यूपी रोडवेज महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं को कुम्भ नगरी तक लाने और उनकी वापसी की राह आसान करने के लिए वृहद् स्तर पर तैयारियां कर रहा है। इसमें नयी बसों का संचालन, शटल बसों की सेवा और स्थायी और अस्थाई बस स्टेशन का निर्माण शामिल है।

कुम्भ मेला प्रशासन के मुताबिक संगम नगरी प्रयागराज में इस बार कुम्भ में 3.50 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के रोडवेज बसों से पहुंचने का अनुमान है । यूपी रोडवेज के क्षेत्रीय प्रबंधक एम के त्रिवेदी बताते हैं कि इन श्रद्धालुओं को कुंभ नगरी तक लाने और वापस घर पहुंचाने के लिए रोडवेज 7550 बसों का संचालन करेगा। प्रदेश के 19 रोडवेज परिक्षेत्र के 112 डिपो के 75 जिला मुख्यालयों से ये बसें चलाई जाएंगी। इनके लिए 9 अस्थाई बस स्टेशन का निर्माण शहर में किया जा रहा है ताकि शहर के अंदर जाम की स्थिति न बने और भीड़ की वजह से बसों का संचालन भी प्रभावित न हो। जिन स्थानों में ये अस्थाई बस स्टेशन बनाए जाएंगे उसमें नेहरू पार्क, राजर्षि टंडन आवासीय परिसर, सरस्वती हाइटेक सिटी, अंध विद्यालय लेप्रोसी चौराहा , सरस्वती गेट, कटका, झूसी और दुर्जनपुर शामिल हैं। इनके निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। अस्थाई बस स्टेशन के अलावा नगरीय परिवहन सेवा की 200 इलेक्ट्रिक बसों के चार्जिंग पॉइंट बनाने के लिए तीन स्थानों पर भूमि का अधिगृहण किया जा रहा है। जिन तीन स्थानों को इसके लिए चुना गया है उसमें फाफामऊ, त्रिवेणीपुरम गेट और नेहरू पार्क शामिल हैं। महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों की यातायात परिवहन के लिए रोडवेज मेला क्षेत्र के बाहर और अंदर जाने के व्यवस्था कर रहा है। यूपी रोडवेज के क्षेत्रीय प्रबंधक एम के त्रिवेदी बताते हैं कि महाकुंभ में कुंभ मेला क्षेत्र में 550 शटल बसों का भी संचालन होगा।

कांग्रेस ने हाथरस हादसे के मृतकों की आत्मा की शांति के लिए कैंडल जलाकर की प्रार्थना

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

जनपद हाथरस में भगदड़ के दौरान हुई ह्रदय विदारक घटना में मृतकों की आत्मा की शांति के लिए तथा घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य होने की कामना के लिए बुधवार को कांग्रेसजनों द्वारा प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय के बाहर 'राजीव चौक' पर कैडल जलाकर ईश्वर से प्रार्थना की गई।

कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष, प्रभारी प्रशासन दिनेश कुमार सिंह, मीडिया विभाग के चेयरमैन पूर्व मंत्री डॉ. सीपी राय, वाइस चेयरमैन मनीष श्रीवास्तव हिंदवी, शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अमित श्रीवास्तव त्यागी, डॉ. शहजाद आलम, प्रदेश प्रवक्ता एड. प्रदीप सिंह, वरिष्ठ कांग्रेस नेता द्विजेन्द्र त्रिपाठी, वीरेन्द्र मदान, प्रमोद सिंह, अमरनाथ अग्रवाल, कृष्णकांत पाण्डेय, शैलेन्द्र तिवारी बब्लू, विक्रम पाण्डेय, आलोक सिंह रैकवार, शैलेन्द्र दीक्षित, नुसरत अली, अजय शर्मा, जितेन्द्र कुमार वर्मा, अयूब सिद्दीकी, रविन्द्र पटेल, मोहम्मद रफीक गाजी, संजय सिंह, किश्वर जहां, हम्माम वहीद, शब्बीर हाशमी, अजीत मौर्या, सहित तमाम कांग्रेसजन मौजूद रहे।

दो वर्ष में पीएम सूर्य घर योजना से जुड़ेंगे अयोध्या के 50 हजार घर

सोलर एनर्जी को बढ़ावा दे रही उत्तर प्रदेश सरकार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ अयोध्या

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार में अयोध्या को मॉडल सोलर सिटी के तौर पर विकसित करने की प्रक्रिया जारी है। इसी क्रम में देश में लगातार बढ़ते बिजली के बोझ, मांग के अनुरूप कम बिजली उत्पादन व उपभोक्ताओं पर लगातार बढ़ती बिजली की कीमतों के दबाव को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का शुभारम्भ किया है। केन्द्र सरकार की इस महत्वपूर्ण योजना के अन्तर्गत देश के एक करोड़ घरों को आच्छादित किये जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। सोलर रूफटॉप से उत्पादित बिजली मुफ्त होगी। जिसका उपयोग उपभोक्ता अपनी विद्युत आवश्यकता की पूर्ति के लिए कर सकेंगे। केन्द्र सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष उत्तर प्रदेश में 25 लाख घरों पर सोलर रूफटॉप संयंत्र की स्थापित किया जाना है। राम नगरी अयोध्या के 50 हजार घरों को भी पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। सोलर रूफटॉप संयंत्रों की स्थापना के लिए प्रति किलोवॉट 10 वर्गमीटर छाया रहित छत की आवश्यकता होती है। एक किलोवॉट के रूफटॉप संयंत्र से औसतन प्रतिदिन 4-5 यूनिट बिजली का उत्पादन होता है। संयंत्र से उत्पादित विद्युत का उपयोग भवन स्वामी द्वारा करने के उपरान्त अवशेष विद्युत ग्रिड में चली जाती है जिसका नेटमीटरिंग के माध्यम से विद्युत बिल में समायोजन सबंधित डिस्कॉम द्वारा किया जाता है। उपभोक्ता द्वारा सोलर संयंत्रों की स्थापना में व्यय की गयी धनराशि की प्रतिपूर्ति विद्युत बिल के बचत के रूप में 3 से 4 वर्षों में हो जाती है। संयंत्र का जीवनकाल लगभग 25 वर्ष का होता है।

अतः शेष 21 वर्षों तक संयंत्र से उत्पादित विद्युत उपभोक्ता को निशुल्क प्राप्त होती रहेगी। उक्त योजना का लाभ अधिकाधिक निजी उपभोक्ताओं को प्राप्त हो सके तथा वे प्रेरित हो कर।

यूपी नेडा के अधिकारी प्रवीण नाथ पाण्डेय ने बताया कि योजना का लाभ घर -घर पहुंचे इसके लिए डोर टू डोर कैंपेन भी किया जा रहा हैं। जिसमें 10 महिलाओं की टीम बनाई गई है, इन्हें सोलर सखी का नाम दिया गया है। अयोध्या मे सबसे पहले वार्ड नं 17 में पंडित दीनदयाल नगर व सरोजिनी नगर में सर्व कराया जा रहा है। अयोध्या नगर में 2 साल के अंदर 50 हजार पीएम सूर्य घर योजना से जोड़ा जाएगा। अब तक लगभग 110 घरों को 'पीएम सूर्य घर' योजना से जोड़ा गया है। काम शुरू कर दिया है, ये अभियान 2 महीने तक चलेगा। प्रचार गतिविधियों में बैनर प्रदर्शित करना, रणनीतिक स्थानों पर बिलबोर्ड लगाना, बूथ कैंप स्थापित करना और विश्वविद्यालयों, कॉलेजों और स्कूलों में विभिन्न कार्यक्रमों के दौरान पर्चे वितरित करना शामिल होगा।

पायनियर वर्गीकृत

सूचना

मैने अपना नाम FATMA ZIKRULLAH से बदलकर FATIMA ZIKRULLAH कर लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। FATIMA ZIKRULLAH, D/o Zikrullah Ansari,154/2B/13J, Mak Town Karelabagh GTB Nagar, Prayagraj

सूचना

मैं युग धवन S/o अजय कुमार धवन R/o D1/37 Sector H, Jankipuram Lucknow UP- दिनाँक 02/07/2024 को शपथ पत्र के माध्यम से घोषित करता हूँ कि मेरे पिता का नाम अजय कुमार धवन और अजय धवन दोनों एक ही व्यक्ति के नाम है। भविष्य में सभी उद्देश्यों हेतु अजय धवन के रूप में जाने जाएँगे।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि मै दीपक कुमार अग्रवाल पुत्र स्व० भगवती प्रसाद अग्रवाल निवासी 228/153, न्यू रस्तोगी टोला, राजा बाजार लखनऊ, का नाम कुछ दस्तावेजों में दीपक अग्रवाल और कुछ दस्तावेजों में दीपक कुमार अग्रवाल अंकित हो गया है। मेरा वास्तविक नाम दीपक कुमार अग्रवाल है, भविष्य में मुझे दीपक कुमार अग्रवाल नाम से जाना व पहचाना जाये।

आवश्यकता

हीरालाल यादव बालिका डिग्री कालेज सरोजनी नगर, लखनऊ

आवश्यकता है

प्राचार्य - 01

इच्छुक अभ्यर्थी इस प्रकाशित सूचना के प्रथम प्रकाशन के 21 दिनों के अन्दर प्रबन्धक को आवेदन कर सकते हैं। शैक्षिक योग्यता एवं वेतनमानः- यू०जी० सी०/राज्य सरकार / लखनऊ विश्व विद्यालय की प्रथम परिनियमावली के अनुसार होगी। अभ्यर्थी अपना आवेदन पत्र निम्नलिखित पते पर भी प्रेषित कर सकते है। मो०:- 9793000300, 6393520059
ई-मेलः- hlygc1997@ gmail. com, principalhlygpg@gmail.com
प्रबन्धक

सूचना

सूचित किया जाता है कि प्रापर्टी नं0 जो कि प्लाट नं0 6 व 7, खसरा नं0-17 गाँव कचनपुर महियाटी वार्ड शहीद भगत सिंह तहसील, व जिला लखनऊ जो कि यह प्रापर्टी पूर्व में रामेश सिंह की है व प्रदीप कुमार त्रिपाठी को विक्रय की जा रही है। और इस प्रापर्टी पे उज्जीवन स्माल फाइंनेस बैंक से लोन लिया जा रहा है। और इस प्रापर्टी को मार्गेज किया जायेगा, अतः अगर किसी व्यक्ति को प्रापर्टी बन्धक होने से कोई भी आपत्ति है। तो इस विज्ञापन के प्रकाशित होने के 7 दिन के अन्दर नीचे दिये गये पते पर सम्पर्क करे। First Floor, Plot No A-967/23, इन्दिरा नगर लखनऊ उत्तर प्रदेश-226016

फॉर्म नंबर यूआरसी-2

अध्याय XXI के भाग I के तहत पंजीकरण के बारे मेंसूचना देने वाला विज्ञापन
[कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 374(बी) और कंपनी(पंजीकरण के लिए अधिकृत) नियम, 2014 के नियम 4(1) के अनुसार]

1. इसके द्वारा सूचना दी जाती है कि कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 366 की उप-धारा (2) के अनुसरण में, मानेसर, हरियाणा में केंद्रीय रजिस्ट्री केंद्र को एक आवेदन किया गया है। लक्ष्मी ऑयल ट्रेडिंग, एक साझेदारी फर्म को कंपनी अधिनियम 2013 के अध्याय XXI के भाग I के तहत शेयरों द्वारा सीमित कंपनी के रूप में पंजीकृत किया जा सकता है।
2. कंपनी के प्रमुख उद्देश्य इस प्रकार हैं: पेट्रोलियम को बेचने के लिए इथेनॉल जैसे जैव ईंधन का उत्पादन करना विपणन कंपनियाँ उन्हें पेट्रोल में मिश्रण करने में सक्षम बनाती हैं
3. प्रस्तावित कंपनी के ड्राफ्ट ज्ञापन और एसोसिएशन के लेखों की एक प्रति का 24/67-ए, प्रथम तल, बिरहाना रोड, कानपुर-208001 कार्यालय में निरीक्षण किया जा सकता है
4. इसके द्वारा सूचना दी जाती है कि इस आवेदन पर आपत्ति करने वाला कोई भी व्यक्ति प्रकाशन की तारीख से इक्कीस दिनों के भीतर रजिस्ट्रार, 571Y, निरालानगर जूही, जूही कलां, साकेत नगर, कानपुर, उत्तर प्रदेश 208014 को लिखित रूप में अपनी आपत्ति बता सकता है। इस नोटिस की एक प्रति के साथ कंपनी को उसके पंजीकृत कार्यालय में भेजें।

दिनांक 3 जुलाई 2024
आवेदक का नाम
1. विशेन्द्र सोनकर
2. अमर कपूर

कार्यालय ग्राम पंचायत रामगढ़ टिकरिया विकास खण्ड जगतपुर, जिला रायबरेली

पत्रांक : /ग्रा०प०/201-1 दिनांकः-03/07/2024

निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024-25 में मनरेगा/पंचम राज्य में वित्त/पन्द्रहवां वित्त आयोग शौचालय/ओ०डी०एफ० प्लस/सामुदायिक शौचालय मरम्मत एवं अन्य के अन्तर्गत प्राप्त धनराशि के सापेक्ष कराये जाने वाले कार्यों के लिए निर्माण सामग्री जैसे-ईंट, सीमेन्ट बालू, सरिया, ह्यूम पाइप डाला, गिट्टी, मिट्टी दुलाई सहित हैण्ड पम्प मरम्मत हेतु स्पेयर पाट/सोलर लाईट/स्ट्रीट लाइट/हैण्ड पम्प रिबोर/डस्टबिन/सफाई कर्मी किट/टाइल्स, अ/इण्टरलाकिंग ईंट/ RCC चेयर/कूलर इत्यादि की आपूर्ति कार्यस्थल पर करने हेतु दरें आमंत्रित किया जाता है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 10.07.2024 तक अपनी दरें लेटर हेड पर संलग्न कर बन्द लिफाफे में अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते हैं।
नियम एवं शर्तें ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है।
निविदा खुलने की तिथि 10.07.2024

अमित कुमार सोनकर
ग्राम विकास अधिकारी
ग्रा०प० रामगढ टिकरिया

ग्राम प्रधान, शिवदीन
ग्राम पंचायत रामगढ टिकरिया

संपत्ति गिरवी रखने हेतु सूचना

रेसीप्रोकल लाजिस्टिक एल0एल0पी0
सीपी-138, तीसरी मंजिल, विराज खंड, गोमती नगर, लखनऊ, यूपी, 226010

क्रमांक	संपत्ति का पता	गाँव	परगना	तहसील	ज़िला
1.	संपत्ति गाटा संख्या पर स्थित है 393, 394, 424, 385, 380, 427, 379, 384, 220, 381, 379, 372, 423, 378, 395, 425, 432, 376, 428, 429, 431, 435, 430, 437, 386, 388, 374, 422, 421, 389, 390, 382, 385, 226, 373, 426, 422, 378, 383, 354, 375, 436 ग्राम-भौकापुर तहसील-सरोजनी नगर, जिला-लखनऊ में स्थित है।	भौकापुर	बिजनौर	सरोजिनी नगर	लखनऊ
2.	संपत्ति गाटा संख्या पर स्थित है 1441, 1436, 1554, 1538, 1541, 1546, 1543, 1552, 1553, 1525, 1526, 1528, 1530, 1532, 1537, 1550, 1547, 1548, 1544, 1539, 1540, 1453, 1493, 1472, 1464, 1445, 1536, 1551, 1542SA, 1554, 1556, 1459, 1460, 1461, 1467, 1468, 1470, 1523, 1524, 1475, 1476, 1477, 1478, 1509, 1483, 1458, 1503, 1504, 1498, 1446, 1482, 1486, 1487, 1488, 1489, 1490, 1476, 1477, 1478, 1475, 1462, 1463, 1465, 1484, 1545, 1501, 1502, 1556, 1466, 1467, 1469, 1479, 1480, 1474, 1495, 1496, 1497, 1545, 1450, 1449, 1464, 1472, 1448, 1492, 1493, 1494, 1447, 1453, 1454, 1457, 1471, 1510, 1548, 1523, 1524, 1538, 1541, 1546, 1552, 1553, 1533, 1576, 1527	बेंती	बिजनौर	सरोजिनी नगर	लखनऊ

उपर्युक्त मालिक उक्त संपत्ति को एचडीएफसी बैंक के पास गिरवी रखने जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति एवं वित्तीय संस्थान या बैंक को इस संबंध में कोई आपत्ति दावा है तो कृपया इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 4 दिनों के अंदर एचडीएफसी बैंक के पैनल वकील श्री बी एन त्रिपाठी से 9336127853 पर सम्पर्क करें उपरोक्त समयावधि पूर्ण होने के पश्चात किसी भी प्रकार के दावे पर विचार नहीं किया जायेगा।

हमले के विरोध में थाने पर किन्नरों का हंगामा, हाईवे जाम कर किया प्रदर्शन

● पुलिस पर जानलेवा हमले की एफआईआर न लिखने का लगाया आरोप

संवाददाता। मोहनलालगंज

आपसी कहासुनी के बाद मोहनलालगंज के मऊ गांव में किन्नर और एक अन्य युवक में विवाद हो गया। इसी बीच युवक के बेटे ने किन्नर पर ईंट से वार कर सिर फोड़ दिया। मामले में जानलेवा हमले की रिपोर्ट न दर्ज करने का आरोप लगाकर किन्नरों ने थाने से लेकर हाईवे तक हंगामा कर जाम लगा दिया। पुलिस ने कार्रवाई का आश्वासन दिया तब जाकर किन्नर शांत हुए।

मोहनलालगंज नगर पंचायत के मऊ गांव निवासी अनिल कुमार उर्फ सोनू हरी और किन्नर प्रियंका सिंह रघुवंशी में किसी बात को लेकर अनबन हो गई। बुधवार को दोनो पक्षों में कहासुनी के बाद विवाद हो गया। नौबत हाथापाई तक पहुंच गई इसी बीच सोनू के बेटे ने किन्नर प्रियंका सिंह रघुवंशी के सिर पर ईंट से वार कर जख्मी का दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस दोनों पक्षों को कोतवाली लेकर चली आई। पुलिस ने मामले में शांतिभंग की कार्रवाई की। फिर शाम को जानलेवा हमले की रिपोर्ट न दर्ज करने का आरोप लगाकर किन्नरों ने थाने में हंगामा और अर्धनग्न प्रदर्शन शुरू कर दिया। नाराज किन्नर कार्रवाई की मांग को लेकर थाने से बाहर रायबरेली हाईवे जमकर हंगामा और प्रदर्शन करने लगे। पुलिस अधिकारियों ने जांच के बाद न्यायोचित कार्रवाई का आश्वासन दिया तब जाकर किन्नर शांत हो सके। एसएचओ आलोक राव ने बताया दोनों पक्ष एक ही गांव के हैं। विवाद के बाद दोनों पक्षों में पहले सुलह की बात होती रही। तहरीर मिलने के बाद मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर एफआईआर दर्ज कर जांच की जा रही है।

वीडियो वायरल होने के बाद एक्शन में आई पुलिस

किन्नरों के प्रदर्शन के बाद कुछ लोगों ने थाने से हाईवे तक हुए हंगामे और किन्नर प्रियंका सिंह रघुवंशी के सिर पर वार कर रहे आरोपी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। जिसके बाद हड़कंप मच गया। आनन फानन हरकत में आए पुलिस अधिकारियों ने मातहतों को फटकार लगाकर कार्रवाई शुरू कराई।

चौक में सरेराह छात्रा पर फेंका एसिड मौसेरी बहन सहित मेडिकल स्टूडेंट घायल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● पुलिस जांच में जुटी, घटना से छात्रा व मौसेरा भाई प्रभावित

किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी से एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहे अपने मौसेरे भाई के साथ बुधवार को चौक जाने के लिए निकली एक छात्रा पर स्टेडियम के पास एक शोहदे ने एसिड फेंक दिया। जिसके चलते छात्रा को बचाने के चक्कर में उसका मौसेरा भाई भी चपेट में आ गया। दोनों झुलस गए। दोनों को ट्रामा में भर्ती कराया गया है। केजीएमयू प्रशासन के मुताबिक दोनों की हालत स्थिर है। हालत खतरे से बाहर है। डॉक्टर लगातार मरीजों की सेहत की निगरानी कर रहे हैं।

दिलाराम बारादरी, चौपटियां निवासी व्यापार मंडल के एक पदाधिकारी की 20 वर्षीय बेटी बुधवार सुबह आठ बजे चौक स्टेडियम समीप रामलीला मैदान के पास अपने मौसेरे भाई के साथ बात कर रही थी। इस बीच शोहदा उसके पास पहुंचा और कुछ बातचीत की लेकिन उन दोनों ने उसे भगा दिया। इसके बाद अचानक वापस लौटकर उस पर एसिड फेंक दिया। जैसे ही एसिड फेंका उसका भाई आगे आ गया, जिससे उस पर भी एसिड पड़ गया। इस दौरान शोहदा भाग निकला। हमलावर शोहदा काली टीशर्ट पहने हुए था।

घटना के बाद दोनों को केजीएमयू के ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है। जहां पर दोनों का इलाज चल रहा है। छात्र की मौसेरी बहन नेशनल पीजी कॉलेज से बीबीए ग्रेजुएट है। डीसीपी पश्चिम दुर्गेश कुमार ने बताया कि दोनों काफी दहशत में हैं। इलाज जारी है। स्थिति सामान्य होने पर उनसे बातचीत कर जानकारी ली ली गयी है। दूसरी तरफ सीसीटीवी फुटेज की मदद से तफ्तीश शुरू की है। जल्द हमलावर पकड़ा जाएगा।

एसिड अटैक से घायलों की तबीयत स्थिर

केजीएमयू प्रशासन के मुताबिक एसिड अटैक में जख्मी केजीएमयू एमबीबीएस द्वितीय वर्ष के छात्र व उसकी 22 वर्षीय मौसेरी बहन की हालत खतरे से बाहर है। दोनों रोगियों का उपचार केजीएमयू प्लास्टिक सर्जरी विभाग में डॉ. रवि कुमार सिंह एवम प्रो बृजेश मिश्रा की देख-रेख में चल रहा है। छात्रा के चेहरे और दोनों बांह रसायन से झुलस गए हैं। जबकि छात्र के पीठ और दाहिनी बांह जल गई है। प्रशासन के मुताबिक छात्रा 5 फीसद प्रभावित है जबकि छात्र 10 फीसद प्रभावित है।

सीएमओ डॉ. विनोद कुमार आर्य व डॉ. बीपी सिंह हत्याकांड मामला

आनंद प्रकाश तिवारी को आजीवन कारावास, 58 हजार का जुर्माना

विधि संवाददाता। लखनऊ

राजधानी के बहुचर्चित सीएमओ डॉ. विनोद कुमार आर्य व डॉ. बीपी सिंह हत्याकांड मामले में दोषी करार दिए गए अभियुक्त आनंद प्रकाश तिवारी को सीबीआई की विशेष अदालत ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। विशेष जज अनुरोध मिश्र ने इस पर अलग-अलग 58 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। बीते शुक्रवार को विशेष अदालत ने इसे समान आशय से हत्या व आर्म्स एक्ट के मामले में दोषी करार दिया था। जबकि इस मामले के दो आरोपी रामकृष्ण वर्मा व विनोद शर्मा को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया था।

बता दें कि 27 अक्टूबर, 2010 की सुबह छह बजे सीएमओ परिवार कल्याण डॉ. विनोद कुमार आर्य की विकासनगर इलाके में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। जबकि दो अप्रैल, 2011 को मार्निंग वाक करते समय सीएमओ डॉ. बीपी सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। 27 जुलाई, 2011 को हाईकोर्ट के आदेश से इस बहुचर्चित दोनों हत्याकांड की जांच सीबीआई को सौंप दी गई। जबकि इससे पहले 26 जून, 2011 को पुलिस ने आनंद प्रकाश तिवारी की निशानदेही पर थाना गुड़म्बा इलाके से हत्या में इस्तेमाल देशी तमंचा बरामद किया था। इधर, सीबीआई ने अपनी विवेचना के पश्चात अभियुक्त आनंद प्रकाश तिवारी, रामकृष्ण वर्मा व विनोद शर्मा के विरुद्ध आरोप पत्र दाखिल किया। आठ अप्रैल, 2013 को अदालत ने अभियुक्त आनंद प्रकाश तिवारी, रामकृष्ण वर्मा व विनोद शर्मा पर हत्या व हत्या की साजिश तथा अभियुक्त आनंद व विनोद पर समान आशय से हत्या करने में आरोप तय किया था। साथ ही अभियुक्त आनंद प्रकाश तिवारी पर अलग से आर्म्स एक्ट में भी आरोप तय हुआ था। विचारण के दौरान सीबीआई की ओर से अभियुक्त रामकृष्ण वर्मा व विनोद शर्मा के विरुद्ध सुसंगत साक्ष्य पेश नहीं किया जा सका। लिहाजा विशेष अदालत ने इन दोनों को साक्ष्य के अभाव में दोषमुक्त कर दिया।

संवेदनशील फोटोजर्नलिस्ट ला रहे हैं बड़े बदलाव: यूनिसेफ

● यूनिसेफ और दा यूथ फोटोजर्नलिस्ट एसोसिएशन की संयुक्त पहल पर विश्व फोटोग्राफी दिवस पर आयोजित होगी बाल अधिकारों के थीम पर फोटो प्रदर्शनी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

तस्वीरों के द्वारा बच्चों के हक में बड़े बदलाव लाने के उद्देश्य से यूनिसेफ एवं दा यूथ फोटोजर्नलिस्ट एसोसिएशन द्वारा बुधवार को 'क्लिक्स फॉर चेंज फॉर एव्री चाइल्ड' संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में बाल अधिकारों को सुनिश्चित करने में फोटोजर्नलिस्ट की भूमिका पर चर्चा की गई एवं बच्चों से जुड़े विषयों को प्राथमिकता, संवेदनशीलता और जिम्मेदारी से कवर करने पर ज़ोर दिया गया।

संगोष्ठी में यूनिसेफ के प्रोग्राम मैनेजर डॉ अमित मेहरोत्रा ने कहा कि इस वर्ष यूनिसेफ भारत में अपने 75 वर्ष मना रहा है। इन 75 वर्षों में यूनिसेफ द्वारा सरकार और सभी हितधारकों के साथ मिल कर बच्चों के सर्वांगीण विकास, खासतौर पर शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, सहभागिता एवं सुरक्षा पर कार्य किये गए हैं। यूनिसेफ की संचार विशेषज्ञ निपुण गुप्ता ने भारत सरकार, प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया, इंटरनेशनल फ़ेडरेशन ऑफ जर्नलिस्ट एवं यूनिसेफ द्वारा बच्चों की फोटोग्राफी के लिए बनाए गए कोड ऑफ कन्डक्ट के विषय में बताया। उन्होंने कहा कि तस्वीर लेते हुए इस बात का ध्यान सदैव रखना चाहिए की फोटो से बच्चे को किसी भी प्रकार से कोई नुकसान न पहुंचे। यूनिसेफ के स्वास्थ्य अधिकारी डॉ विजय अग्रवाल ने एक विस्तृत प्रस्तुतीकरण में कहा कि जल वायु परिवर्तन से सबसे अधिक प्रभावित बच्चे ही हैं। यूनिसेफ के जल एवं स्वच्छता विशेषज्ञ नगेन्द्र प्रताप सिंह ने जल वायु परिवर्तन के कारण खाद्य पदार्थों पर हो रहे प्रभाव पर चर्चा की एवं किचेन गार्डन बनाने एवं अधिक से अधिक पौधे लगाने की बात कही। यूनिसेफ के बाल सुरक्षा अधिकारी दिनेश कुमार ने बच्चों की फोटोग्राफी से जुड़े कुछ कानूनों की जानकारी दी। बता दें कि यूनिसेफ एवं दा यूथ फोटोजर्नलिस्ट एसोसिएशन द्वारा 19 अगस्त को विश्व फोटोग्राफी दिवस पर एक फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा।

दा यूथ फोटोजर्नलिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष साहिल सिद्दीकी ने बताया कि फोटो प्रदर्शिनी एवं प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने के लिए स्वस्थ बच्चों के लिए स्वस्थ पर्यावरण: जलवायु परिवर्तन से बच्चों का बचाव' एवं 'बचपन से किशोरावस्था तक प्यार भरी देखभाल' विषय से जुड़ी तस्वीरें साझा करनी होंगी। यह तस्वीरें 1 जनवरी 2023 से 5 अगस्त 2024 के बीच ली गई होनी चाहिए। प्रतिभाग करने के लिए फोटो भेजने की अंतिम तिथि 5 अगस्त 2024 है।

नीट परीक्षा में धांधली को लेकर एनएसयूआई ने किया प्रदर्शन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

नीट परीक्षा में हुई धांधली के विरोध में भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) मध्य जोन के कार्यकर्ताओं ने बुधवार को लखनऊ में प्रदर्शन किया। विधानभवन घेरने के लिए जा रहे प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच नोक-झोंक हुई। जिसके बाद प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया।

एनएसयूआई का कहना है कि नीट 2024 का परिणाम घोषित हुआ, जिसमें कई अनियमितताएं जाहिर हुई, पेपर लीक का आरोप भी अभ्यर्थियों द्वारा लगाया गया। परीक्षा में तकनीकी गड़बड़ियां, कदाचार और अनुचित साधनों का प्रयोग किया गया। भाजपा शासित राज्य उत्तर प्रदेश, बिहार, गुजरात, और हरियाणा में नीट परीक्षा से सम्बन्धित भ्रष्टाचार के लिए कई लोगों की गिरफ्तारियां भी हुई जिससे पूरी परीक्षा ही दोषपूर्ण की आशंका से ग्रसित हो गई है।

एनएसयूआई मध्यजोन के अध्यक्ष अनस रहमान के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय से विधानसभा की ओर कूच किया। इस दौरान मौके पर मौजूद पुलिस प्रशासन ने युवाओं को बैरीकेड लगाकर बल पूर्वक रोकने का प्रयास किया जिससे आक्रोशित युवा वहीं बैठ गए और भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। तद्पश्चात प्रदर्शन कर रहे युवाओं को पुलिस प्रशासन द्वारा हिरासत में लेकर बसों के माध्यम से अस्थाई जेल ईको गार्डेन ले जाया गया।

अध्यक्ष अनस रहमान ने कहा कि नीट परीक्षा में भ्रष्टाचार के कारण लाखों युवाओं का भविष्य दांव पर लग गया है। अभिभावकों के लाखों रुपए बर्बाद हुए हैं, जिस कारण कई छात्र अवसाद में हैं और कईयों ने तो आत्महत्या कर ली है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की पांच न्याय गारंटियों में से युवा न्याय में पर्चा लीक के खिलाफ एक सख्त कानून बनाने की बात कही गई थी। हम आज भी युवाओं के प्रति किए गए वादों के प्रति प्रतिबद्ध हैं और हम तब तक इस लड़ाई को जारी रखेंगे, जब तक युवाओं के प्रति हो रहे इस अन्याय का खात्मा नहीं हो जाता, दोषियों को सजा नहीं हो जाती। तब तक हम इस लड़ाई को निरन्तर रूप से जारी रखेंगे। प्रदर्शन में मुख्य रूप से भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन पूर्वी जोन के अध्यक्ष ऋषभ पाण्डेय, आकाश अवस्थी, आर्यन मिश्रा, सौरभ सिंह, दिव्यांश, राशि साहू, अजय बागी, राणा सुधांशु सिंह सहित भारी संख्या में युवा कार्यकर्ता शामिल रहे।

महिला के गर्भाशय से निकाला चार किलो का ट्यूमर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

क्वीन मेरी हॉस्पिटल के विशेषज्ञों ने एक 30 वर्षीय महिला के गर्भाशय से चार किलो का फाइब्रॉयड ट्यूमर निकालने में सफलता हासिल की है। डॉक्टरों का कहना है कि संस्थान में पहली बार इतने बड़े आकर का फाइब्रॉयड ट्यूमर निकाला गया है। सर्जरी के बाद महिला स्वास्थ्य लाभ पर है। बाराबंकी स्थित देवा निवासी महिला को शादी के तीन साल बाद भी गर्भधारण नहीं हुआ। कई स्थानीय अस्पतालों में दिखाया। जांच व इलाज से फायदा नहीं हुआ। परिवारीजन मरीज को लेकर क्वीनमेरी पहुंचे। यहां डॉ. सुजाता देव व वंदना सोलंकी जब जरूरी जांच कराई गई तो पेट में 36 सप्ताह के गर्भ के बराबर फाइब्रॉयड ट्यूमर का पता चला। यह ट्यूमर गर्भाशय की दीवार से चिपका था। जिसके बाद ऑपरेशन का निर्णय लिया गया। डॉ. सुजाता ने बताया कि फाइब्रॉयड गर्भाशय में बढ़ने वाली अगला मांसपेशी है। उन्होंने बताया कि ट्यूमर को हटाने के साथ गर्भाशय को बचाना बड़ी चुनौती थी, ताकि महिला की प्रजनन क्षमता बनी रहे। इसमें मायोमेक्टॉमी तकनीक इस्तेमाल की गई। ऑपरेशन के दौरान चार किलोग्राम का ट्यूमर निकाला गया। यह ऑपरेशन चार घंटे चला। ऑपरेशन टीम में डॉ. करण कौशिक, एनस्थीसिया विभाग की डॉ. निकिता, ऐप पर पढ़ें आकांक्षा, डॉ. दीपा और डॉ. मानवी शामिल थीं।

लोहिया विधि विश्वविद्यालय में पहले सेमेस्टर की कक्षाएं आज से

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2024-25 के अंतर्गत बीए.एलएलबी. और एलएलएम के पहले सेमेस्टर की कक्षाएं गुरुवार से शुरू होगी। सत्र के शुभारंभ के मौके पर विवि की तरफ से आयोजित ओरिएंटेशन प्रोग्राम का उद्घाटन कुलपति प्रो. अमर पाल सिंह के संबोधन से हुआ। इसके बाद मुख्य अतिथि और पूर्व वीसी प्रो. बलराज चौहान ने छात्रों को संबोधित किया। दूसरे दिन के ओरिएंटेशन में हॉस्टल वार्डन डॉ. मलय पांडेय और डॉ. समरीन हुसैन, साथ ही विश्वविद्यालय प्रॉक्टर डॉ. के.ए. पांडेय ने छात्रों को संबोधित किया। कार्यक्रम के तीसरे दिन, एचओडी प्रो. ए.पी. सिंह ने नव प्रवेशित छात्रों को संबोधित किया। यह कार्यक्रम गुरुवार को डिप्टी लाइब्रेरियन डॉ. मनीष बाजपेई के संबोधन के साथ समाप्त होगा। विवि के प्रवक्ता डॉ. शशांक शेखर के मुताबिक समाजशास्त्र, इतिहास, राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र, और मनोविज्ञान जैसे वैकल्पिक विषयों की कक्षाएं साथ ही चल रही हैं।

एकेटीयू में 15 तक चैलेंज मूल्यांकन को लेकर छात्र कर सकेंगे आवेदन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय की 9 जनवरी से 9 फरवरी 2024 के बीच आयोजित विषम सेमेस्टर की परीक्षा का परिणाम घोषित किया जा चुका है। इस परीक्षा में शामिल छात्र-छात्राओं को चैलेंज मूल्यांकन का अवसर दिया गया है। छात्रों के ईआरपी लॉगइन पर कॉपी उपलब्ध करा दी गयी है। चैलेंज मूल्यांकन कराने के इच्छुक छात्र 15 जुलाई तक 25 सौ रूपये प्रति विषय का शुल्क जमा कर चैलेंज मूल्यांकन के लिए आनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

डॉ आकाश वेद पीसीआई के सदस्य नामित

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय के फार्मेसी संकाय के प्रोफेसर डॉ आकाश वेद को फार्मेसी काउंसिल ऑफ़ इंडिया की केंद्रीय परिषद में सदस्य नामित किया गया है। डॉ आकाश पीसीआई में यू जी सी द्वारा नामित सदस्य के रूप में अपनी सेवाएँ देंगे।

शातिर चोर चढ़े पुलिस के हत्थे, आधा दर्जन सोलर पैनल और ट्रॉली बरामद

● पुलिस के लिए चुनौती बन चुके गिरोह का हुआ पर्दाफाश

संवाददाता। मोहनलालगंज

सोलर पैनल और वाहन चोरी की वारदातें अंजाम देकर पुलिस के लिए चुनौती बन चुके दो शातिर चोरों को गिरफ्तार कर मोहनलालगंज पुलिस ने बुधवार को कई वारदातों का खुलासा किया। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर आधा दर्जन सोलर पैनल और एक ट्रॉली समेत अन्य सामान भी बरामद करने का दावा किया है। जबकि गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में पुलिस छापेमारी कर रही है।

मोहनलालगंज के पूर्व विधायक अंब्रीश सिंह पुष्कर के खेतों से 22 दिसंबर 2023 को सोलर पैनल चोरी हो गए थे। जिसकी थाने में एफआईआर कराई गई थी। 9 जून 2024 को वाईडीवीपी इंटर कॉलेज बेलहिया खेड़ा के प्रिंसिपल विवेक कुमार यादव ने भी कॉलेज से सोलर पैनल उखाड़ ले जाने की शिकायत दर्ज कराई थी। इसी तरह 22 जून को गोपाल खेड़ा निवासी योगेश कुमार सिंह ने प्लाई फैक्ट्री से डीसीएम चोरी और 24 जून को अरविंद कुमार ने सीमेंट मौरंग की दुकान से ट्रैक्टर ट्रॉली चोरी होने की एफआईआर कराई थी।

डीसीपी ऑफिस की सर्विलांस टीम की मदद से मोहनलालगंज पुलिस घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालकर सुराग लगाने में जुटी हुई थी। गहनता से जांच और संदेह के घेरे में आए लोगों से कड़ी पूछताछ के बाद पुलिस टीम ने बाराबंकी निवासी अंगद कुमार वर्मा और पवन कुमार को दबोचकर उनके पास से चोरी के आधा दर्जन सोलर पैनल व एक ट्रॉली और पटिया बरामद की है। एडीसीपी साउथ शशांक सिंह ने बताया आरोपी रेकी कर वारदातों को अंजाम देते हैं। गिरोह में शामिल दो अन्य संदिग्ध की पुलिस सरगर्मी से तलाश कर रही है।

ट्रैक्टर बेंचने जा रहे साथी ने हादसे में तोड़ा दम

एडीसीपी साउथ ने बताया गिरोह में शामिल ड्राइवर भगवानदास चोरी किए हुए ट्रैक्टर को कहीं बेचने ले जा रहा था। तभी फतेहपुर के निकट मोहरीगांव में ट्रैक्टर पलटने से उसके नीचे दबकर भगवानदास की मौत हो गई। मृतक ने ही साथी की मदद से डीसीएम को कहीं छिपाया है। जिसकी तलाश में पुलिस टीम लगातार प्रयास कर रही है।

राजभवन में एक वृक्ष माँ के नाम अभियान के तहत पौधरोपण

● राज्यपाल राजभवन में माँ गार्डन का किया उद्घाटन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की प्रेरणा से बुधवार को राजभवन में एक वृक्ष माँ के नाम अभियान के तहत पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें पद्मश्री, मालिनी अवस्थी स्कूली बच्चे तथा राजभवन के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने माँ के नाम से पौधरोपण किया। पौधरोपण कार्यक्रम में जहाँ राज्यपाल ने सीता अशोक एवं परिजात के पौधे का रोपण किया। वहीं अन्य अधिकारियों ने मोलश्री, परिजात, चितवन, गंधराज, श्वेत चम्पा, स्वर्ण चम्पा, अशोक पेंडुला आदि पौधे लगाए। राज्यपाल ने इस उपवन का माँ गार्डन के नाम से नामकरण करते हुए उद्घाटन भी किया।

ज्ञातव्य है कि योग दिवस के अवसर पर राज्यपाल ने सभी प्रदेश वासियों से एक पौधा माँ के नाम से लगाने तथा उसकी देखभाल करने की अपील की थी इसी क्रम में राज्यपाल जी द्वारा आज राजभवन में माँ गार्डन का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि पौधे से जब माँ का नाम जुड़ जाता है तो माँ की ममता, परवरिश सब याद आते हैं। पेड़ पौधों को भी संगीत पसंद होता है पेड़ के नीचे संगीत से पेड़ का विकास शीघ्र होता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की प्रेरणा से पूरे देश भर में करोड़ों लोगों द्वारा पौधारोपण किया जा रहा है। राज्यपाल ने कहा कि पौधों की भी परवरिश करनी होती है, शोधार्थियों से पता चला है कि पौधे प्रतिक्रिया भी देते हैं। उन्होंने कहा कि जब हम किसी कार्य के प्रति संकल्पित एवं समर्पित होते हैं तो कार्य संपन्न होता है। उन्होंने कहा कि आज हमारी नदियां सूख रही है, पहाड़ गिर रहे हैं ऐसी स्थिति में जब पूरा विश्व संकट का सामना कर रहा है, पौधरोपण आवश्यक है। हमारे द्वारा जल संवर्धन, नदियों को पुनर्जीवित करने के कार्य किए जाने चाहिए।

इस अवसर पर पद्मश्री मालिनी अवस्थी ने कहा कि भारतवर्ष की संस्कृति हमें प्रकृति के साथ रहना सिखाती है। उन्होंने कहा कि पेड़-पौधे अपना कर्तव्य सदियों से निभाते आए हैं, वे हमें फल, छाया और आक्सीजन प्रदान करते हैं और बदले में हमसे कोई अपेक्षा नहीं रखते। आषाढ़ के महीने को उन्होंने वृक्षारोपण के लिए आदर्श महीना बताते हुए कहा कि एक ऐसा पर्यावरण बने जहां समावेशिक प्रवृत्ति का विकास हो। पेड़-पौधों को जीवन का हिस्सा बताते हुए उन्होंने कहा कि हमारे लोकगीत और लोक कथाएं प्रकृति से जुड़ी हुई है। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव राज्यपाल डॉ सुधीर महादेव बोबडे ने कार्यक्रम को हर्ष का विषय बताते हुए कहा कि माँ के लिए समर्पित पौधों को परिपक्व होने तक मां के समान ही पालन पोषण किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि घर के आस-पास पौधरोपण कर उसे माँ की स्मृति में समर्पित करें। इस अवसर पर राजभवन व भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय के बच्चों द्वारा प्रकृति संबंधी गीत प्रस्तुत किए गए व राजभवन के समस्त अधिकारी गणों व कर्मचारियों द्वारा पौधारोपण किया गया।

नैक में अच्छी रैंकिंग लाने से विश्वविद्यालय व विद्यार्थियों दोनों को लाभ

राज्यपाल ने सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु की नैक सेल्फ स्टडी रिपोर्ट की समीक्षा की

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने बुधवार को राजभवन में सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु, सिद्धार्थ नगर द्वारा नैक (नेशनल एक्रेडिटेशन एंड असेसमेंट काउंसिल) के लिए दाखिल होने वाली सेल्फ स्टडी रिपोर्ट (एस.एस.आर.) की समीक्षा की। इस बैठक में नैक के सभी संबंधित मानदंडों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में विश्वविद्यालय के शैक्षणिक, प्रशासनिक, अनुसंधान एवं विकास, अवसंरचना, छात्र सेवाओं आदि के विभिन्न आयामों पर गहन विचार-विमर्श किया गया।

राज्यपाल ने विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिये गए गांवों की महिलाओं को संगीत और क्राफ्ट का प्रशिक्षण, स्वयं सहायता समूह बनाकर उनका आय सृजन तथा उन्हें शिक्षित करने हेतु निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय अपने यहां आयोजित स्थापना दिवस तथा अन्य कार्यक्रमों में इन महिलाओं को आमंत्रित करे और उन्हें कला प्रदर्शन के लिए मंच प्रदान करे। राज्यपाल ने इन गांवों में स्थापित अमृत सरोवर योजना से महिलाओं को जोड़कर कार्य करने का भी सुझाव दिया। राज्यपाल ने कहा कि नैक ग्रेडिंग में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए विश्वविद्यालय को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, शोध, नवाचार और समावेशी विकास पर विशेष ध्यान देना होगा। उन्होंने नैक मानकों के अनुरूप सुधार और उन्नयन की दिशा में तत्परता से कार्य करने की आवश्यकता पर बल दिया, साथ ही कहा कि कोई कार्य असंभव नहीं है, कठिन परिश्रम से सब कुछ संभव है। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय को एसएसआर की कमियों को दूर करने के लिए उन विश्वविद्यालयों की एसएसआर पढ़ने का निर्देश दिया जिनको नैक में अच्छी रैंकिंग मिली है, और उसी के आधार पर कार्य करने को कहा। उन्होंने कहा कि नैक में अच्छी रैंकिंग का लाभ विश्वविद्यालय और विद्यार्थियों दोनों को होगा। राज्यपाल ने विद्यार्थियों से फीडबैक लेने पर जोर देते हुए कहा कि अगर विद्यार्थी निगेटिव फीडबैक देते हैं तो विश्वविद्यालय उस पर विचार करे तथा उसका कारण पता करके निदान करे। उन्होंने कहा कि फीडबैक के माध्यम से विश्वविद्यालय अपनी गुणवत्ता में सुधार कर सकता है। उन्होंने अध्यापकों और अभिभावकों का भी फीडबैक लेने का निर्देश दिया। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय को एक क्राइटेरिया में तीन अध्यापकों को जोड़कर एक सशक्त एसएसआर रिपोर्ट बनाने का निर्देश दिया। उन्होंने नई शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत 6वीं कक्षा से व्यवसायिक प्रशिक्षण देने के प्रावधान का जिक्र करते हुए विश्वविद्यालय को इसके अनुरूप कार्य करने का निर्देश दिया, जिससे बच्चों के अंदर हुनर को विकसित किया जा सके।

राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय के अध्यापक विद्यार्थियों के साथ सहज हों जिससे विद्यार्थी अपनी समस्याएं बिना डरे बता सकें और उनकी समस्याओं का निदान करने का प्रयास किया जा सके। इसके साथ ही उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर से बाहर विस्तार गतिविधियों को आयोजित करने का भी निर्देश दिया। बैठक में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो हरि बहादुर श्रीवास्तव ने राज्यपाल के मार्गदर्शन का आभार व्यक्त किया और नैक ग्रेडिंग में श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए पूर्ण समर्पण का आश्वासन दिया।

आलू का बाजार भाव स्थिर करने के लिए हरसंभव प्रयास हों: दिनेश प्रताप सिंह

● **उद्यान अधिकारी अपने-अपने जनपदों में संचालित निजी शीतगृहों का नियमित रूप से निरीक्षण करें: उद्यान मंत्री**

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार तथा कृषि निर्यात मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि योगी सरकार ने प्रदेश में आलू के भण्डारण और वितरण को सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। वर्तमान में प्रदेश में 2101 निजी शीतगृह संचालित हैं, जिनकी भण्डारण क्षमता 176 लाख मीट्रिक टन है। इन शीतगृहों में लगभग 140 लाख मीट्रिक टन आलू का भण्डारण किया गया है। विगत दिनों में प्रदेश की प्रमुख मण्डियों में आलू के औसत थोक बाजार लगभग 02 हज़ार रूपये प्रति कुन्तल रहा है। मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि किसानों को उनकी भण्डारित उपज का अच्छा बाजार भाव मिल सके, इसके लिए किसानों को प्रोत्साहित करते हुए शीतगृह से आलू की तीव्र निकासी कराई जा रही है। अच्छा बाजार भाव प्राप्त होने से जहां किसानों की आय बढ़ेगी और उनका आलू की खेती के प्रति रूझान भी बढ़ेगा, जिससे प्रदेश में आलू के क्षेत्रफल में गुणात्मक वृद्धि होने की प्रबल संभावना बनी रहेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में आलू का बाजार भाव स्थिर रहें, इसके लिए योगी सरकार हरसंभव प्रयास करेगी। किसी भी हाल में किसानों एवं उपभोक्ताओं का अहित नहीं होने दिया जायेगा। उन्होंने किसानों और उपभोक्ताओं को आश्वस्त किया कि आगे आलू के भाव नहीं बढ़ेगे। जहां कहीं पर भी जमाखोरी होगी, वहां सख्त कार्यवाही की जायेगी। उद्यान मंत्री द्वारा प्रदेश के सभी उद्यान अधिकारियों एवं उद्यान उप निदेशकों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने जनपदों में संचालित निजी शीतगृहों का नियमित निरीक्षण कर विचौलियों द्वारा आलू की जमाखोरी (डम्पिंग) को नियंत्रित करें। साथ ही शीतगृहों से आलू की पर्याप्त निकासी और मण्डियों में इसकी सतत आवक सुनिश्चित करने के लिए कड़े कदम उठाए जाये, जिससे प्रदेश के बाहर अन्य प्रदेशों में आलू की आपूर्ति के नाम पर खरीद फरोक्त पर अंकुश लगाया जा सके। जमा खोरी करने वाले व्यक्ति के साथ-साथ संबंधित शीतगृह स्वामी के विरूद्ध कठोर कार्यवाही सुनिश्चित की जाये।

उद्यान मंत्री ने बुधवार को जनपद फतेहपुर, रायबरेली तथा कौशाम्बी में संचालित निजी शीतगृहों का स्थलीय औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान शीतगृह स्वामी एवं प्रबन्धकों से कहा कि मण्डियों में आलू की आवक और इसके बाजार भाव पर नियमित नियंत्रण आवश्यक है। इसके लिए शीतगृहों से आलू की निकासी को सुनिश्चित करना और मण्डियों में इसकी सतत आपूर्ति बनाए रखना अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि जिन शीतगृहों में गत वर्ष के सापेक्ष कम निकासी की गयी है, उन शीतगृहों को नोटिस जारी करते हुए तीव्र गति से निकासी कराई जाये तथा शीतगृहों में स्थापित सुरक्षा सयन्त्रों का ट्रायल कराया जाये।

लोकतंत्र सेनानियों के पात्र आश्रितों को नि:शुल्क यात्रा करायेगा परिवहन निगम

लखनऊ। परिवहन राज्य मंत्री(स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने बुधवार को बताया कि उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम द्वारा संचालित बसों में लोकतंत्र सेनानियों के पात्र आश्रितों हेतु नि:शुल्क यात्रा अनुमन्य कर दी गयी है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में उश्रर प्रदेश लोकतंत्र सेनानी सम्मान अधिनीयम में 2016 के तहत यह व्यवस्था थी कि लोकतंत्र सेनानियों की मृत्यु के पश्चात उनके पात्र उत्तराधिकारियों को परिवहन निगम द्वारा नि:शुल्क यात्रा करायेगी। इस संबंध में अलग से किसी शासनादेश किये जाने की औचित्य नहीं है।

परिवहन मंत्री ने बताया कि लोकतंत्र सेनानियों की मृत्यु के पश्चात उनके पात्र उत्तराधिकारियों को जिलाधिकारी द्वारा प्रदत परिचय पत्र के आधार पर पात्र आश्रित को एक परिचर सहित नि:शुल्क यात्रा की व्यवस्था रहेगी। उन्होंने बताया कि इस संबंध में परिवहन निगम के अधिकारियों/कर्मचारियों को सभी आवश्यक निर्देश दे दिये गये है। उन्होंने बताया कि विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि इस आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें।

दाखिला नहीं दिया तो स्कूल का संचालन रुकेगा: डीएम

● **आरटीई के अन्तर्गत गरीब बच्चों को दाखिला न देने पर डीएम सख्त**

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

नि:शुल्क शिक्षा अधिकार अधिनियम के तहत गरीब बच्चों को निजी स्कूलों द्वारा दाखिला न दिये जाने पर डीएम ने गंभीर रूख अख्तियार कर लिया है। उन्होंने कहा है कि यदि एक सप्ताह के अंदर दाखिला नहीं मिला तो स्कूल का संचालन दाखिला देने तक रोक दिया जायेगा।

आरटीई के तहत दाखिला न देने वाले स्कूलों के प्रबंधकों-प्रधानाचार्यों को बुधवार कलेक्ट्रेट में तलब किया गया। इस मौके पर डीएम सूर्य पाल गंगवार ने कहा कि आरटीई के तहत दाखिला देते हुए स्कूल बेसिक शिक्षा अधिकारी को रिपोर्ट देंगे। एक सप्ताह की समय सीमा में प्रवेश नहीं दिया तो कार्रवाई की जाएगी।

डीएम ने कहा कि किसी बच्चे के अभिभावक के आय प्रमाणपत्र में कोई संदेह है तब भी उसे प्रोविजनल प्रवेश दें। इसके बाद प्रमाणपत्र की जांच कराने के लिए सक्षम अधिकारी को भेजें। डीएम ने निर्देश दिया कि आरटीई के तहत पढ़ाई कर रहे किसी बच्चे से कोई भी शुल्क जो कि विद्यालय के प्रारूप में है, नहीं लिया जाएगा। सिर्फ बच्चे को लाने-ले जाने के लिए स्कूल बस का प्रयोग हो रहा है तो ट्रांसपोर्ट फीस अभिभावक को देनी होगी। वहीं बेसिक शिक्षा अधिकारी ने बैठक में बताया कि जिले के 615 स्कूलों में 6535 बच्चों को आरटीई के तहत दाखिला दिया गया है। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अजय जैन, बेसिक शिक्षा अधिकारी राम, प्रवेश, सह जिला विद्यालय निरीक्षक राजेश कुमार और जिला समन्वयक अखिलेश अवस्थी मौजूद रहे।

मनरेगा कार्यों की ड्रोन तकनीक से भी होगी निगरानी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व व निर्देशन में ग्राम्य विकास विभाग की ग्रामोन्मुखी योजनाओं का क्रियान्वयन जहां बेहतर तरीके से किया जा रहा है, वहीं योजनाओं को अमलीजामा पहनाने में कहीं घालमेल न होने पाये, इसके लिए सतत् रूप से निगरानी किये जाने की व्यवस्था की गयी है। मनरेगा कार्यों की गुणवत्ता पर प्रभावी व पैनी नजर रखने के भी सख्त निर्देश दिए गए हैं। अब मनरेगा कार्यों की ड्रोन तकनीक से वीडियोग्राफी/ फोटोग्राफी कर निगरानी का खाका तैयार किया गया है और इस पर कार्यवाही भी शुरू हो गई है।

मनरेगा योजना के अन्तर्गत कार्यस्थलों पर निगरानी ड्रोन प्रणाली के माध्यम से भी होगी। ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशो के क्रम में राज्य मनरेगा मुख्यालय पर ड्रोन टीम तैनात की गयी है।

राज्य स्तरीय ड्रोन टीम का उपयोग मनरेगा कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए नियमित निरीक्षण/निगरानी की जायेगी और इसकी शुरुआत हो गयी है। ग्राम्य विकास आयुक्त जी एस प्रियदर्शी द्वारा बहराइच की 5, सीतापुर की 3, तथा बस्ती व जौनपुर की एक-एक ग्राम पंचायत में वर्ष 2023-24 में मनरेगा के अन्तर्गत करायें गये सभी कार्यों की ड्रोन टीम से वीडियोग्राफी/ फोटोग्राफी कर निरीक्षण/ निगरानी करने के निर्देश दिए गए हैं। इस सम्बन्ध में इन 4 जिलों के मुख्य विकास अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वह ड्रोन टीम को सहयोग प्रदान करने हेतु अधीनस्थ अधिकारियों व कर्मचारियों की ड्यूटी लगाना सुनिश्चित करें।

पर्यटन मंत्री आज से बरेली, मैनपुरी, फिरोजाबाद तथा एटा भ्रमण पर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

पर्यटन एवं संस्कृति तथा प्रभारी मंत्री जनपद बरेली जयवीर सिंह गुरुवार 4 जुलाई अपराह्न से बरेली, फिरोजाबाद, मैनपुरी, तथा एटा के भ्रमण पर जा रहे। प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार पर्यटन मंत्री देर शाम सर्किट हाउस बरेली पहुचेंगे अगले दिन 05 जुलाई को सर्किट हाउस में बरेली में वन महोत्सव के अन्तर्गत आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शमिल होगें। इसके पश्चात वही पर जनप्रतिनिधियों के बैठक करेगें। इसके उपरान्त पूर्वाह्न 10 बजे सर्किट हाउस बरेली के सभागार में जनप्रतिनिधियों वर्तमान एवं पूर्व के साथ बैठक करेंगे। इस बैठक में सांसद, विधायकगण, जिला पंचायत अध्यक्ष, ब्लाक प्रमुख, नगर पालिका और नगर पंचायत अध्यक्ष भाग लेगे। इसके पश्चात कलेक्ट्रेट सभागार में बरेली के समस्त विभागों एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा करेंगे। इसके पश्चात कम्पोजिट विद्यालय बिथरी, चैनपुर में स्कूल चलों अभियान के अन्तर्गत अयोजित कार्यक्रम में भाग लेंगे। पर्यटन मंत्री सामुदायिक स्वाथ्य केन्द्र बिथरी, चैनपुर में संचारी रोग नियंतण अभियान में भाग लेगें। इसके उपरांत स्थलीय निरीक्षण करेंगे, इसके बाद आठवी, वाहिनी पीएसी नकटिया, पुराने आरओओ ऑफिस के सामने 200 व्यक्तियों की क्षमता वाले बैरक के निमार्ण कार्य का निरीक्षण करेंगें। अगले दिन 06 जुलाई को मैनपुरी में पंचकल्याणक मानस्तम्भ प्रतिष्ठा महोत्सव में शामिल होंगे। इसके उपरांत सैनिक स्कूल मैनपुरी में वृक्षा रोपण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। जयवीर सिंह 10 बजे से अपराह्न 01 बजे तक ट्रॉजिट हास्टल पीडब्यूडी, पुलिस लाईन के सामने जन सुनवाई करेंगे। इसके बाद शाम को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जयंती कार्यक्रम एटा में शामिल होगें। रविवार 7 जुलाई को सिरसागंज फिरोजाबाद कैन्ट कार्यालय पर जन समस्याओं की सुनवाई करेंगे इसके उपरान्त जीडी प्लाजा आदर्श होटल के पास इटावा रोड़ सिरसागंज में एक कार्यक्रम में भाग लेंगे।

जितेन्द्र कुमार बांगा बने लोनिवि विभागाध्यक्ष

लखनऊ। लोक निर्माण विभाग में प्रमुख अभियंता जितेन्द्र कुमार बांगा को लोनिवि विभागाध्यक्ष एवं प्रमुख अभियंता (विकास) के पद पर नवीन तैनाती दी गई है। यह पद 30 जून से खाली चल रहा था। इसके साथ ही हाल ही प्रोन्नत प्रमुख अभियंता संजीव भारद्वाज को प्रमुख अभियंता (ग्रामीण सड़क) लोनिवि के पद पर तैनात किया गया। इसके साथ ही प्रमुख अभियंता योगेश पवार को प्रमुख अभियंता (परिकल्प एवं नियोजन) लोक निर्माण विभाग लखनऊ के पद पर नई तैनाती मिली है।

एडीओ के तबादले पर विदाई देने उमड़ी ब्लॉक कर्मियों की भीड़

संवाददाता। मोहनलालगंज

रायबरेली तबादले के बाद बुधवार को मोहनलालगंज ब्लॉक पर एडीओ समाज कल्याण शिवशरण सिंह को बीडीओ आशुतोष श्रीवास्तव की अगुवाई में ब्लॉक कर्मियों ने फूल माला पहनाकर जोरदार विदाई दी। एडीओ शिवशरण के कार्यकाल की तमाम यादें ताजा हुईं तो ब्लॉक कर्मी खुद को भावुक होने से नही रोक सके। इसी दौरान ग्राम पंचायत सचिव अनिल सिंह बाल किशोर मौर्य गीता वर्मा रामबहादुर शर्मा व मुकेश बाजपेई को भी ब्लॉक से तबादले पर विदाई देकर आगामी कार्यकाल की शुभकामनाएं दी गई।

जल्द चलाया जाएगा सिंगल यूज प्लास्टिक प्रतिबन्ध अभियान

गुरसहायगंज (कन्नौज)। शासनादेश के अनुपालन में पालिका प्रशासन द्वारा जल्द ही सिंगल यूज़ प्लास्टिक प्रतिबंध अभियान चलाया जायेगा। जिसमें प्रतिबंधित सामग्री पाये जानें पर जुर्माना की कार्रवाई की जायेगी। इससे पूर्व उन्होनें सफाई, निर्माण कार्यों को समय से पूर्ण करनें के निर्देश दिए गए हैं। यह जानकारी बुधवार को स्थानीय नगर पालिका परिषद कार्यालय में अधिशासी अधिकारी अनिल पंडित नें दी। बताया कि जल्द ही पालिका प्रशासन द्वारा टीमें गठित कर पॉलिथिन एवं सिंगल यूज प्लास्टिक से बने सामान जैसे गिलास, चम्मच, स्ट्रा आदि के विरुद्ध अभियान चलाकर नागरिकों को कपड़े के झोले का प्रयोग करने के लिए प्रेरित करने सहित सिंगल यूज प्लास्टिक प्रतिबंध में सहयोग करने के लिए जागरूक किया जाएगा। इस दौरान प्रधान लिपिक आरपी सिंह, निर्माण लिपिक जिलेदार सिंह, मनोज तिवारी, आदि मौजूद रहे।

प्रशिक्षण प्राप्त कर लौटी पूर्व छात्रा का हुआ स्वागत

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

एसएससी के माध्यम से दिल्ली पुलिस में हेड कांस्टेबल मिनिस्टीरियल पोस्ट पर चयनित महाविद्यालय की पूर्व छात्रा एवं एनसीसी कैडेट पल्लवी मिश्रा का दिल्ली पुलिस अकादमी में 4 महीने का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण कर पासिंग आउट परेड में प्रतिभाग करने के पश्चात आज नवयुग कन्या महाविद्यालय आगमन पर स्वागत किया गया। प्राचार्य प्रोफेसर मंजुला उपाध्याय ने छात्रा की उपलब्धि पर बधाई एवं भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए 500 रुपए का नकद पुरस्कार प्रदान किया।

19 यूपी गर्ल्स बटालियन एनसीसी के कमांडिग ऑफिसर कर्नल दीपक कुमार व प्रशासनिक अधिकारी मेजर दिव्या शर्मा ने पल्लवी को प्रशस्ति चिन्ह प्रदान करते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

डीएम ने स्कूल चलो अभियान का किया शुभारंभ

● **नवप्रवेशित छात्रों को रोली-टीका लगाकर सौंपी स्टेशनरी व चाकलेट**

संवाददाता। फतेहपुर

विकास खंड तेलियानी के कम्पोजिट विद्यालय बिलंदपुर के प्रांगण में जिलाधिकारी सी. इंदुमती ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलित कर स्कूल चलो अभियान का शुभारंभ किया। अभियान के दौरान नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं को रोली, टीका, माला पहनाकर, स्टेशनरी, चाकलेट आदि देकर स्वागत किया।

जिलाधिकारी ने कहा कि शिक्षक घर-घर जाकर सर्वे करके बच्चों का शत प्रतिशत परिषदीय विद्यालय में नामांकन कराए। छात्र-छात्राओं को गुणवत्तपूर्ण शिक्षा देकर उनके भविष्य के मार्ग को प्रशस्त करने में अपनी सकारात्मक भूमिका अदा करे। उन्होंने अभिभावकों से कहा कि बेटी और बेटा में भेदभाव न करें, सभी को विद्यालय भेजे, क्योंकि शिक्षा के बिना विकास संभव नहीं है। उन्होंने छात्र-छात्राओं से बात करते हुए उनके लक्ष्य के बारे में जानकारी ली। छात्रा कुमारी प्रियंका एवं शिवम ने क्रमश: बताया कि पढ़ाई के उपरांत डाक्टर व पुलिस बनने की बात बताई। जिलाधिकारी ने कहा कि सरकारी स्कूल के पढ़े हुए छात्र-छात्राएं आईएएस, आईपीएस, डाक्टर, पुलिस, इंजीनियर है। प्रदेश सरकार द्वारा स्कूलों में बच्चों को कंप्यूटर सिखाया जा रहा है, जिससे शिक्षा के क्षेत्र में अनेक प्रकार की सूचनाओं की बच्चो को जानकारी होगी। प्रदेश सरकार द्वारा अभिभावकों के खाते में मोजा, जूता, ड्रेस, बैग क्रय हेतु 1200 भेजा जाता है।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी पवन कुमार मीना, बेसिक शिक्षा अधिकारी भारती त्रिपाठी, खंड विकास अधिकारी, खंड शिक्षा अधिकारी, जिला सूचना अधिकारी, शिक्षक-शिक्षिकाएं, ग्राम प्रधान सहित अभिभावक और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

मोहर्रम पर्व को अमन शांति से मनाएं: एसडीएम

खागा/फतेहपुर। मंगलवार को सुल्तानपुर घोष थाना परिसर में खागा उपजिलाधिकारी की मौजूदगी में मोहर्रम पर्व को लेकर पीस कमेटी की बैठक बुलाई गई। बैठक में सभी क्षेत्र के ताजियादार, ग्राम प्रधान व संभ्रांत लोग मौजूद रहे। बैठक को संबोधित करते हुए खागा उपजिलाधिकारी अजय कुमार पांडेय ने सभी ताजियादरों से कहा कि आप लोग अपने पर्व को अमन शांति के साथ मनाएं। किसी भी तरह की लापरवाही हरगिज बर्दास्त नहीं की जाएगी। उपजिलाधिकारी ने बैठक में आए सभी ताजियादारों से उनकी समस्या पर चर्चा करते हुए कहा कि अगर किसी भी ताजियादार को पर्व में कोई दिक्कत व परेशानी हो तो अवगत कराएं ताकि संबंधित विभाग को निर्देशित कर समस्या का निस्तारण कराया जा सके।

वहीं उपजिलाधिकारी ने बताया कि थाना क्षेत्र में कुल 46 ताजिया हैं। सभी लोगों से समस्या को लेकर पूछा गया लेकिन किसी ने कोई समस्या नहीं बताई।

एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ

फर्रुखाबाद। कोआपरेटिव सोसाइटी के माध्यम से गांव में सीएससी की सुविधा का लाभ आम जन मानस को दिया जायेगा भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय एवम् इलेक्ट्रॉनिक एवम सूचना प्रौ ोगिकी मंत्रालय द्वारा संचालित संस्था सीएससी के मध्य हुए करार के आधार पर बी पैक्स बहुउद्देशीय प्राथमिक ग्रामीण समिति को कॉमन सर्विस सेंटर के रूप स्थापित करने की योजना बनी है। जिसमे मीरजापुर जनपद के 56 समिति से सीएससी का कार्य प्रारंभ हुआ है, जिसके लिये आज जनपद के 56 सचिवों को एशियन कंप्यूटर इंस्टीट्यूट जोगराज स्ट्रीट फर्रुखाबाद में प्रोजेक्टर के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया सीएससी के जिला प्रबंधक अनुदित बाजपेई द्वारा प्रशिक्षित किया गया, प्रधानमंत्री के सहकार से समृद्धि दृष्टिकोण को साकार करने के लिए यह पहल की गई है।

इस पहल के अंतर्गत उत्तर प्रदेश राज्य में 5120 पैक्स को कॉमन सर्विस सेंटर में परिवर्तित किया जा चुका है। इस क्रम में, राष्ट्रीय सहकारी प्रशिक्षण परिषद (छब्ब्ब्) और सीएससी ई-गवर्नेंस सर्विसेज इंडिया लिमिटेड के संयुक्त प्रयास से राज्य के समस्त पैक्स सोसाइटी के अधिकृत सचिवोंध्आपरेटरों को प्रशिक्षित करने का निर्णय लिया गया है।उन्होंने बताया की सरकार घर घर तक योजना के तहत इन समितियों के माध्यम से भारत सरकार एवम राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ आसानी से उपलब्ध कराया जा सके। इन केंद्रों से बैंकिंग सेवा,आयुष्मान भारत योजना, टेली लॉ,प्रधानमंत्री श्रम योगी योजना,प्रधान मंत्री किसान सम्मान निधि,लेबर रजिस्ट्रेशन, बिजली बिल जमा, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना का रजिस्ट्रेशन ,आईआर सीटीसी टिकट, सहित 250 से अधिक सेवा इन केंद्रों से संचालित होंगी।बैठक में सभी सचिव को निर्देशित किया कि ज्यादा से ज्यादा लोगो को सीएससी के माध्यम से केंद्र सरकार एवम राज्य सरकार की सेवा उपलब्ध कराएं एवम लोगो की सहायता करें।

मासूम व महिला के लिए सदस्यों ने किया रक्तदान

फतेहपुर। जरूरतमंद बच्ची बेबी आफ नैमुन निशा पुत्री मोनिस खान जिले के प्राइवेट अस्पताल में भर्ती है। बच्ची को प्लेट्लेट्स व रक्त की कमी के चलते डॉक्टर ने 40 एमएल एबी पाजिटिव रक्त की आवश्यकता बताई। मरीज के तीमारदार मरीज की बुआ साजिया परेशान थी क्योंकि परिवार में कोई रक्तदान करने वाला नहीं था। जानकारी सर्व फॉर ह्यूमैनिटी के सदस्य गौरव के माध्यम से सर्व फॉर ह्यूमैनिटी ग्रुप में आई। ग्रुप में मैसेज देखते ही सर्व फॉर ह्यूमैनिटी के सदस्य देवीगंज मुहल्ला निवासी मनोज कुमार गुप्ता रक्तदान के लिए तैयार हो गए और देर न करते हुए आभा रक्तकेन्द्र पहुंच कर बच्ची के लिए 40 एमएल एबी पाजिटिव रक्तदान किया। वहीं दूसरे केस में रुपाली देवी पत्नी अभय नारायण निवासी ग्राम जगजीवनपुर पोस्ट सेमौरी को डिलीवरी के दौरान एक यूनिट एबी पाजिटिव रक्त की आवश्यकता थी। जिला अस्पताल रक्तकेन्द्र में एबी पाजिटिव रक्त की कमी के चलते रक्त समूह का रक्त उपलब्ध नही था।

पालिका ने मनाया प्लास्टिक फ्री डे

● **उपस्थित लोगों के बीच प्लास्टिक से होने वाले नुकसान की दी जानकारी**

संवाददाता। फतेहपुर

शहर के पक्का तालाब स्थित वेस्ट टू वंडर पार्क पं. अटल बिहारी बाजपेई में बुधवार को स्वच्छ वातावरण प्रोत्साहन समिति के सदस्य के साथ ब्रांड एंबेस्डर की अध्यक्षता में नगर पालिका परिषद ने इंटरनेशनल प्लास्टिक फ्री डे मनाया। तत्पश्चात परिसर में पौधरोपण भी किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला कार्यक्रम प्रबंधक संजय सिंह ने कहा कि प्लास्टिक के बढ़ते इस्तेमाल से वातावरण अधिक प्रदूषित हो रहा है। समय-समय पर प्लास्टिक के इस्तेमाल को रोकने के लिए अभियान भी चलाया जाता है। लेकिन यह अभियान तब तक सफल नहीं हो सकता जब तक हम स्वयं जागरूक नहीं होंगे। उन्होने कहा कि प्लास्टिक मुक्त भारत बनाने के लिए हमें जागरूक होना होगा। घर से बाजार जाते समय साथ में घर से झोला लेकर चलें। जिससे कोई भी वस्तु खरीदते समय पालीथीन का इस्तेमाल न करना पड़े। उन्होने व्यापारियों का भी आहवान किया कि प्लास्टिक से दूर रहें और ग्राहकों को घर के बने झोले का इस्तेमाल करने के लिए प्रेरित करें। तभी हम अपने वातावरण को शुद्ध रख सकते हैं। उन्होने यह भी आहवान किया कि वातावरण को प्रदूषण से बचाने के लिए अधिक से अधिक पौधरोपित करें। क्योंकि यही पौध आगे चलकर हमें आक्सीजन प्रदान करते हैं। तत्पश्चात पर्यावरण संरक्षण की सभी को शपथ दिलाई। एसआई राकेश कुमार गौड़ ने आगामी अभियान में सहयोग प्रदान करने के लिए लोगों को प्ररित किया। कार्यक्रम का आयोजन स्वास्थ्य लिपिक मो. हबीब ने किया। इस मौके पर समस्त सफाई नायक, स्वच्छता दूत एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे।

एडीजी रेलवे ने की कुंभ मेला तैयारियों की समीक्षा

संवाददाता। प्रयागराज

बुधवार को कुंभ 2025 की तैयारियों के दृष्टिगत अपर पुलिस महानिदेशक रेलवे प्रकाश डी की अध्यक्षता में मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में बैठक हुई। बैठक में कुंभ मेला को सफलता पूर्वक सम्पन्न करने के लिए सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की गयी। बैठक से पूर्व अपर मंडल रेल प्रबंधक सामान्य प्रशासन प्रयागराज संजय सिंह द्वारा प्रयागराज जंक्शन पर कुम्भ की तैयारियों से जुड़ी योजनाओं से अपर पुलिस महानिदेशक रेलवे प्रकाश डी को बताया। साथ हो टीम के साथ प्रयागराज जंक्शन रेलवे स्टेशन का निरीक्षण भी किया।

अपर पुलिस महानिदेशक प्रकाश डी ने कहा कि विश्व के सबसे बड़े मानव समागमों में से एक है कुम्भ। इस अवसर पर आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा और सुरक्षित यात्रा प्रदान करना सभी संस्थाओं के एक जुट हो कर कार्य करने से ही संभव होगा। मंडल रेल प्रबंधक हिमांशु बडोनी ने कहा कि सभी योजनाओं की जानकारी हर स्तर के कर्मचारी के पास होनी चाहिए। मंडल रेल प्रबंधक ने कहा कि जिला प्रशासन सहित सभी संस्थाओं के साथ हो रही नियमित बैठके की जा रही हैं। साथ ही यदि कोई समस्या आ रही है तो उसका समाधान त्वरित रूप से किया जा रहा है। इस अवसर पर अपर महानिदेशक प्रकाश डी ने कहा हमारी टीम सदैव रेल प्रशासन के एक अंग के रूप में कार्य करती आई है और कुम्भ मेला के दौरान हर रेल यात्री और श्रद्धालू को हर संभव सुविधा और सहायता प्रदान करने का पूरा प्रयास किया जाएगा।

इसी क्रम में वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त रेलवे सुरक्षा बल प्रयागराज मण्डल द्वारा पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से कुंभ मेला के दौरान यात्रियों और श्रद्धालुओं के सुरक्षित आवागमन की योजना सभी विभागों के साथ समन्वय मैनपावर आदि की विस्तृत जानकारी साझा की गयी। बैठक में कुंभ मेला के दौरान विशेष पर्व पौष पूर्णिमा मकर संक्रांति मौनी अमावस्या बसंत पंचमी माघी पूर्णिमा और महाशिवरात्रि पर शाही स्नान में आने वाले बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बिंदुबार चर्चा की गयी। बैठक में प्रयागराज शहर और आसपास के स्टेशनों से संगम क्षेत्र में आने-जाने वाले सभी मार्गों का ब्योरा रखा गया।

प्रयागराज मण्डल के अंतर्गत प्रयागराज जंक्शन प्रयागराज छिवकी नैनी और सूबेदारगंज रेलवे स्टेशन आते हैं। सभी स्टेशनों पर यात्रियों के प्रवेश और निकास की व्यवस्थाएं अलग अलग कहाँ पर और कैसे की जाएगी इसे प्रस्तुत किया गया। बैठक में माघ मेला में आने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ का प्रबंधन करने के लिए योजनाओं और वैकल्पिक योजनाओं पर भी चर्चा की गयी। आकड़ों और अनुमान के अनुसार कुंभ मेला के दौरान करोड़ों की संख्या में श्रद्धालु संगम में स्नान करते हैं। यहाँ देश के हर राज्य और हर कोने से लोग आते हैं और पूरी दुनिया के सैकड़ों देशों से भी लोग यहाँ इस भव्य आयोजन के दर्शन हेतु पहुंचते हैं। इन सभी संभावनाओं के बीच बैठक में योजनाएं रखी गईं और चर्चा की गयी।

माघ मेला के दौरान भीड़ प्रबंधन के लिए कितने कर्मचारियों की आवश्यकता होगी और आपातस्थिति में कैसे कार्य किया जाएगा इस पर भी चर्चा की गयी। इस अवसर पर हिमांशु बडोनी मंडल रेल प्रबंधक प्रयागराज संजय सिंह अपर मंडल रेल प्रबंधक सामान्य प्रशासन उप महानिरीक्षक राजकीय रेलवे पुलिस प्रयागराज राहुल राज वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजकीय रेलवे पुलिस ए पी सिंह वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त रेलवे सुरक्षा बल प्रयागराज मंडल विजय प्रकाश पंडित उपस्थित रहे।

मोहर्रम व श्रावण मास को लेकर पीस कमेटी की बैठक हुई सम्पन्न

संवाददाता। बीजपुर, सोनभद्र

स्थानीय थाना परिसर में प्रभारी निरीक्षक बीजपुर अखिलेश कुमार मिश्र के नेतृत्व में मुस्लिमों के पर्व मोहर्रम व हिंदुओं के पवित्र माह श्रावण के मद्देनजर बुधवार को पीस कमेटी की बैठक शांतिपूर्ण माहौल में सम्पन्न हुई। बैठक के दौरान प्रभारी निरीक्षक श्री मिश्र ने उपस्थित जन समुदाय से त्यौहारों को शांतिपूर्ण माहौल की अपील करते हुए कहा कि इस दौरान यदि कोई भी अराजक तत्व किसी भी प्रकार की खलल डालने की कोशिश करेगा तो उसे कत्तई बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस उसके खिलाफ विधिक कार्रवाई करने से कोई भी कसर नहीं छोड़ेगा। उन्होंने यह भी बताया कि नया कानून पूर्व के कानून से अच्छे लोगों के लिए बहुत ही अच्छा है लेकिन अराजक तत्वों के लिए पहले से भी बुरा साबित होगा। उन्होंने बताया कि थाना क्षेत्र में कुल 17 ताजिया रखी जाएगी। ताजियों के लिए पूर्व में जो भी राह निर्धारित किया जा चुका है ताजिया उसी मार्ग से इस वर्ष भी जाएगी उसमें कोई बदलाव नहीं होगा। ताजियों का आकार जो पूर्व के वर्षों में था इस वर्ष भी वही आकार रहेगा। ताजिया थाना क्षेत्र के ग्राम सभा बीजपुर जरहाँ पोथीपाथर व ग्राम सभा खम्हरिया से हीं निकाली जाएगी।

इसके अलावा थाना क्षेत्र के अन्य किसी भी स्थान से नहीं निकाली जाएगी। ताजिया जुलूस का अंतिम समय सायं सात बजे तक हीं होगा। उन्होंने कहा कि चाहे मोहर्रम अथवा श्रावण माह के दौरान किसी को भी किसी प्रकार की समस्या हो तो वे नि:संकोच समय रहते पुलिस को सूचित करेगा। उन्होंने कहा कि मोहर्रम के जुलूस के दौरान बंदुक व तलवार आदि जैसे शस्त्रों का प्रयोग किसी के द्वारा नहीं किया जाएगा। बैठक में मुख्य रूप से थाना क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों के ग्राम प्रधानग व हिन्दू तथा मुस्लिम सम्प्रदाय के नागरिक उपस्थित थे।

केन्द्रीय मंत्री किशन रेड्डी ने निर्माण पोर्टल का किया शुभारम्भ

सोनभद्र। केन्द्रीय कोयला तथा खान मंत्री किशन रेड्डी ने मंगलवार को नई दिल्ली में कोल इंडिया की सीएसआर के तहत राष्ट्रीय सिविल सेवा परीक्षा के मुख्य परीक्षा के उम्मीदवारों को पुरस्कृत करने की उत्कृष्ट पहल का शुभारंभ किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कें मिशन कर्मयोगी की परिकल्पना के अनुरूप यह योजना कोल इंडिया लिमिटेड द्वारा अपनी गतिविधियों के संचालन वाले जिलों के उन मेधावी युवाओं के लिए शुरू की गई एक अनूठी सीएसआर योजना है, जिन्होंने 2024 में यूपीएससी परीक्षा के प्रारंभिक दौर में सफलता प्राप्त की है।

इस अवसर पर कोयला मंत्रालय के सचिव अमृत लाल मीणा, कोल इंडिया अध्यक्ष पी. एम. प्रसाद, निदेशक कोल इंडिया लिमिटेड विनय रंजन, एनसीएल सीएमडी बी. साईराम व कोयला मंत्रालय, कोल इंडिया के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ अन्य कोयला कंपनियों के सीएमडी व वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। इस योजना का उद्देश्य प्रारंभिक परीक्षा में उत्तीर्ण उन उम्मीदवारों को एक लाख रुपये की सहायता प्रदान करना है, जिनकी वार्षिक पारिवारिक आय 8 लाख रुपये से कम है और जो अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, महिला या थर्ड जेंडर से संबंधित हैं तथा सीआईएल की गतिविधियों के संचालन वाले 39 जिलों में से किसी एक के स्थायी निवासी हैं।

सिंगरौली और सोनभद्र के ऐसे स्थायी निवासी जो इस योजना द्वारा लाभान्वित होने की पात्रता रखते हैं वे इस नवाचारी पहल का लाभ उठा सकते हैं।

इतना ही नहीं आवेदनों की पूर्ण पारदर्शी एवं निर्बाध जांच सुनिश्चित करने हेतु पूरी आवेदन प्रक्रिया एक ऐसे समर्पित पोर्टल के जरिए होगी, जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के डिजिटल इंडिया के सपने को पूरा करता है।

एनसीएल को मिला जीएसटी अनुपालन हेतु पुरस्कार

सोनभद्र। भारत सरकार की मिनीरत्न कंपनी नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड को जीएसटी अनुपालन में उत्कृष्टता और राजकोष में महत्वपूर्ण योगदान के लिए सीजीएसटी विभाग जबलपुर द्वारा पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर कंपनी के सीएमडी बी. साईराम और निदेशक कार्मिक मनीष कुमार निदेशक वित्त रजनीश नारायण निदेशक तकनीकी संचालन जितेन्द्र मलिक, निदेशक तकनीकी परियोजना एवम् योजना सुनील प्रसाद सिंह एवम् मुख्य सतर्कता अधिकारी रविन्द्र प्रसाद ने एनसीएल टीम को बधाई दी। एनसीएल को यह पुरस्कार जबलपुर में आयोजित 7वें जीएसटी दिवस समारोह के दौरान प्रधान आयुक्त आयकर सीजीएसटी जबलपुर शाखा शांतम बोस द्वारा दिया गया। एनसीएल की ओर से प्रबंधक वित्त ने पुरस्कार ग्रहण किया। 7वें जीएसटी दिवस समारोह में एनसीएल को वित्तीय वर्ष 2023-24 में 6362.28 करोड़ रुपये योगदान के लिए एमपी जोन में अग्रणी जीएसटी भुगतानकर्ता के रूप में सम्मानित किया।

आदर्श क्षेत्रीय केंद्र के रूप में हो अयोध्या केंद्र की पहचानः कुलपति

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के कुलपति प्रो सत्यकाम ने प्रदेश व्यापी अभियान के अंतर्गत बुधवार को प्रतापगढ़ अमेठी सुल्तानपुर और अयोध्या में संचालित परीक्षाओं का हाल जानने के लिए परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अयोध्या क्षेत्रीय केंद्र पर बैठक आयोजित करके क्षेत्रीय केंद्र के कामकाज की समीक्षा की।

उन्होंने अयोध्या केन्द्र को एक आदर्श क्षेत्रीय केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए आवश्यक सुझाव दिए। उन्होंने केंद्र समन्वयक को आगामी सत्र में प्रवेश हेतु प्रवेश पूर्व काउंसलिंग प्रारंभ करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्थानीय लोगों की रुचि की आवश्यकताओं के अनुसार संबंधित कार्यक्रमों में आधिकाधिक प्रवेश हेतु प्रोत्साहित करने का निर्देश दिया।

कुलपति प्रो सत्यकाम ने पूरे प्रदेश में पारदर्शी एवं शुचितापूर्ण परीक्षा संचालित करने के लिए प्रदेश व्यापी अभियान चलाया है। जिसके अंतर्गत आज वह स्वयं परीक्षा केन्द्रों का औचक निरीक्षण करने निकले और उन्होंने प्रतापगढ़ सुल्तानपुर अमेठी और अयोध्या में विभिन्न परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया।

नैनो यूरिया प्लस उर्वरक के लिए इफको फूलपुर में उत्पादन को मिली मंजूरी

प्रयागराज। पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा इफको द्वारा निर्मित नैनो यूरिया प्लस उर्वरक के इफको फूलपुर इकाई में उत्पादन की मंजूरी मिल गई है। नैनो यूरिया प्लस नैनो यूरिया का एक नया संस्करण है जो महत्वपूर्ण विकास चरणों में फसल की नाइट्रोजन आवश्यकताएं पूर्ण करने के लिए है। नैनो यूरिया प्लस नैनो यूरिया का एक उन्नत फॉर्मूलेशन है। जिसमें महत्वपूर्ण विकास चरणों में फसल की नाइट्रोजन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पोषण को फिर से परिभाषित किया गया है। इसका उपयोग मिट्टी के स्वास्थ्य किसान की लाभप्रदता और टिकाऊ पर्यावरण को बढ़ावा देने के लिए पारंपरिक यूरिया और अन्य नाइट्रोजनयुक्त उर्वरकों के स्थान पर किया जाता है। यह सूक्ष्म पोषक तत्वों की उपलब्धता और दक्षता को भी बढ़ाता है। यह एक क्लोरोफिल चार्जर है जो पैदावार बढ़ाता है और जलवायु स्मार्ट खेती में मदद करता है। नैनो यूरिया प्लस 225 रुपये की दर से 500 मिली बोतलों में उपलब्ध होगा।

पिस्टल और कारतूस के साथ तस्कर पुलिस के हत्थे चढ़ा

चन्दौली। सदर कोतवाली व स्वाट की टीम ने मिलकर मंगलवार की रात्रि में एक संदिग्ध ब्यक्ति को पकड़ा। जिनके पास से अवैध असलहे की खेप बरामद हुई है। तश्कर के पास से पुलिस को 05 पिस्टल व 5 कारतूस मिले हैं। संयुक्त टीम ने जगदीशसराय ओवर ब्रिज के पास से राजू यादव नामक युवक को गिरफ्तार किया। राजू के पास मौजूद पिट्ठू बैग से पुलिस ने पांच पिस्टल व पांच कारतूस बरामद किये थे। सभी पिस्टल मध्य प्रदेश के खंडवा लाकर वाराणसी और आसपास के जिलो में सप्लाई करनी थी। अपर पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी इसके पहले भी तीन बार खंडवा से पिस्टल लाकर सप्लाई कर चुका है। बता दें कि मध्य प्रदेश में इन अवैध असलहों के बनाने का काम सिकलीगर समाज के लोग करते है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार यह लोग लोहे के कबाड़ से तमंचा बनाने में माहिर है। एक नल के पाइप व अन्य सामान से देशी पिस्टल आसानी से तैयार कर लेते है। 25 से 30 रुपये किलो को लोहा खरीदकर उसे चंद औजारों की मदद से 10 से 12 दिन के अंदर तमंचे का रूप देते है। इनके बनाये गये असलहे की बाजार में काफी डिमांड है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में संपन्न हुआ लेखपाल, कानूनगो आदि का प्रशिक्षण

संवाददाता। अंबेडकरनगर

जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में एग्री स्टैक डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर फार एग्रीकल्चर के अंतर्गत फार्मर रजिस्ट्री तैयार करने हेतु कलेक्ट्रेट सभागार में तहसील अकबरपुर, टाण्डा व भीटी के क्षेत्रीय कर्मचारी लेखपाल, कानूनगो, पंचायत सहायक, गन्ना पर्यवेक्षक, प्राविधिक सहायक, वी0टी0एम0 एवं ए0टी0एम0 कर्मचारियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न किया गया।कार्यक्रम के आयोजक डॉ अश्वनी कुमार सिंह, उप कृषि निदेशक द्वारा सभी का स्वागत करते हुए प्रशिक्षण का शुभारंभ किया गया।

उन्होंने फार्मर रजिस्ट्री के बारे में जानकारी दी गई, उन्होंने बताया की रजिस्ट्री से गोल्डन कार्ड बन जाएगा, जिसे पीएम किसान योजना, के0सी0सी0 बनवाने एम0 एस0पी0 आसानी हो जाएगा। जिन किसानों का फॉर्मर रजिस्ट्रेशन नहीं होगा, उन्हें भविष्य में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ नहीं प्राप्त हो सकेगा।

8 जुलाई 2024 से फॉर्मर रजिस्ट्री का कार्य पूरे जनपद में कैंप लगाकर किया जाएगा। इसके लिए किसानों को कैंप में अपना आधार, आधार से लिंक मोबाइल एवं अपनी खतौनी लेकर उपस्थित होना होगा, जिससे मौके पर फार्मर रजिस्ट्री हो जाएगी। प्रशिक्षण के दौरान जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि कैंप से दो दिन पूर्व गांवो मे जन जागरूकता के माध्यम से या डुग्गी पीटवाकर सबको जानकारी दी जाए, जिससे अधिक से अधिक फार्मर रजिस्ट्री कार्य संपन्न हो सके । इसमें राजस्व, कृषि, गन्ना एवं पंचायत विभाग के क्षेत्रीय कर्मचारी टीम भावना से कार्य करेंगे तो परिणाम बहुत ही अच्छा आएगा। अपर जिलाधिकारी डॉ .सदानंद गुप्ता ने सभी को अवगत कराया कि इसमें कृषि की भूमि का उल्लेख ही करना है, आबादी की जमीन इसमें नहीं सम्मीलित होगी।

प्रशिक्षण के दौरान मौके पर उप जिलाधिकारी टांडा मोहन लाल गुप्ता, उप जिलाधिकारी भीटी सौरभ शुक्ला, उप कृषि निदेशक डॉ. अश्वनी कुमार सिंह,जिला कृषि अधिकारी पीयूष राय, भूमि संरक्षण अधिकारी बृजेश कुमार, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी अमरेंद्र प्रसाद, ईडीएम एजाज रसूल, क्षेत्रीय कर्मचारी मौके पर उपस्थित रहे। 04 जुलाई को तहसील जलालपुर तथा आलापुर के कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया जाएगा।

मंडलीय चिकित्सालय का नवागत प्राचार्य ने किया निरीक्षण

मीरज़ापुर। मंडलीय चिकित्सालय दिन प्रतिदिन सुधार देखा जा रहा है। बुधवार को ब्लड सैम्पल जमाकरने वाले काउण्टर को भी भीड़ से मुक्त कर दिया गया है पहले काउण्टर तक लोगो अपने बाइक व वाहनों को खड़ा कर देते थे जिससे मरीजों को भी काफी कठिनाइयों को सामना करना पड़ता रहा है लेकिन बैरकेटिग होने के बाद वह भी समस्या खत्म हो गई है। इसके साथ बुधवार को मेडिकल कालेज के प्राचार्य डॉक्टर विश्वजीत दास ने चिकित्सालय का निरीक्षण किया और डॉक्टर सिन्हा के द्वारा किये जा रहे कार्यो की काफी सराहना किया और कहा कि मरीजो के साथ कोईभी लापरवाही बरती जायेगी तो उसके खिलाफ कठोर से कठोर कानूनी कार्यवाही करने का कार्य किया जायेगा। प्राचार्य ने डॉक्टर सिन्हा को निर्देशित किया गया पिछले दो माह से सीएमओ स्तर से रूके अल्ट्रासाउण्ड, व सीटी स्कैन को लेकर वार्ता की।

सिरसा कलार पुलिस की जांच में उलझी अवध किशोर की मौत की गुत्थी

संवाददाता। उरई, जालौन

सिरसा कलार पुलिस की जांच में उलझी अवध किशोर उर्फनना महाराज की हत्या की गुत्थी पखवारे भर से ज्यादा का समय निकल जाने के बाद भी नहीं सुलझ सकी। हैरानी की बात तो यह है कि मृतक के पुत्र ने थाना पुलिस को दी गयी तहरीर में गांव के ही एक व्यक्ति व उसके रिश्तेदारों पर हत्या कर शव को खेत में फेंकने का आरोप लगाया था। लेकिन इसके बाद भी थाना पुलिस जांच के नाम पर शिथिलता बरत रही है। हालांकि मृतक के बेटे ने एसपी से मिलकर सारे मामले की सच्चाई बताते हुये न्याय की मांग की।

पुलिस अधीक्षक को दिये गये प्रार्थना पत्र में सिरसा कलार थाना क्षेत्र के ग्राम हथना बुजुर्ग निवासी हर्ष कुमार ने बताया था उसके पिता अवध किशोर उर्फ नना महाराज 12 जून को प्रात: अचानक गायब हो गये तो परिवारजनों के साथ ग्रामीणों ने नना महाराज की दो दिनों तक लगातार खोजबीन की लेकिन कोई पता नहीं चला तभी 14 जून की प्रात: उनका शव गांव के बाहर मनोज पाठक के खेत में अधजली अवस्था पड़ा मिला तो उसकी जानकारी पहले 112 नंबर को दी बाद में सिरसा कलार थाना पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया था।

तब से लेकर अभी तक सिरसा कलार थाना पुलिस अवध किशोर उर्फ नना महाराज की मौत की जांच करने में जुटी हुयी है। लेकिन मृतक के पुत्र हर्ष कुमार ने थाना पुलिस को दी गयी तहरीर में बताया था कि उसके पिता के संबंध गांव के ही अमित उर्फ सोनू पुत्र शिवशंकर तिवारी से थे जिनसे उनका लेनदेन चलता था और उन्होंने हमारे पिता से तीन लाख रुपए उधार लिया था। उक्त रुपया जब भी हमारे पिता मांगते थे तो अमित रुपए वापस करने में टाला मटोली करता रहता था। इसी दौरान 12 जून की प्रात: मेरे पिता को अमित उर्फ सोनू ने एक षड़यंत्र के तहत अपने घर बुलाया था तभी से वह गायब हो गये थे। दो दिनों तक लगातार उनकी खोजबीन की लेकिन उनका कोई नहीं चला तभी 14 जून को उनका शव गांव के बाहर मनोज पाठक के खेत में अधजली अवस्था में पड़ा मिला था। इस दौरान अमित उर्फ सोनू के घर उसके मामा के पुत्र अमित दुबे निवासी उमरी का भी आना जाना रहा था। पीड़ित ने यह भी बताया कि जब मेरे पिता अमित के घर जा रहे थे उसे मेरी मां क्षमा, परिवारजन लालजी प्रसाद तथा चाचा प्रताप नारायण आदि ने देखा था और पूंछा था कि कहां जा रहे हो तो मेरे पिताने कहा था कि मैं अपना पूर्व में दिया गया तीन लाख रुपये वापस लेने जा रहा हूं। इसके बाद से वह लौटकर जिंदा नहीं आया।

मिशन शक्ति टीम ने कालेज और मंदिरों में पहुंचकर किया जागरूक

कालपी, जालौन। मिशन शक्ति टीम का महिलाओं को जागरूक करने का प्रयास जारी है। वुधवार को टीम की महिला सिपाहियों ने स्कूल, कालेज, मंदिरों के साथ बाजार में भी उन्हें शासन के अभियान के बारे में जानकारी दी गई। महिलाओं की सुरक्षा के लिए शासन ने कई योजनाएं चला रखी हैं जिससे जरूरत पड़ने पर उनकी तत्काल मदद की जा सके तथा उन्हे जागरूक करने के लिए थाना स्तर तक एण्टी रोमियो कार्यक्रम भी चला रखा है जिनके सदस्य भीड़भाड़ वाली जगहों पर मौजूद रहकर शोहदो पर नजर रखते हैं और इस दौरान वह महिलाओ और छात्राओं को जागरूक भी करते हैं और इसी अभियान के तहत वुधवार को एण्टी रोमियो टीम की महिला आरक्षी सोनी गौतम व सरिता कुमारी ने मुन्ना फुल पावर चौराहा, टरननगंज बाजार, कालपी कालेज कालपी तथा बनखण्डी देवी मन्दिर क्षेत्र में महिलाओं को शासन की मिशन शक्ति योजना के बारे में बताया।

पेड़ लगाओ-पेड़ बचाओ, नारे के साथ निकाली जन जागरूकता रैली

संवाददाता। उरई, जालौन

जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने पेड़ लगाओ पेड़ बचाओ, पौध बारात, वृक्षारोपण महाअभियान 2024 के जन जागरूकता रैली का आयोजन आज वन महोत्सव (01 जुलाई से 07 जुलाई) के अवसर पर जालौन वन प्रभाग द्वारा ''एक पेड़ मां के नाम'' की थीम पर जनपद के टाउन हॉल से पेड़ लगाओ पेड़ बचाओ के नारे के साथ पौधों की बारात, जन जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, जिसका उददेश्य जनपद के लोगों को अधिकाधिक वृक्षारोपण कर, उनकी सुरक्षा व संवर्धन करने हेतु प्रेरित करना है।

जिलाधिकारी ने जनपद वासियों को इस वृक्षारोपण महाभियान 2024 में बढ़-चढ़ कर भाग लेने व घर-घर में पेड़ लगाने हेतु आवाहन किया गया व वृक्षों की महत्ता को बताया, साथ ही साथ उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा चलाए गए एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत जनपद में भी एक पेड़ मॉ के नाम लगाने व धरती मां का वृक्षारोपण कर श्रृंगार करने का कार्य बृहद स्तर पर चलाये जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि एक पेड़ मां के नाम हमारी धरती मां और जिसने मुझे जन्म दिया उस मां के नाम पेड़ लगाना पर्यावरण संरक्षण एवं जल प्रबंधन हेतु अति आवश्यक है, बृक्ष धरा के है आभूषण मत करो इन्हें दूषण। पेड़ है, तो सब का अस्तित्व है कृप्रत्येक व्यक्ति, नागरिक को वृक्षारोपण के माध्यम से धरती मां का श्रृंगार कर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करने का सुनहरा अवसर है।

जिलाधिकारी ने उपास्थित जनसमुदाय से यह भी कहा कि न केवल हम सब न केवल पेड़ लगाएंगे बल्कि उन सभी रोपित पेंडों का संरक्षण, पालन पोषण और संवर्धन करना भी हमारा नैतिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि पूरे जनपद में एक करोड़ लगभग पौधे लगाए जाएंगे, जिसमें हम सब जान बढ़-चढ़कर अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

ओवरलोड मौरम ले जाते ट्रकों पर नहीं लग पाया विराम

जालौन, उरई। बारिश के चलते बालू की खदानों को प्रशासन ने बंद कर रखा है। इसके बाद भी बालू की निकासी हो रही है और बालू के ओवरलोड ट्रकों का संचालन हो रहा है। बुन्देलखंड एक्सप्रेस वे से होकर निकल रहे बालू के ट्रकों को कार्रवाई भी हो रही है। इसके बाद भी बालू की ढुलाई नहीं रुक रही है। जुलाई माह में बारिश का मौसम होने के कारण एक जुलाई से बालू के खनन पर रोक लग जाती है। रोक लगने के बाद कागजों में भी खदानों का संचालन बंद भी हो गया है। इसके बाद भी बालू की निकासी व ढुलाई चल रही है। बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे बालू माफिया ओं के मुफीद साबित हो रहा है। लगातार ओवरलोड ट्रकों के हो रहे संचालन को लेकर कार्यदायी संस्था भी परेशान हैं। कार्यदायी संस्था द्वारा बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे को 50 टन की क्षमता को लेकर बनाया गया है लेकिन बालू ट्रक 80-90 टन बालू लेकर चल रहे हैं। हालांकि इन ओवरलोड ट्रकों व डंपर के खिलाफ कार्रवाई भी जा रही है। लेकिन ढुलाई नहीं रुक रही है।

कालेज के कर्मियों ने एसडीएम के हस्तक्षेप के बाद कार्य बहिष्कार खत्म किया

कालपी, जालौन। आर्यकन्या पाठशाला समिति इण्टर कालेज में वेतन की मांग को लेकर चल रहा शिक्षिकाओं एवं शिक्षणेत्तर कर्मियों का कार्य बहिष्कार बुधवार को समाप्त हो गया। कालेज की प्रबंधिका एवं उप जिलाधिकारी ने उन्हें 10 दिनों में बकाया वेतन के भुगतान का आश्वासन दिया है।

विदित हो कि नगर स्थित आर्यकन्या पाठशाला समिति इण्टर कालेज में प्रबंधन और प्रधानाचार्या में काफी दिनों से जंग चल रही है उन्होंने प्रबंध समिति को मानने से इनकार कर दिया है पर जिला विद्यालय निरीक्षक एवं संयुक्त शिक्षा निदेशक ने भेजे पत्र में शिक्षण कार्य के अतिरिक्त सभी प्रशासनिक कामकाज प्रबन्धक के द्वारा कराए जाने के निर्देश दिए है और इसी के चलते विगत चार माह से शिक्षिकाओं और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को वेतन नहीं मिला है जिसके चलते उन्होंने गत 10 दिन पहले जिलाधिकारी को पत्र भेजकर वेतन दिलाए जाने की मांग की थी और इस आशय की सूचना विभागीय आला अफसरो के साथ प्रधानाचार्या को भी दी थी लेकिन उनकी मांग निर्धारित समय में पूरी नहीं हुई थी जिसके चलते 1 जुलाई से शिक्षणेत्तर कर्मचारियों ने कार्य बहिष्कार कर दिया था और 2 जुलाई को विद्यालय की अधिकांश शिक्षिकाओं ने भी उनका साथ देना प्रारम्भ कर दिया था

पांच हजार से अधिक के बकायेदारों के काटे कनेक्शन, चला अभियान

कालपी, जालौन। बुधवार को विद्युत विभाग के अधिकारियों तथा कर्मचारियों की अलग अलग टीमों के द्वारा कामर्शियल बड़े बकायेदार उपभोक्ताओं से वसूली करने का अभियान चलाया गया। इस दौरान कई बकायेदार उपभोक्ताओं के संयोजन विच्छेद करने की कार्रवाई की गई। मंगलवार को उपखंड आदर्श राज, अवर अभियंता जितेंद्र कुमार के नेतृत्व में विभागीय कर्मचारियों की टीम के द्वारा रावगंज, मनीगंज, दमदमा, मिर्जा मंडी आदि मुहल्लों मे जाकर बिजली चेकिंग की गई। इस दौरान 5 हजार रुपए से अधिक बकायदारों के कनेक्शन काट दिए गए। तथा आधा दर्जन बकायेदार कामर्शियल कनेक्शनधारियों बिजली के संयोजन के विच्छेद करने की कार्यवाही की गई। एसडीओ ने कहा कि पावर कारपोरेशन के निर्देश पर 5 हजार से ज्यादा के बड़े बकायदारों पर कार्यवाही की जा रही है। उन्होंने बताया कि विभागीय टीमों ने चिन्हित बड़े बकायेदारों के आवासों तथा प्रतिष्ठानों में चेकिंग की तथा बकाया विद्युत देय राशि को जमा करने के लिए अभियान चलाया। उपखंड अधिकारी ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि अपने-अपने विद्युत बिलों की धनराशि को समय से जमा करके अनावश्यक परेशानी से बचें। विद्युत सब स्टेशन कालपी के अवर अभियंता जितेंद्र कुमार ने बताया कि कालपी क्षेत्र में बिजली की सप्लाई का नया शेड्यूल लागू हो गया है। उन्होंने बताया कि नया रोस्टर के मुताबिक सुबह साढ़े सात बजे से साढ़े नौ बजे तक बिजली की कटौती रहेगी। जबकि शाम को पौने तीन बजे से सवा चार बजे तक बिजली कटौती रहेगी। इस दृष्टिकोण से सुबह एक घंटे तथा शाम को डेढ़ घंटे तक विद्युत सप्लाई बंद रहेगी।

मौसम में बदलाव

वर्षा का आगमन

भारत के मौसम में बदलाव आ गया है और वर्षा के आगमन से झुलसा देने वाली गर्मी से राहत मिली है। बादलों की गर्जना तेज होने तथा नमी बढ़ने से स्पष्ट है कि मानसून आ गया है। इससे झुलसा देने वाली गर्मी से राहत मिली है। हालांकि, इसके कारण अनेक परेशानियां भी होती हैं, पर मानसून की प्रगति भी एक चुनौती की तरह है। इससे हर साल होने वाली बरसात में हमारी कमियां और तैयारियों में कमियां उजागर होती है। गर्मी से स्वागत योग्य राहत दिलाने वाला मानसून का मौसम अपने साथ महत्वपूर्ण बदलाव भी लाता है। भारतीय मौसम विभाग-आईएमडी ने सात राज्यों में भारी बरसात का 'रेड एलर्ट' जारी किया है। इनमें महाराष्ट्र, गुजरात, केरल, कर्नाटक, उत्तराखंड, गोवा और मध्य प्रदेश शामिल हैं। इन क्षेत्रों के निवासियों को मौसम बहुत खराब होने की चेतावनी दी गई है जिनमें खासकर उत्तराखंड, गोवा और कर्नाटक में अचानक आने वाली बाढ़ भी शामिल है। इस वर्ष मानसून के सामान्य की तुलना में अधिक होने की आशा है। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों के लिए बहुत भारी बरसात की चेतावनी दी है। इसके कारण लोगों का जनजीवन बड़ी सीमा तक प्रभावित हो सकता है तथा जीवन व संपत्ति को गंभीर खतरा पैदा हो सकता है। कुछ ही दिनों में दिल्ली का हाल 'वेनिस' जैसा हो जाएगा क्योंकि हर साल होने वाला जल-भराव अब आम हो गया है। इस कारण यमुना के किनारे रहने वाले लोग बेघरबार हो जाएंगे, जैसे यह उनका भाग्य बन गया है। हालांकि, पानी घटने के बाद जनता तथा सरकार के लिए जीवन पिर पहले जैसा हो जाएगा। लेकिन उत्तराखंड में गंभीर संकट की आशंका है क्योंकि वहां अचानक बाढ़ का अनुमान लगाया गया है। खड़ी ढलानों और संकरी घाटियों में बरसात का पानी तेजी से उतरता है जिससे अचानक बहुत तेज बाढ़ आती है। गोवा में भी मानसून के दौरान भारी बरसात और अचानक बाढ़ का खतरा है। राज्य की ढांचागत संरचना इसे झेलने में अक्षम हो सकती है जिसके कारण जल-भराव तथा सेवाओं में बाधा संभव है। कर्नाटक में मूसलाधार बारिश की आशंका है। राज्य के पश्चिमी सिरे पर स्थित 'वेस्टर्न घाट' में तेज बरसात हो सकती है जिससे बाढ़ और भूस्खलन का खतरा है। न केवल मानसून, बल्कि इसके बाद की स्थितियां भी काफी चुनौतीपूर्ण हो सकती हैं। जल-जनित बीमारियां तथा महामारी की आशंका रहती है, जबकि अधिकारी ऐसे में असहाय हो जाते हैं। समय आ गया है कि संभावित राज्य सक्रिय होकर कदम उठाएं ताकि भारी बरसात के हानिकारक प्रभाव से बचा जा सके तथा संकटग्रस्त जनसंख्या का सुरक्षित क्षेत्रों में संभावित विस्थापन किया जा सके। जनता को सही सूचनायें दे कर सुरक्षित रखने के लिए समय पर 'अपडेट' व 'चेतावनियां' जारी करना जरूरी है। यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि बांध और जल-निकासी व्यवस्था जैसी महत्वपूर्ण ढांचागत संरचनायें बढ़े हुए जल स्तरों का सामना कर सकें। बिहार के अनेक पुल मानसून के पहले ही गिर गए हैं, दिल्ली में एयरपोर्ट टर्मिनल टी1 ध्वस्त हुआ तथा अनेक राजमार्ग धंस गए। ये हमारे लिए एक प्रकार से चेतावनियां हैं। ऐसे में केवल मानसून को दोषी ठहराना उचित नहीं होगा। यह अचानक या अप्रत्याशित नहीं होता है। मानसून हर साल आता है, इसके बावजूद हम उसके लिए ठीक से तैयारी नहीं करते हैं। इसके साथ ही मानसून हमारे खेतों की सिंचाई तथा पेयजल उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। बरसात के कारण बहुत से कष्ट हो सकते हैं, पर बिना बरसात के जीवन में 'इंद्रधनुष' भी नहीं खिलेंगे।

रोजगार में वृद्धि के प्रयास

देश के प्रमुख विनिर्माण केन्द्र के रूप में उभार के बावजूद इस क्षेत्र की सीमित प्रगति से नौजवानों में रोजगार वृद्धि की संभावनायें प्रभावित हो रही हैं।

ए.एस. मित्तल
(लेखक, उद्योग जगत से संबद्ध हैं)

भारत को विनिर्माण केन्द्र में विकसित करने का 'दूरगामी दृष्टिकोण' रहा है ताकि लाखों रोजगारों का सृजन हो सके। लेकिन भारत के विशाल आकार तथा दुनिया की सबसे तेज विकसित होने वाली अर्थव्यवस्था का दर्जा प्राप्त होने के बावजूद कुछ समय पहले तक रोजगार सृजन के लिए महत्वपूर्ण विनिर्माण क्षेत्र पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया गया था। नई सरकार को ऐसी नई उद्योग नीति का क्रियान्वयन करना चाहिए जिसमें वर्तमान ढांचागत बाधाओं को संबोधित करने की क्षमता हो ताकि भारत को वैश्विक सप्लाई श्रृंखलाओं में हो रहे परिवर्तनों को देखते हुए विनिर्माण क्षेत्र को नया स्वरूप दिया जा सके। यह भारत को 5 ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था तथा 2027 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के लिए जरूरी है। चिन्ता की बात है कि भारत में स्नातक डिग्री प्राप्त नौजवानों में बेरोजगारी दर 29 प्रतिशत बनी हुई है, जबकि देश दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर आगे बढ़ रहा है। 2019 में भारतका विनिर्माण क्षेत्र कृषि के बाद दूसरा सर्वाधिक रोजगार देने वाला क्षेत्र था, पर अब यह निर्माण क्षेत्र, व्यापार व अतिथि सत्कार क्षेत्रों के बाद चौथे स्थान पर पहुंच गया है।

राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण संगठन-एनएसओ के आंकड़ों के अनुसार देश का 45.5 प्रतिशत कार्यबल कृषि क्षेत्र में, 12.4 प्रतिशत निर्माण क्षेत्र में तथा केवल 11 प्रतिशत विनिर्माण क्षेत्र में काम कर रहा था। यह इस तथ्य के बावजूद था कि यहां अनेक प्रकार के रोजगारों का सृजन हो सकता है। इसके बावजूद भारत के विनिर्माण क्षेत्र में अब भी लगभग 60 मिलियन लोग काम कर रहे हैं। ऐसे में सकारात्मक कार्रवाई की जरूरत है ताकि रोजगार सृजन की पूरी संभावनाओं का लाभ उठाया जा सके। भारत की शानदार प्रगति में विनिर्माण क्षेत्र का कमजोर प्रदर्शन बाधा डाल रहा है जिसका पिछले 25 साल में केवल सीमित विस्तार हुआ है। अन्य देशों के उलट भारत का उत्पादन ढांचा सीधे कृषि से सेवा-संचालित प्रगति की ओर गया है। इसके कारण विनिर्माण क्षेत्र का भारत की जीडीपी में योगदान 15-17 प्रतिशत पर बना हुआ है। यह स्थिति पूर्वी व दक्षिण-पूर्वी आशियान देशों की तुलना में बहुत कमजोर है। चीन का वैश्विक विनिर्माण में हिस्सा 31.63 प्रतिशत, अमेरिका का 15.87 प्रतिशत, जापान का 6.52 प्रतिशत, जर्मनी का 4.78 प्रतिशत और भारत का 2.87 प्रतिशत है।

इससे स्पष्ट होता है कि भारत को तत्काल विनिर्माण क्षेत्र की चुनौतियों का सामना करने की जरूरत है। इस क्षेत्र में ठहराव के अनेक कारण हैं जिनमें करों का भारी बोझ, अत्यधिक नियामक नियम, अनुपयुक्त ढांचागत संरचना व कनेक्टिविटी, अविश्वसनीय बिजली, कर्ज और कुशल कामगारों तक कम पहुंच तथा शोध, विकास एवं तकनीक परिवर्तन पर समुचित ध्यान न देना शामिल हैं। हालांकि, इन बाधाओं के बावजूद भारतीय विनिर्माण अब साहस के साथ प्रतियोगिता में आगे बढ़ रहा है तथा देश का लक्ष्य वैश्विक शक्ति बनना है। इसके लिए अनेक आयामों पर ध्यान देना जरूरी है। आटोमोबाइल जैसे क्षेत्रों में हमारे पास अच्छी क्षमतायें हैं और खासकर ई-वाहनों का हिस्सा वर्तमान समय में 7 प्रतिशत से बढ़ कर 30 प्रतिशत से अधिक हो सकता है। इसके साथ ही फार्मास्यूटिकल्स व रसायन, टेक्सटाइल व एपरल्स, इंजीनियरिंग वस्तुओं, कृषि उपकरणों और साइकिलों में अच्छी क्षमता है। लेकिन इसके साथ ही विशाल आकार की सुविधाओं में कमी है जो बड़े पैमाने पर निर्यात का आधार बन सकती हैं। समर्थन ढांचे की विश्वसनीयता तथा एमएसएमई की साझेदारी बढ़ाना प्रगति के लिए आवश्यक है। इस दृष्टिकोण से प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेटिव-पीएलआई योजना की प्रभावशीलता पर पुन: गौर करना जरूरी है। 2020 में घरेलू विनिर्माण को पुनर्जीवित करने के लिए लाई गई यह योजना इच्छित परिणाम दे रही है। इस योजना के चलते 14 क्षेत्रों में 2 लाख करोड़ की योजनायें चल रही हैं।

लेकिन ये खासकर श्रम-बहुल आटोमोबाइल, आटो हिस्से-पुर्जों, टेक्सटाइल, आईटी हार्डवेयर और चिकित्सा उपकरणों के मामलों में धीमी गति से आगे बढ़ रही हैं। पीएलआई योजना के व्यापक लक्ष्यों में रोजगार सृजन, समुचित निवेश आकर्षित करना, निर्यात को बढ़ावा देना तथा भारत को वैश्विक विनिर्माण केन्द्र बनाना है, लेकिन ये लक्ष्य अभी पूरे नहीं हुए हैं। वर्तमान जीएसटी ढांचे के पुनर्गठन की जरूरत है। वर्तमान वस्तु एवं सेवाकर-जीएसटी ढांचा 1250 से अधिक वस्तुओं व सेवाओं पर लागू होता है। इसमें मानक दरें 5 प्रतिशत, 12 प्रतिशत, 18 प्रतिशत तथा अधिकतम 28 प्रतिशत हैं। इसके साथ ही शून्य एवं 0.25 प्रतिशत, 1.5 प्रतिशत तथा 3 प्रतिशत की विशेष दरें कुछ वस्तुओं एवं सेवाओं पर लागू हैं। मुद्रास्फीति तथा कर-संबंधी मुद्दों को संबोधित करने के लिए कर व्यवस्था का पुनर्गठन शामिल है। इसमें वर्तमान चार चरणों वाले ढांचे के बजाय दो-स्लैब माडल लागू करना तथा कृषि उपकरणों जैसी वस्तुओं पर रियायत देना शामिल है जिनको पहले पूर्व-जीएसटी व्यवस्था में बाहर रखा गया था।

अगली पीढ़ी वाले क्षेत्रों में अवसर प्रदान करना जरूरी है। नवीकरणीय ऊर्जा, एयरोस्पेस तथा उच्च तकनीक विनिर्माण क्षेत्र जैसे सेमीकंडक्टर व मोबाइल उपकरणों में अवसर महत्वपूर्ण होंगे। इनका वित्त वर्ष 23 में निर्यात 12 बिलियन डालर था जो वित्त वर्ष 20 में 4.8 बिलियन डालर से लगभग दूना है। दुनिया के 'ग्रीन' व परस्पर जुड़ाव वाले क्षेत्र में तेजी से परिवर्तन के कारण इस क्षेत्र की संभावनायें बहुत अधिक हैं। इन क्षेत्रों में ठोस आधार बनाने के लिए आरएंडडी, तकनीक हस्तांतरण में निवेश, वैश्विक टाईअप और निवेशों को प्रोत्साहन देने पर ध्यान देना होगा। इसके साथ ही अकादमिक क्षेत्रों, उद्योग तथा सरकार के बीच सहयोग को बढ़ावा देना होगा। भारत को स्मार्ट विनिर्माण क्षमताये बढ़ाने पर खास ध्यान देना होगा। भारत की तकनीकी क्षमता का खास महत्व है। यह विश्व स्तर पर पैदा उथलपुथल का सामना करने तथा समस्याओं के खोजी समाधान तलाशने में देश की क्षमता स्पष्ट करती है। इसी प्रकार के खोजी प्रयास विनिर्माण क्षेत्र में किए जाने चाहिए जिनका उद्देश्य अगली पीढ़ी के स्मार्ट औद्योगिक क्लस्टर बनाना हो। इनमें परस्पर जुड़ी फैक्ट्रियां, कचरा घटाने व क्षमता संवर्धन के प्रयास, उच्च उत्पादकता वाली परिसंपत्तियां तथा एक सिरे से दूसरे सिरे तक जाने वाली मूल्य श्रृंखला में पारदर्शिता शामिल हैं। इसके साथ ही तकनीक-सक्षम तात्कालिक हस्तक्षेपों की भी आवश्यकता है जिनका प्रयोग विभिन्न क्षेत्रों में अत्यधिक महत्वपूर्ण रूप से किया जा सकता है। भविष्य के लिए तैयार की जाने वाली ढांचागत संरचना भी बहुत जरूरी है क्योंकि विश्व स्तरीय संरचनायें बनाने में विलम्ब से राष्ट्र को समय और धन का भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। हमारी ढांचागत संरचनायें भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप होनी चाहिए तथा इनके निर्माण में यथासंभव अधिकाधिक तेजी से काम होना चाहिए।

वर्तमान लाजिस्टिक खर्च को जीडीपी के वर्तमान 8-10 प्रतिशत से घटा कर 2030 तक जीडीपी के 6 प्रतिशत तक लाना बहुत जरूरी है। इसके लिए उद्योग-हितैषी 'कारीडोरों' में 1.2 बिलियन डालर निवेश की आवश्यकता है। उत्तर भारत के विनिर्माण केन्द्रों को देश के अन्य भागों के विनिर्माण केन्द्रों के समकक्ष लाने के लिए विशेष प्रयास करने की जरूरत है। ये विनिर्माण केन्द्र समुद्री बंदरगाहों से दूर हैं। ऐसे में खासकर चारों और जमीन से घिरे पंजाब जैसे प्रांतों के लिए विशेष दर्जे की आवश्यकता है। पंजाब को नीतिगत समर्थन की आवश्यकता है क्योंकि दक्षिण-पश्चिमी राज्यों की तुलना में उस पर माल भाड़े का दुहरा बोझ पड़ता है। विभिन्न क्षेत्रों में विनिर्माण क्षेत्रों की उत्पादकता बढ़ाने के लिए सरकार को कृषि से अन्य क्षेत्रों की ओर हस्तांतरित होने वाले श्रमबल पर भी ध्यान देना होगा। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन-आईएलओ की 'इंडिया इम्प्लायमेंट रिपोर्ट-2024' के अनुसार श्रम-बहुल विर्निमाण क्षेत्र तथा कार्यबल में कौशल संवर्धन पर जोर देना जरूरी है। ऐसे में कौशल संवर्धन को प्राथमिकता देना सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। इस पहल में प्रमुख उद्योगपति सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकते हैं। भारत में विनिर्माण क्षेत्र में आगे बढ़ने की क्षमता और संसाधन मौजूद हैं। समय आ गया है कि नई सरकार इनका लाभ उठाए।

पेट्रोडॉलर प्रणाली के वैश्विक वित्त पर प्रभाव

> "एक अधिक बहुध्रुवीय वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र जो विभिन्न मुद्राओं और आर्थिक प्रभावों को समायोजित करता है, वह आकार ले रहा है।"

संतोष मैथ्यू
(लेखक, सह प्रोफेसर हैं)

वर्ष 1974 में आरंभ की गई पेट्रोडॉलर प्रणाली लंबे समय से वैश्विक वित्त और भू-राजनीति का आधार रही है। संयुक्त राज्य अमेरिका और सऊदी अरब के बीच एक समझौते के माध्यम से स्थापित, इसने निर्धारित किया कि राज्य अपना तेल विशेष रूप से अमेरिकी डॉलर में बेचेगा। इस व्यवस्था ने न केवल डॉलर की निरंतर मांग की गारंटी दी, बल्कि अमेरिकी ट्रेजरी बॉन्ड और अन्य वित्तीय परिसंपत्तियों में निवेश के माध्यम से तेल राजस्व को वापस अमेरिकी अर्थव्यवस्था में निर्देशित किया।

परिणामस्वरूप, इस प्रणाली ने अमेरिकी सरकार के लिए धन का एक महत्वपूर्ण स्रोत बनाया और दुनिया की प्राथमिक आरक्षित मुद्रा के रूप में डॉलर की स्थिति को मजबूत किया। भू-राजनीतिक रूप से, पेट्रोडॉलर प्रणाली ने अमेरिका और तेल निर्यातक देशों, विशेष रूप से मध्य पूर्व के देशों के बीच एक सहजीवी संबंध बनाया। सुरक्षा आश्वासन और आर्थिक सहायता के बदले में, इन देशों ने डॉलर में तेल लेनदेन करने के लिए प्रतिबद्धता जताई, जिससे अमेरिका को वैश्विक तेल बाजारों और व्यापक अर्थव्यवस्था पर महत्वपूर्ण प्रभाव मिला। इस सहजीवन ने अमेरिका के भू-राजनीतिक प्रभाव को मजबूत किया और उसे रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण मध्य पूर्व में शक्ति का प्रदर्शन करने की अनुमति दी, जिससे तेल का निर्बाध प्रवाह सुनिश्चित हुआ, जो वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है।

हाल के घटनाक्रम इस दीर्घकालिक व्यवस्था से संभावित प्रस्थान का संकेत देते हैं। 9 जून को, सऊदी अरब ने अमेरिकी डॉलर में विशेष तेल बिक्री को बंद करने का इरादा घोषित किया। यह निर्णय सऊदी अर्थव्यवस्था में विविधता लाने और तेल राजस्व पर निर्भरता कम करने की एक व्यापक रणनीति का हिस्सा है। पेट्रोडॉलर प्रणाली से दूर जाने को कुछ लोग अन्य आर्थिक शक्तियों, विशेष रूप से चीन के साथ संबंधों को मजबूत करने की दिशा में एक कदम के रूप में देखते हैं, जो वैश्विक व्यापार में एक विकल्प के रूप में अपनी मुद्रा, युआन को बढ़ावा देना चाहता है। पेट्रोडॉलर प्रणाली की स्थापना में एक महत्वपूर्ण व्यक्ति हेनरी किसिंजर की भूमिका इसके ऐतिहासिक महत्व को रेखांकित करती है।

1970 के दशक में सऊदी अरब के साथ किसिंजर की बातचीत ने न केवल वैश्विक वित्त में अमेरिकी प्रभुत्व को सुरक्षित किया, बल्कि सऊदी अरब और अन्य खाड़ी देशों के लिए सुरक्षा का आश्वासन भी दिया, जिससे सैन्य सहयोग और रणनीतिक साझेदारी के माध्यम से अमेरिका के साथ उनका गठबंधन मजबूत हुआ। सऊदी अरब के इस निर्णय पर लोगों की प्रतिक्रियाएँ अलग-अलग हैं। विश्लेषकों का अनुमान है कि इससे डॉलर का वैश्विक आधिपत्य कमज़ोर हो सकता है, जिससे संभवत: इसका मूल्यह्रास हो सकता है और अमेरिका में मुद्रास्फीति की दर बढ़ सकती है। हालाँकि, इसे कम करने वाले कारकों में तेल निर्यातक के रूप में अमेरिका की वर्तमान स्थिति शामिल है, जो तेल की कीमतों और मुद्रा गतिशीलता में उतार-चढ़ाव के प्रति संवेदनशीलता को कम करती है।

वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए व्यापक निहितार्थ अनिश्चित बने हुए हैं। तेल लेन-देन में डॉलर से दूर जाने से मुद्रा विविधीकरण को बढ़ावा मिल सकता है और अमेरिकी वित्तीय प्रणाली पर निर्भरता कम हो सकती है। तेल आयात करने वाले देशों के लिए, यह बदलाव अधिक स्थिर मूल्य निर्धारण प्रदान कर सकता है यदि लेन-देन उनकी अपनी मुद्राओं या अन्य स्थिर विकल्पों में किए जाते हैं।

निष्कर्ष में, सऊदी अरब की रणनीतिक धुरी वैश्विक वित्तीय प्रणालियों में एक महत्वपूर्ण विकास को दर्शाती है। हालाँकि यह पेट्रोडॉलर के प्रभाव को तुरंत खत्म नहीं कर सकता है, लेकिन यह एक अधिक बहुध्रुवीय आर्थिक व्यवस्था की ओर संक्रमण का संकेत देता है, जहाँ कई मुद्राएँ वैश्विक व्यापार और वित्त में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। यह परिवर्तन धीरे-धीरे सामने आने की उम्मीद है, जिसका दुनिया भर में अंतर्राष्ट्रीय संबंधों और आर्थिक रणनीतियों पर गहरा प्रभाव पड़ेगा। दशकों से, पेट्रोडॉलर प्रणाली ने डॉलर के वैश्विक प्रभुत्व को बनाए रखा है, आर्थिक शक्ति को भू-राजनीतिक प्रभाव के साथ जोड़ा है। निष्कर्ष पेट्रोडॉलर प्रणाली का ऐतिहासिक संदर्भ और इसकी संभावित गिरावट वैश्विक वित्तीय और भू-राजनीतिक परिदृश्यों की गतिशील प्रकृति को दर्शाती है। सऊदी अरब की नीति में बदलाव उभरती हुई आर्थिक शक्तियों के साथ खुद को और अधिक निकटता से जोड़ने और तेल राजस्व पर अपनी अत्यधिक निर्भरता को कम करने के लिए राज्य की रणनीतिक मंशा को उजागर करता है।

यह कदम आर्थिक विविधीकरण की ओर एक व्यापक वैश्विक प्रवृत्ति और तेल उत्पादक देशों के बीच अधिक वित्तीय संप्रभुता की खोज का प्रतीक है। पेट्रोडॉलर प्रणाली का क्रमिक क्षरण वैकल्पिक वित्तीय प्रतिमानों के उदय की शुरुआत कर सकता है, जो अमेरिकी डॉलर के स्थापित वर्चस्व को चुनौती दे सकता है। जैसे-जैसे देश अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और वित्त के संचालन के लिए नए रास्ते तलाशते हैं, दुनिया मुद्रा विविधीकरण में वृद्धि देख सकती है, जिससे संभावित रूप से अधिक संतुलित और कम यूएस-केंद्रित वैश्विक अर्थव्यवस्था बन सकती है। इस तरह का बदलाव अधिक न्यायसंगत आर्थिक साझेदारी को भी प्रोत्साहित कर सकता है और एक प्रमुख मुद्रा पर निर्भरता से जुड़ी आर्थिक कमजोरियों को कम कर सकता है। इसके अलावा, पेट्रो-डॉलर प्रणाली की संभावित गिरावट मौजूदा भू-राजनीतिक गठबंधनों और आर्थिक निर्भरताओं की पुन: जांच को आमंत्रित करती है।

इन परिवर्तनों के प्रभाव वित्त के दायरे से आगे बढ़ सकते हैं, अंतर्राष्ट्रीय कूटनीति, व्यापार नीतियों और यहां तक ??कि सुरक्षा गतिशीलता को भी प्रभावित कर सकते हैं। संभवत: ध्यान अधिक बहुध्रुवीय वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने की ओर जाएगा जो विभिन्न मुद्राओं और आर्थिक प्रभावों को समायोजित करता है।

आप की बात

हाथरस हादसा

हाथरस में विश्वहरि भोले बाबा के सत्संग में भगदड़ मचने से करीब 175 श्रद्धालुओं की भयानक मौत हो गई, जिसमें महिलायें और बच्चे भी शामिल थे। यह गंभीर घटना अनेक सवाल खड़े कर रही है। आखिरकार, एक लाख से अधिक लोगों के आयोजन में मात्र 10-12 पुलिस कर्मियों का होना, आयोजकों और उनके सेवादारों की अव्यवस्था तथा प्रशासन की लापरवाही आदि भारी गलतियों से इतनी सारी जानें गई हैं। इसकी बारीकी से जांच होने चाहिए तथा दोषी जो भी हों उनपर सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। हादसे की जांच इस दृष्टिकोण से भी होनी चाहिए कि कहीं इसके पीछे कोई षडयंत्र तो नहीं था। हालांकि, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने फौरन वरिष्ठ अधिकारियों को मौके पर भेज कर उनसे रिपोर्ट मांगी तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संसद में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का जवाब देते समय इस त्रासदी का उल्लेख कर शोक व्यक्त किया। लेकिन हाथरस के इस हादसे के पहले भी देश के अनेक हिस्सों में भीड़ में ऐसे अनेक हादसे होते रहे हैं। अत: हाथरस हादसे से सबक लेते हुए प्रदेश के साथ ही राष्ट्रीय स्तर पर भीड़ प्रबंधन के सुनिश्चित प्रोटोकाल विकसित कर उना जमीनी क्रियान्वयन सुनिश्चित कर आयोजकों की जिम्मेदारी निर्धारित होनी चाहिए।

– **शकुंतला महेश नेनावा,** इंदौर

विपक्ष का निंदनीय व्यवहार

राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई बहस के जवाब में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकसभा में भाषण के समय विपक्ष का शोर-शराबा तथा लगातार व्यवधान पैदा करने के प्रयास अत्यन्त निन्दनीय तथा संसदीय परंपराओं की धज्जियां उड़ाने की तरह हैं। यह एक अच्छा संकेत नहीं है। विपक्ष की पहले ही सत्र में अराजकता एवं शोर-शराबे से स्पष्ट है कि वह लगातार तीसरी बार पराजय के बावजूद अपनी आदतें सुधारने को तैयार नहीं है। इससे यह भी प्रतीत होता है कि आने वाले दिनों में राज्यसभा सभापति और लोकसभा अध्यक्ष की जिम्मेदारी और भी अधिक बढ़ने वाली है। संसद के दोनों सदनों का कामकाज सुचारु रूप से चलाने तथा ऐसे हंगामेबाज सांसदों से निपटने के लिए कठोर कदम उठाने होंगे। उल्लेखनीय है विपक्षी सांसदों को अपनी बात रखने का पूरा-पूरा मौका मिला, पर प्रधानमंत्री के भाषण में उन्होंने अनुशासनहीनता और अराजकता का बेशर्म प्रदर्शन किया। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की उपस्थिति व उनके इशारे पर सासंदों का वेल में जाना तथा लोकसभा अध्यक्ष का निर्देश अनसुना करना भारतीय लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है। ऐसे तत्वों को कठोर दंड मिलना चाहिए।

– **मनमोहन राजावत,** शाजापुर

अहिंसक हिंदू

संसद में विपक्षी नेता के तौर पर राहुल गांधी ने सफेद झूठ बोला कि हिन्दू हिंसक होता है, जबकि तमाम उकसावे के बावजूद न केवल हिंदू, बल्कि भाजपा और आरएसएस भी अहिंसक बने हुए हैं। राहुल यह झूठ इसीलिए बोल सके कि हिन्दू हिंसक नहीं हैं। यदि हिन्दू हिंसक होते तो राहुल सहित कांग्रेस व विपक्ष के कई नेताओं के खिलाफ इस्लाम की तरह फतवे जारी हो जाते। लगता है विपक्षी नेताओं में हिन्दुओं को गाली देने और सनातन को समाप्त करने की होड़ लगी है। यदि ऐसे बयान ये कथित सेक्युलर नेता इस्लाम के विरुद्ध दें तो इन्हें तत्काल अहिंसक हिंदुओं तथा दूसरे धर्म के चरमपंथी तत्वों के बीच अंतर का पता चल जायेगा। विडंबना है कि ये हिन्दू-विरोधी नेता ही अपने विवादित बयानों से हिन्दुओं को हिंसा के लिए उकसाते हैं, किन्तु इसमें सफल नहीं हो पाते हैं। यदि हिन्दू हिंसक होते तो भारत में दुनिया की सबसे अधिक मस्जिदें न होतीं तथा देश में इंडोनेशिया के बाद सबसे अधिक मुस्लिम न होते। मोदी, भाजपा और आरएसएस को राहुल जैसे चुनावी हिंदुओं से सही हिंदू होने का प्रमाणपत्र नहीं चाहिए। ऐसे बयानों से कांग्रेस तथा उसके सहयोगी विपक्षी दल न केवल अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मार रहे हैं, बल्कि लोकतंत्र को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

– **नरेन्द्र टोंक,** मेरठ

पर्यावरण संरक्षण

हमारे अधिकांश स्कूलों-कॉलेजों में हरियाली नहीं है। मानसून सक्रिय हो चुका है। ऐसे में सभी स्कूल-कॉलेजों में छात्रों के सहयोग से पूरी बाउंड्री वॉल के भीतर वृक्षारोपण करवाया जाना चाहिए। इससे बड़ी संख्या में वृक्षारोपण हो जाएगा और शिक्षण संस्थाओं का भी रंग रूप व वातावरण सुहावना हो जाएगा। इसी प्रकार सभी शासकीय परिसरों में बाउंड्री वाल और उचित खाली जगह पर समय रहते सभी को वृक्षारोपण करना चाहिए। इसका लाभ भी शुद्ध ताजी हवा और तापमान में कमी आने के रूप में स्टूडेंट को व शासकीय कर्मचारियों को ही मिलेगा। इस बार सरकार भी वृक्षारोपण के लिए बहुत अच्छा प्रयास कर रही है। वह प्रयास भी इन संस्थाओं के सहयोग से शीघ्र पूरा हो सकेगा और हमारे प्रदेश में एक करोड़ वृक्ष लगाने का लक्ष्य पूरा हो जाएगा। इस बार आम जनों में भी जो उत्सव और उत्साह वृक्षारोपण के प्रति दिखाई दे रहा है, वह हर्षोल्लास देने वाला है। प्रधानमंत्री मोदी के एक पेड़ मां के नाम के आह्वान को भी जनता का समर्थन मिल रहा है। हमें वृक्षारोपण के साथ उनकी देखभाल की जिम्मेदारी भी निभानी चाहिए।

– **विभूति बुपक्या,** खाचरोद

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

प्रेम प्रसंग के चलते महिला की हत्या का हुआ खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता। अमेठी

पुलिस को 27 जून को महिला का शव चाचा गांव के पास बरामद हुआ था पर जनों द्वारा उसके हत्या होने की आशंका जताई थी। पुलिस ने इस घटना का अनावरण करते हुए अभियुक्त को जेल भेज दिया। घटना की जानकारी देते हुए पुलिस अधीक्षक अनूप कुमार सिंह ने बताया किज्ञानेन्द्र मौर्या पुत्र स्व सहदेव मौर्या निवासी बड़गांव थाना संग्रामपुर जनपद अमेठी द्वारा थाना संग्रामपुर पर लिखित तहरीर दी गई कि 26 जून को सुबह करीब 10.00 बजे मेरी बहन उर्मिला उम्र करीब 34 वर्ष घर से गोरखापुर बैंक जाने के लिए कह कर गयी थी जिनका मोबाइल फोन दोपहर करीब 12.00 बजे से बन्द बता रहा था।

हम लोग काफी खोजबीन किया, लेकिन मिली नहीं। 27 जून को सूचना मिली कि छाछा गांव के पास शव मिला है। जिसकी पहचान मेरे द्वारा थाना संग्रामपुर पर पहुंचकर अपनी बहन उर्मिला मौर्या के रूप में की गई।

2 जून को ईश नारायण मिश्रा प्रभारी निरीक्षक थाना संग्रामपुर जनपद अमेठी मय हमराह विशेषरगंज में मौजूद थे कि स्वाट/सर्विलांस टीम प्रभारी उ0नि0 अनूप कुमार सिंह की टीम ने मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त ओम शंकर द्विवेदी उर्फ अविनाश द्विवेदी पुत्र स्व0 जगदीश प्रसाद द्विवेदी निवासी कंसापुर थाना संग्रामपुर जनपद अमेठी उम्र करीब 44 वर्ष गिरफ्तार किया।

गिरफ्तार व्यक्ति ने बताया कि मेरा व उर्मिला मौर्या (मृतका) का करीब 10-15 वर्ष पहले से प्रेम प्रसंग चल रहा था। कुछ माह से उर्मिला मौर्या मेरे ऊपर शादी करने का दबाव बना रही थी मैने ग्राम छाछा के एक सूनसान जंगल में ले गया, तमंचे से उर्मिला के माथे पर सटाकर गोली मार दिया जिससे उसकी मृत्यु हो गयी। घटना में प्रयुक्त बजाज डिस्कबर मोटरसाइकिल को घर के बाहर से बरामद किया गया ।

डीएम ने ई-आफिस प्रणाली के सम्बन्ध में की समीक्षा बैठक

श्रावस्ती, भिनगा। जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित जिलाधिकारी कक्ष में ई-आफिस प्रणाली लागू किये जाने के सम्बन्ध में समीक्षा की गयी जिलाधिकारी ने समीक्षा में शासन की मंशानुरूप समस्त अपेक्षित कार्यवाहियों को शीघ्र पूर्ण कराते हुए पत्रावलियों का परिचालन ई-आफिस प्रणाली के माध्यम से किये जाने हेतु निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने बताया कि ई-ऑफिस को शुरू करने का मुख्य उद्देश्य कागजों की बचत करना है इसके साथ शासकीय कार्यों को गति प्रदान करना है। ई-ऑफिस में किसी भी समय निर्धारित दस्तावेज को खोलकर देखा जा सकता है जिससे भविष्य में पेपरलेस कार्य को बढ़ावा दिया जा सके।ई ऑफिस प्रणाली के माध्यम से प्रथम चरण में राजस्व विभाग को जोडा जा रहा है और अन्य विभागों को भी जोड़ा जाएगा। बैठक में अपर जिलाधिकारी अमरेंद्र कुमार वर्मा जिला सूचना विज्ञान अधिकारी निगम प्रताप सिंह ई-डिस्ट्रिक्ट मैनेजर शरद श्रीवास्तव द्वारा ई-आफिस की प्रगति के बारे में जिलाधिकारी को अवगत कराया।

जिला रेफरल चिकित्सालय तिलोई का डीएम ने किया आकस्मिक निरीक्षण

संवाददाता। अमेठी

जिलाधिकारी निशा अनंत ने आज 200 शैय्या जिला रेफरल चिकित्सालय तिलोई का आकस्मिक निरीक्षण कर मरीजों को दी जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया एवं चिकित्सकों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी में अस्पताल में चिकित्सक व उपकरणों के संबंध में जानकारी ली एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी को अस्पताल की आवश्यकतानुसार सामग्री, उपकरण, डॉक्टर व स्टाफ की सूची प्राचार्य मेडिकल कॉलेज डॉक्टर रीना शर्मा से लेने के निर्देश दिए। ओपीडी के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने प्रतिदिन ओपीडी में आने वाले मरीजों की जानकारी ली तथा किस-किस प्रकार के मरीज आ रहे हैं उनके संबंध में जानकारी ली, निरीक्षण के दौरान ओपीडी में तैनात किसी भी चिकित्सक द्वारा रजिस्टर पूर्ण रूप से नहीं भरा पाया गया जिस पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी जाहिर करते हुए संबंधित चिकित्सकों को आने वाले मरीजों का पूर्ण विवरण रजिस्टर में भरने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान शौचालय गंदा पाया गया एवं अस्पताल परिसर की बिल्डिंग भी जगह-जगह क्षतिग्रस्त होती पाई गई जिस पर जिलाधिकारी ने अस्पताल परिसर एवं शौचालय में पर्याप्त साफ सफाई की व्यवस्था तथा बिल्डिंग के रखरखाव के संबंध में प्राचार्य मेडिकल कॉलेज को निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने अस्पताल परिसर में मरीजों की जांच हेतु उपलब्ध उपकरणों एवं मशीनों का भी अवलोकन किया एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने अस्पताल परिसर में मौजूद मरीजों से उनका हाल-चाल लिया एवं उनको दिए जा रहे उपचार के संबंध में चिकित्सकों से जानकारी ली तथा मरीजों को बेहतर उपचार की सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

कस्बे में सफाई के लिए सड़क पर उतरे चेयरमैन प्रतिनिधि व ईओ

संतकबीरनगर। नगर पंचायत मगहर अध्यक्ष प्रतिनिधि नूरूज्जमा अंसारी एवं ई0ओ0 न0पं0 मगहर वैभव सिंह ने बुधवार को नगर पंचायत सफाई कर्मियो के टीम के साथ नगर पंचायत के समस्त वार्डो में जाकर साफ-सफाई व्यवस्था देखा।

इसके अलावा जहां भी नालिया व नाला जाम की स्थिति में दिखाई दिया उसे तत्काल सफाई कर्मियो द्वारा नालियों से कूड़ा बाहर कर व्यवस्था सुदृढ किया गया। जिन नालो में पानी का बहाव रूका हुआ था वहॉ से कूड़ा निकालकर पानी का बहाव शुरू कराया गया। पम्पिग सेट के माध्यम से भी पानी नालो से निकाला गया। नगर पंचायत मगहर कोई भी नाली व नाला जाम नही है। अध्यक्ष प्रतिनिधि नूरूज्जमा अंसारी ने सभी सफाई कर्मियो को निर्देश दिया है कि अपने-अपने वार्ड क्षेत्रो में निगरानी बनाये रखे जहॉ भी समस्या उत्पन्न होती है तत्काल साफ-सफाई करके व्यवस्था ठीक करें। बुधवार को अध्यक्ष प्रतिनिधि नूरूज्जमा अंसारी व ई0ओ0 वैभव सिंह ने पूरे टीम के साथ सड़क पर उतरकर व्यवस्था ठीक कराया। उन्होंने नगरवासियो से अपील किया है कि कूड़ा निर्धारित स्थान पर फेके और नालियो में पन्नी कूड़ा करकट न डालें। नगर पंचायत मगहर नगरवासियों की सेवा में तत्पर है।

एनएचएम संविदा स्वास्थ्य कर्मियों ने मुख्यमंत्री को भेजा मांग पत्र

- वेतन विसंगति सहित कर्मचारियों के हित में उठाईं अन्य मांगें

संवाददाता। संतकबीरनगर

वेतन विसंगति और गृह जनपद ट्रांसफर के मुद्दे को लेकर संयुक्त राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कर्मचारी संघ, उप्र के प्रदेश व्यापी आह्वान पर संत कबीर नगर जनपद इकाई के पदाधिकारियों द्वारा मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन प्रभारी जिलाधिकारी को सौंपा गया। संयुक्त एनएचएम कर्मचारी संघ संत कबीर नगर के पदाधिकारियों का कहना है कि वर्तमान में प्रदेश भर में तकरीबन 1.35 लाख एनएचएम संविदा कर्मी कार्य कर रहे हैं, जो की स्वास्थ्य विभाग की रीढ़ माने जाते हैं. कोविड जैसी भयंकर महामारी से लेकर हर विषम परिस्थिति में काम करने वाले एनएचएम संविदा कर्मियों का समाज में अतुलनीय योगदान है। जिसमें सैकड़ों संविदा कर्मी अपने घरों से सुदूर जनपदों में अल्पवेतन में काम कर रहे हैं यदि उनका अपने गृह जनपद के आसपास ट्रांसफर किया जाएगा तो उन कर्मियों का कार्य करना आसान हो जाएगा, अधिकांश महिला कर्मचारियों को उनके जनपद से 500- 500 किलोमीटर दूर तैनाती दे दी गई है, मुख्यमंत्री से मांग है की पूर्व में चल रही ट्रांसफर नीति बहाल करें जो की प्रदेश स्तर से बंद कर रखी गई है। इसी के साथ वर्ष 2016 से लंबित वेतन विसंगति दूर किए जाने की मांग की गई. वर्ष 2016 में ही केंद्र सरकार द्वारा बजट आवंटन के बावजूद आज तक एनएचएम संविदा कर्मचारियों की पदानुसार वेतन विसंगति दूर नहीं की गई है।

वहीं बगल के राज्य मध्य प्रदेश में राज्य संविदा कार्मिकों हेतु वेतन नीति बनाकर वेतन विसंगति को दूर किया गया है। इस मौके पर संघ के जिला संयोजक दीनदयाल वर्मा, जिलाध्यक्ष राजेश पांडेय, महामंत्री आनंद मौर्या, उपाध्यक्ष विक्रम चौधरी, महेंद्र त्रिपाठी, अरविंद पाण्डेय, मोनिका सिंह, रीमा रानी, दीक्षा पांडेय आदि मौजूद रहे।

नगर पालिका ने 100 सफाई कर्मियों को दिए रेनकोट

संतकबीरनगर। नगर पालिका अध्यक्ष खलीलाबाद जगत जायसवाल एवं अधिशासी अधिकारी नगर पालिका अवधेश कुमार भारती बुधवार को नगर पालिका परिषद में बारिश के मौसम में साफ-सफाई करने वाले सफाई कर्मियों में रेनकोट वितरित किये। सौ सफाई कर्मियों में रेनकोट वितरित किया गया इसके अलावा और सफाई कर्मियों को रेनकोट दिया जायेगा। नगर पालिका अध्यक्ष जगत जायसवाल ने कहा कि बारिश के मौसम में खुले आसमान में साफ-सफाई करने वाले सफाई कर्मियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो इस उद्देश्य से उन्हे रेनकोट दिया गया है। इसके अलावा सुरक्षा से सम्बन्धित और भी सामग्री दिये जायेगे। ई0ओ0 खलीलाबाद अवधेश कुमार भारती ने कहा कि नगर पालिका सफाई कर्मी अपनी कोई भी समस्या बेहिचक उनसे कह सकते हैं।

क्विक न्यूज

निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज का डीएम ने किया निरीक्षण

अमेठी। जिलाधिकारी निशा अनंत ने आज तहसील तिलोई अंतर्गत निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज का स्थलीय निरीक्षण कर संबंधित कार्यदायी संस्था को निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देते हुए निर्धारित समय सीमा के अंतर्गत निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने सर्वप्रथम मेडिकल कॉलेज का मॉडल देखा इसके उपरांत उन्होंने पूरे परिसर का भ्रमण कर निर्माण कार्य की स्थिति का बारीकी से जायजा लिया एवं संबंधित कार्यदायी संस्था को निर्माण कार्य स्थल पर मजदूरों की संख्या बढ़ते हुए शीघ्र अति शीघ्र कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। ज्ञातव्य हो कि मेडिकल कॉलेज का निर्माण कार्यदायी संस्था लोक निर्माण विभाग इकाई अयोध्या द्वारा कराया जा रहा है कार्यदायी संस्था के सहायक अभियंता पीके सिंह ने बताया कि 16.5 एकड़ में मेडिकल कॉलेज का निर्माण कराया जा रहा है जिसमें 300 बेड का अस्पताल, 100 सीटों का मेडिकल कालेज, एकेडमिक ब्लॉक, बॉयज/गर्ल्स हॉस्टल आदि का निर्माण कराया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अंशुमान सिंह, प्राचार्य मेडिकल कॉलेज डॉ रीना शर्मा, सीएमएस मेडिकल कॉलेज डॉ आजम खान सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

भाजपाइयों ने किया राहुल गांधी का पुतला दहन

जगदीशपुर, अमेठी। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी द्वारा हिंदुओ को हिंसक बतानें एवं अपमानित करने के खिलाफ जगदीशपुर चौराहे पर राहुल गांधी का पुतला दहन किया गया। जगदीशपुर चौराहे पर राहुल गांधी मुर्दाबाद, राहुल गांधी होश में आओ, हिंदुओं का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान, का गगन भेदी नारा लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किया एवं राहुल गांधी का पुतला दहन किया गया। इस अवसर पर भाजपा प्रवक्ता चन्द्रमौलि सिंह, भाजपा नेता राम हेत वैश्य, डीसी कौशल तौसीफ खान जिला अध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा यजुवेन्द्र सिंह सोनू, पूर्व मंडल अध्यक्ष रामदेव पांडेय पूर्व मंडल अध्यक्ष राम उजागर तिवारी दीप चंद्र पांडेय पूर्व जिला महामंत्री युवा मोर्चा राम मनोहर मिश्रा, दल बहादुर सिंह सूर्यभान गिरी,मनोकानिका गुप्ता, राजकुमार शुक्ला, विजय वर्मा सहित सैकड़ों लोगों ने जोरदार प्रदर्शन किया।

वृक्ष लगाना प्रकृति संतुलन तथा वातावरण को स्वच्छ रखने के लिए जरूरी: शशिकान्त

संवाददाता। रायबरेली

'वृक्ष देते शुद्ध वायु, इनसे मिलती लम्बी आयु' समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की इच्छानुसार वृक्षारोपण के सबसे प्रमुख उद्देश्यों में से वनों को बढ़ावा देना है। अपने सात दिवसीय प्रदेशव्यापी वृक्षारोपण कार्यक्रम' को गांव से लेकर षहर तक पौधे रोपित किये जाने के निर्देशानुसार आज प्राथमिक विद्यालय बरखापुर में नीम, पीपल, षमी एवं बरगद के पौधे रोपित कर स्कूल में उपस्थित बच्चां को सपा के जिला अध्यक्ष ने पेड-पौधों के महत्व को बताते हुए वृक्ष हमारे जीवन में कितने उपयोगी हैं, इसकी जानकारी दी।

उन्होंने बताया औद्योगीकरण के कारण वन तीव्र गति से काटे जा रहे हैं। वृक्ष तो स्वाभाविक रूप से विकसित होते हैं, लेकिन वनों की कटाई की वजह से होने वाले नुकसान की भरपाई के लिए हमें अपनी ओर से अपना योगदान देना जरूरी है। वृक्षारोपण की मदद से वन तेजी से उगाए जा सकते हैं। विद्यालय में वृक्षारोपण एवं समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में उपस्थित बच्चों को मिष्ठान वितरण किया गया। जिसे पाकर बच्चे बहुत ही खुश नजर आये।

समाजसेवी एवं सपा के वरिश्ठ नेता डॉ शशिकान्त शर्मा ने वृक्षारोपण के महत्व के सम्बन्ध में बताते हुए कहा कि वृक्षारोपण यानी वृक्ष लगाना प्रकृति में संतुलन बनाए रखने के लिए तथा अपने आस-पास के वातावरण को स्वच्छ बनाए रखने के लिए बहुत जरूरी है। क्योंकि पेड़-पौधे हमें छाया देने के साथ ही जीवनोपयोगी स्वच्छ वायु प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि इस पर्यावरणिक-सामाजिक आंदोलन को हम आने वाले समय में गांवों से लेकर राष्ट्रव्यापी आंदोलन बनाने का पूरा प्रयास करेंगे।

लापरवाही बरतने पर चार सफाई कर्मी निलम्बित

श्रावस्ती। जिला पंचायत राज अधिकारी नन्दलाल ने बताया है कि जनपद में विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान के दृष्टिगत सफाई कर्मचारियों की ड्यूटी न्याय पंचायतवार टीम गठित कर रोस्टर के अनुसार लगायी गयी है। साथ ही कर्मचारियों को अपने क्षेत्र में उपस्थित रहकर फॉगिंग ब्लीचिंग एवं साफ-सफाई करने के निर्देश दिये गये हैं। साफ-सफाई एवं कर्मचारियों की उपस्थिति की मॉनिटरिंग जनपद के वाररूम से निरन्तर की जा रही है। निरीक्षण के दौरान विकास खण्ड गिलौला के अन्तर्गत ग्राम पंचायत अकारा में 3 कर्मचारी क्रमशः राजेश कुमार सुरेन्द्र पाल वर्मा एवं सुरेन्द्र कुमार आर्य एवं ग्राम पंचायत रघुनाथपुर के अन्तर्गत 1 सफाईकर्मी ओमकार नाथ बिना किसी सूचना के अनुपस्थित पाये गये। कार्यों में लापरवाही बरतने पर उक्त सफाई कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से निलम्बित किया गया है।

हाथरस घटना पर कांग्रेस कार्यालय में शोक-सभा का हुआ आयोजन

रायबरेली। हाथरस सत्संग भगदड़ की हृदय विदारक घटना पर कांग्रेस कार्यालय तिलक भवन में एक शोक-सभा का आयोजन कर घटना में मारे गये लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई और उनकी आत्मा की शान्ति के लिए 2 मिनट का मौन रखा गया। इस मौके पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष पंकज तिवारी ने घटना पर दु:ख व्यक्त करते हुए सरकार से मांग की है कि घायलों के उपचार में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाय और उनका अच्छे से अच्छा नि:शुल्क उपचार हो साथ ही उचित और बड़ा मुआवजा दिया जाय। शोक-सभा में प्रमुख रुप से वी.के.शुक्ला, रमेष कुमार शुक्ला, विजयषंकर अग्निहोत्री, प्रवक्ता महताब आलम, निर्मल शुक्ला, सईदुल हसन, अषोक कुमार सिंह, वीरेन्द्र यादव, अभय त्रिवेदी, राजकुमार दीक्षित, अजीत सिंह, नौषाद हुसैन खतीब, महेष प्रसाद शर्मा, अनवार खान, श्रीमती शैलजा सिंह, शषिकांत पाण्डेय, कल्याणचन्द्र श्रीवास्तव, शषिकांत पाण्डेय, संजय श्रीवास्तव, आर.के.सिंह, घनष्याम शुक्ला, आलोक विक्रम यादव आदि मौजूद रहे।

बाइक सवार को कार ने मारी टक्कर, हालत नाजुक

ऊंचाहार। तेज रफ्तार कार ने अनियंत्रित होकर बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी । जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया । राहगीरों की मदद से उसे सीएचसी में भर्ती कराया गया है । यह हादसा लखनऊ प्रयागराज राजमार्ग पर क्षेत्र के तिवारीपुर गांव के पास हुआ है । प्रयागराज के हंडिया निवासी अमित कुमार बुधवार की सुबह बाइक से लखनऊ की ओर जा रहे थे । रास्ते में तिवारीपुर के पास सड़क के किनारे वह खड़े थे। तभी पीछे से एक तेज रफ्तार कार ने उनको टक्कर मार दी । जिससे वह गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोगों ने उसे उठाया और सीएचसी पहुंचाया । जहां उसका इलाज किया गया है।

राज्य मंत्री दिनेश प्रताप ने कोल्ड स्टोरों का किया निरीक्षण

रायबरेली। राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार दिनेश प्रताप सिंह ने आज फतेहपुर, कौशांबी, रायबरेली के कोल्ड स्टोर्स का औचक निरीक्षण किया शीत ग्रह संचालकों से यह अपेक्षा की किसी भी दशा में आलू की डंपिंग न की जाए. विगत भंडारण वर्ष 23 /24 में जितनी निकासी जिस तिथि जिस माह में हुई हो चालू वर्ष में भी उतनी ही निकासी की जाए यदी उतनी निकासी नहीं की जाती है तो इसके लिए जिला उद्यान अधिकारी और शीत ग्रह संचालक उत्तरदायी होगा।

आलू का बाजार भाव स्थिर रहे इसके हर संभव प्रयास किए जाए किसानों और उपभोक्ताओं को आश्वस्त किया कि आगे आलू के भाव गिरेगे ही बढ़ना नही है किसी भी भ्रम में न डंपिंग की जाए और न ही दुष्प्रचार किया जाए उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री आदरणीय योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में राज्य सरकार राज्य के किसानों उपभोक्ताओं और व्यापारियों के हितों का हर हालत में संरक्षण करेगी इस आशय से फतेहपुर के दुर्गा एंड संस कोल्ड स्टोर, रस्तोगी कोल्ड स्टोर, फतेहपुर एवं रामरजी कोल्ड स्टोर कौशांबी के हीरा कोल्ड स्टोर, कौशांबी कोल्ड स्टोर और रायबरेली के प्रेम शीत ग्रह का निरीक्षण किया।

पीडीए वृक्षारोपण सप्ताह मना रहे सपाईयों ने किया वृक्षारोपण

रायबरेली। समाजवादी पार्टी के राष्ट्राय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के जन्मदिन पर पीडीए वृक्षारोपण सप्ताह मना रहे समाजवादी पार्टी रायबरेली द्वारा जनपद के विभिन्न ग्रामों में वृक्षारोपण किया गया विधान सभा बछरावां के कलुई खेड़ा ग्राम में वृक्ष रोपित करते हुए जिला अध्यक्ष इं0 वीरेन्द्र यादव ने कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण का संतुलन बिगड़ जाने की वजह से विगत दिनों भीषण गर्मी का सामना करना पड़ा है। बरगद, पीपल, नीम ''पीडीए-पेड़'' पौधारोपण के माध्यम से पर्यावरणिक-सामाजिक आन्दोलन चलाकर पर्यावरण का संतुलन बनाया जा सकेगा।

विधायक श्याम सुन्दर भारती ने कहा कि बछरावां विधान सभा क्षेत्र के प्रत्येक ग्राम पंचायत में पौधारोपण का कार्यक्रम चलाया जा रहा है समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता गांव-गांव जाकर उत्साह के साथ पौधे लगाने का कार्य कर रहे है। इस अवसर पर मो0 अरशद खान, राजेश मौर्या, बृजेन्द्र चौधरी, देशराज यादव, शिवम् अटरा, राजू यादव, प्रधान कलुई खेडा सहित अनेकों लोगों द्वारा वृक्ष लगाये गये। सरेनी विधान सभा क्षेत्र के शोभवापुर में रामनाथ यादव, धर्मेन्द्र धाकड़, गंगा सागर, लाल जी प्रधान द्वारा पौधा रोपण किया गया। हरचन्दपुर विधान सभा क्षेत्र के कोन्सा एवं सतांव में विधान सभा अध्यक्ष राकेश कुमार यादव, श्रीधर, आनन्द यादव, महेन्द्र कुमार ने बरगद, नीम, आम, पीपल, के पौधे लगाये। सदर विधान सभा क्षेत्र के मैनूपुर एवं उमरपुर में विधान सभा अध्यक्ष योगेश्वर पटेल, वरिष्ठ नेता शशिकांत शर्मा, आशुतोष यादव, राजदेव, रामानन्द यादव, बलराम राना द्वारा अनेकों पीडीए वृक्ष रोपित किया। सलोन विधान सभा क्षेत्र के ग्राम छतोह में ब्लाक अध्यक्ष राम किशोर पुजारी एवं अनेकों कार्यकर्ताओं द्वारा पौधे लगाकर वृक्षारोपण कार्यक्रम को अनवरत जारी रखने का संकल्प लिया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिलाओं की उपस्थिति रही।

विधायक अयोध्या ने अधिकारियों के साथ किया स्थलीय निरीक्षण

अयोध्या। नगर विधायक अयोध्या ने आज रिकाबगंज से कसाबबाड़ा रोड सहित नगर के विभिन्न स्थानों का नगर निगम के अधिकारियों व कर्मचारियों को लेकर स्थलीय निरीक्षण किया, और अलर्ट मोड में जल भराव की समस्या से निजात दिलाने के लिए युद्ध स्तर पर कार्य करने का निर्देश दिया।

नगर विधायक अयोध्या वेद प्रकाश गुप्ता नगर निगम के नगर आयुक्त संतोष शर्मा,अपर नगर आयुक्त शशि भूषण राय व जे ई,सफाई नायकों की टीम को लेकर रिकाबगंज-कसाबबाड़ा मार्ग पर जल भराव की समस्या का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने जगह-जगह चोक नालों को तत्काल साफ कराते हुए हर हाल में सभी नालों का बिना रुकावट संचालन जारी करने को कहा ताकि अब होने वाली भारी-वर्षा से इस क्षेत्र के साथ-साथ नगर के किसी भी क्षेत्र में जल भराव की समस्या ना आए व जनमानस को भारी समस्या का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि अति वृष्टि होने से जगह-जगह जल भराव हो गया था उसको युद्ध स्तर पर साफ करा दिया गया है और आने वाली वर्षा ऋतु को देखते हुए तमाम बड़े व छोटे नालों आदि की साफ सफाई , चेकिंग जल्द से जल्द करा दी जाए।

एसीएमओ के निरीक्षण में अधिकतर सीएचसी स्टाफ मिला अनुपस्थित

संवाददाता। बछरावां, रायबरेली

बुधवार सुबह लगभग नौ बजे एसीएमओ राधाकृष्ण सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंच गए। पहुंचते ही वह इमरजेंसी वार्ड की तरफ गए। तो वहां सिर्फ वार्ड बॉय हरीश गुप्ता , चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी सुनील कुमार व नाईट ड्यूटी कर चुके डॉक्टर इंद्रभूषण जायसवाल ही मिले। जब उन्होंने अन्य डॉक्टरों के बारे में पूछा तो कोई जवाब नहीं मिल पाया । एसीएमओ अस्पताल के एक्स-रे रूम पहुंचे। मौजूद स्टाफसे किए गए एक्सरे के बारे में जानकारी मांगी ।

टेक्नीशियन ने बताया कि दो एक्सरे किये गए हैं । फिर उन्होंने अस्पताल के जच्चा बच्चा वार्ड , मलेरिया वार्ड , लैब का निरीक्षण किया है । निरीक्षण के दौरान ही अस्पताल अधीक्षक अनिल कुमार जैसल समेत अन्य स्टाफबारी बारी से सीएचसी पहुंचने लगा। अस्पताल अधीक्षक डॉक्टर जैसल ने बताया कि समस्त स्टाफ मौजूद मिला है। निरीक्षण के दौरान आला अधिकारी संतुष्ट रहे हैं । फिर भी जो कमियां बताई हैं उन्हें दुरुस्त करने के प्रयास किया जा रहा हैं। लेकिन ताजुब्ब की बात यह है कि सीएचसी अधीक्षक अनिल कुमार जैसल द्वारा अधिकारियों को संतुष्ट करने के लिए समस्त स्टाफ की मौजूदगी सिर्फ कागजों पर ही दिखाई गई।

संदिग्ध परिस्थितियों में पेड़ से लटका मिला किशोरी का शव

बछरावां, रायबरेली। गांव के बाहर आम के पेड़ पर रस्सी के सहारे लटकता हुआ एक किशोरी का शव, शव मिलने से परिजनों तथा ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंची फोरेंसिक टीम व पुलिस ने जांच पड़ताल कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। विदित हो कि घटना बुधवार सुबह 7 बजे की है। जब थाना क्षेत्र के सुदौली गांव में पूजा पुत्री रामहरक उम्र लगभग 18 वर्ष का गांव से बाहर एक आम के पेड़ से रस्सी के सहारे लटकता हुआ शव ग्रामीणों ने देखा। शव देखते ही ग्रामीणों में हड़कंप मच गया, सूचना किशोरी के परिजनों को दी गई। मौके पर पहुंचे परिजनो में शव को देखकर कोहराम मच गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची स्थानीय पुलिस व फॉरेंसिक टीम ने घटना के बारे में कड़ी छानबीन की है, तथा पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। किशोरी के पिता राम हरख ने बताया, कि पुत्री घर में सो रही थी उठकर कब चली गई, इसकी जानकारी नहीं हो पाई है, सुबह ग्रामीणों के द्वारा मुझे घटना की जानकारी प्राप्त हुई है। इस बाबत थाना प्रभारी विजेंद्र शर्मा ने बताया कि घटना की सूचना प्राप्त हुई है, शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की मुझे भेज दिया गया है, आगे की विधिक कार्यवाही की जा रही है।

जिलाधिकारी ने सीडीओ, एडीएम संग देखे कटाव निरोधक कार्य, ग्रामीणों से लिया फीडबैक

● बेहतर कोऑर्डिनेशन, क्विक एक्शन, बेहतर प्रबन्धन से बाढ़ की स्थिति में सुनिश्चित कराई जाएगी आमजन की सुरक्षाः डीएम

लखीमपुर खीरी। बाढ़ प्रबंधन और जन.जीवन की सुरक्षा के दृष्टिगत डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने सीडीओ अभिषेक कुमार, एडीएम संजय सिंह संग बुधवार को तहसील धौरहरा के विभिन्न ग्रामों के बचाव के लिए बाढ़खंड की ओर से निर्मित पूर्णदो कटानरोधी परियोजनाओं का स्थलीय निरीक्षण किया। व्यापक जनहित में जरूरी दिशा.निर्देश दिए। डीएम ने सर्वप्रथम घाघरा नदी के दायें किनारे स्थित ग्राम माथुरपुर एवं कुरतैया की सुरक्षा हेतु कटाव निरोधक कार्य की परियोजना का निरीक्षण किया। डीएम ने सर्वप्रथम नक्शे से पूरी परियोजना समझी। उन्होंने पूरी परियोजना का पैदल भ्रमण कर परियोजना के तहत कराए कार्य, उसकी गुणवत्ता देखी। उन्होंने निर्देश दिए कि जलस्तर बढ़ने पर इसकी नान स्टाप निगरानी की जाए। काम के दौरान विभाग स्थानीय ग्रामीणों से संवाद बनाए रखे, कराए जाने वाले कार्यों की जानकारी दें। मौजूद ग्रामीणों से फीडबैक लिया।

अधिशासी अभियंता बाढ़ खंड अजय कुमार ने बताया कि यह परियोजना 498.52 लाख रुपये की लागत की है। इसका लाभ 02 गांवों के 3000 निवासियों को होगा। इस परियोजना के तहत 780 मीटर लम्बाई में टो.वाल तथा 450 मी. लम्बाई में 05 अदद डैम्पनर तथा बैंक स्लोप पिचिंग के साथ स्लोप पिचिंग के ऊपर मिट्टी डालने का कार्य हुआ।

डीएम ने अफसरों के साथ घाघरा नदी के दायें किनारे स्थित ग्राम समूह नयापुरवा, गोड़ियनपुरवा, रमनगरा, खेसवाही की सुरक्षा हेतु 566ण्42 लाख परियोजना लागत से हुए कटाव निरोधक कार्य को देखा। 800 मीटर लम्बाई में एवं 65 मी. केन्द्रीय अन्तराल की दूरी पर 12 अदद डैम्पनर एवं उनके मध्य में टो.वालए बैंक स्लोप पिचिंग एवं स्लोप पिचिंग के ऊपर मिट्टी डालने का कार्य हुआ। डीएम ने बाढ़ खंड के अफसरो को निर्देशित करते हुए कहा कि बेहतर कोऑर्डिनेशनए क्विक एक्शन और बेहतर प्रबन्धन से बाढ़ की स्थिति में लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित कराई जाए। डीएम ने बाढ़ चौपाल लगाकर स्थानीय निवासियों से संवाद भी किया और पूर्व के वर्षों में आई बाढ़ के संबंध में जानकारी भी प्राप्त की।

बैंकों के असहयोग के चलते प्रधानमंत्री का लखपति दीदी बनाने की योजना होती जा रही है फ्लाप

हमीरपुर। राष्ट्रीय आजीविका मिशन के तहत प्रधानमंत्री योजना समिति में देश में तीन करोड़ दीदियों को लखपति बनाने में हमीरपुर जिले को 16 हजार 880 दीदियों को लखपति बनाने का लक्ष्य प्राप्त हुआ है,इसके लिये ग्रामो में समूहों की बैठके शुरु हो गयी है। चयनित दीदियों को एक लाख रुपये का ऋण दिया जायेगा ताकि कम से कम वह दस हजार रुपये प्रति माह कमा सके। मगर बैंको के असहयोग के चलते यह कार्यक्रम फ्लाप होता जा रहा है। राष्ट्रीय आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के तहत जिले में समूह के रुप में 90 हजार 114 दीदिया काम कर रही है। जिन्हे बैंको से किसी प्रकार ऋण देकर आर्थिक सहयोग किया जा रहा है कुछ धनराशि समूह की दीदिया एकत्र कर लघु उद्योग स्थापित कर परिवार का भरण पोषण कर रही है। जिले में समूह में काम कर रही।

150 करोड़ की ठगी करने वाला नटवरलाल गिरफ्तार

● काफी समय से चल रहा था फरार, प्रयागराज एसटीएफ को मिली सफलता

पत्रकारों से बातचीत करते एसपी एवं पीछे टीम की गिरफ्त में नटवरलाल।

फतेहपुर। जिले के थाना सुल्तानपुर घोष पुलिस ने डेढ़ सौ करोड़ की ठगी करने वाले नटवरलाल को गिरफ्तार किया है। सुल्तानपुर घोष थाना पुलिस और प्रयागराज एसटीएफ की संयुक्त टीम ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए करीब 150 करोड़ रुपये का गबन करने वाले और 25000 रुपये के इनामी वांछित अभियुक्त राजेश मौर्या को कर्मेपुर मोड़, सुल्तानपुर घोष थाना से गिरफ्तार किया गया है।

सुल्तानपुर घोष थाना क्षेत्र के खजुरिया गांव के रहने वाले राजेश मौर्य ने चिटफंड कंपनियों के माध्यम से लोगों को पैसा दोगुना करने का लालच दिया था और करीब डेढ़ सौ करोड़ रुपये आसपास कई जनपदों से इकट्ठा करके अचानक रफू चक्कर हो गया। एसपी ने बताया कि राजेश मौर्य मध्य प्रदेश के इंदौर महानगर के नेहरू नगर में राजा सिंह के नाम से रहता था। उसने अपना हुलिया बदल रखा था। वह सरदार के भेष में रहा करता था, जिससे लोग उसकी पहचान न कर पाए। राजेश मौर्या ने साल 2007 में इंटरमीडिएट की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद मार्केटिंग का काम किया और बाद में एनजीओ के नाम पर लोगों को धोखाधड़ी के जरिए फंसाया। उसने आरकेएम शिक्षण संस्थान नामक एनजीओ रजिस्टर करवा कर लोगों को दो-गुना लाभ का लालच देकर करोड़ों रुपये इकट्ठा किए। उसकी धोखाधड़ी की कहानी उत्तर प्रदेश के अलावा अन्य राज्यों में भी फैली हुई थी। पुलिस को प्रारंभिक जांच में पता चला है कि राजेश मौर्या ने फर्जी दस्तावेजों और रसीदों के माध्यम से लोगों को गुमराह किया और उनसे पैसा हड़प लिया। उसके खिलाफधोखाधड़ी के कई मामले दर्ज हैं और वह लगातार वेश बदलकर अपने ठिकाने बदलता रहता था।

विद्यालयों में पालीथिन के नुकसान के बारे में दी गयी जानकारी

● घर से थैला लाकर सामान लेने के लिये किया प्रेरित

मौदहा हमीरपुर। अंतरराष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्ति दिवस में नगर के समाज सेवी विद्यालयों में बालिकाओं को पॉलिथीन से होने वाले नुकसान की जानकारी देकर उन्हें कागज व कपड़े के बैग प्रयोग करने के लिए जागरूक किया गया। मौदहा तहसील के अंतर्गत राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में प्रधानाचार्य अंजलि प्रिया गौतम, प्रवक्ता दीपिका शर्मा, सुषमा सिंह एवं अन्य शिक्षको के द्वारा पॉलिथीन मुक्ति दिवस पर बच्चों को प्लास्टिक बैग से होने वाले नुकसान से अवगत कराया गया साथ ही कागज के बने थैलों को वितरण किया गया।प्रधानाचार्या ने बताया की आज हम गाय को अपनी माता मानते हैं और गली-गली में पॉलिथीन में भरकर भोजन डालते हैं जिससे वह भोजन के साथ-साथ पॉलिथीन को भी खा जाती हैं जो के बेजुबानो लिए जहर का काम करती है माता कहने वाले लोगों से मेरा आग्रह है की सबसे पहले आवारा बेजुबान जानवरों को पॉलिथीन खिलाने से बचाए एवं पॉलिथीन से होने वाली बीमारियों से भी लोगों को बचाएं पॉलिथीन से बहुत सारी बीमारियां फैलती हैं और उसके बचाव के लिए आज का दिन अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्ति दिवस मनाया जाता है जिसके तहत प्लास्टिक के झोलों का प्रयोग न करके कागज या कपड़े के बने हुए झोलों का प्रयोग करें। वहीं मौदहा कस्बे के समाजसेवक अंजली ज्वैलर्स के प्रोपराइटर महेन्द्र कुमार गौतम ने बाजार में लोगों के बीच जाकर प्लास्टिक बैग के इस्तेमाल को रोकने का प्रयास किया और घर बिना थैला लेकर बाजार करने आये लोगों को जागरूक करते हुए कागज का थैला वितरण किया।

पॉर्न देखने के आदी मौलवी ने मासूम को उतारा था मौत के घाट, बोरे में भरकर कुएं में फेंक दी थी लाश

फतेहपुर। जिले की एसओजी और मलवां थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने 9 वर्षीय बच्चे की हत्या के मामले में बड़ी सफलता हासिल की है। घटना के खुलासे के बाद पुलिस ने अवैध ढंग मदरसा संचालित करने वाले दो (जीजा-साले) आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस अधीक्षक उदय शंकर सिंह ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए बताया कि मलवां थाना क्षेत्र में 30 जून 2024 को दोपहर 2.23 बजे मृतक की मां ने डायल-112 पर सूचना दी थी कि उनका 9 वर्षीय पुत्र 29 जून से लापता था। उसके चप्पल सौरा गांव के तालाब के किनारे मिले हैं। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर तालाब और बगल के कुएं की तलाशी ली जहां बच्चे का शव बोरी में पाया गया। इस घटना के संबंध में थाना मलवां पर मामला दर्ज किया गया था। आज पुलिस ने मदरसे के दो मौलवियों रकीमुद्दीन और दिलनवाज नामक दो आरोपियों को

पत्रकारों से वार्ता करते एसपी एवं पीछे टीम के साथ खड़े अभियुक्त।

गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों के पास से घटना में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल, सेलो टेप और रस्सी का टुकड़ा बरामद किया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी दिलनवाज पॉर्न मूवी देखने का आदी था। बच्चे को अकेला पाकर उसके साथ घिनौनी वारदात को अंजाम दिया और राज खुल न जाए इस डर से उसे मौत के घाट उतार दिया। दोनों आरोपी गांव सौरा में एक मदरसे का संचालन करते थे। नौ साल का मृतक बच्चा भी इसी मदरसे में पढ़ता था। गौरतलब है कि आरोपी दिलनवाज पोर्न वीडियो देखने का आदी था और उसने बच्चे के साथ गलत काम करने का प्रयास किया था, जब बच्चा रोने लगा तो दिलनवाज ने उसका मुंह दबाकर उसे बेहोश कर दिया और बाद में उसके हाथ-पैर बांध दिए, जिससे उसकी दम घुटने से मौत हो गई। एसपी सिंह ने बताया कि मामले में सभी पहलुओं की गहराई से जांच की जा रही है। आगे और भी कार्रवाई की जाएगी।

सीएचसी महिला वार्ड के पास जनरेटर पैनल बोर्ड में लगी आग, मचा हड़कंप

कायमगंज फर्रुखाबाद। सीएचसी के महिला वार्ड के पास वाले जनरेटर के पैनल बोर्ड में आग लग जाने से वहां अफरा तफरी मच गई। आग की लपटें तथा चिनंगारियां निकलती देख स्वास्थ कर्मियों ने अग्निशमन यंत्र से आग पर काबू पाया। तब जाकर मरीजों तीमारदारों तथा अस्पताल स्टाफने राहत की सांस ली। सरकारी अस्पताल के महिला वार्ड के पास लगे जनरेटर के पैनल बोर्ड में अचानक लगी आग केबिल तक पहुंच गई। जिसे देखते ही हडकंप मच गया। चीखपुकार सुनकर स्वास्थ कर्मी मौके पर पहुंचे। उन्होंने वहां रखे अग्निशमन यंत्र को चलाकर आग पर काबू पाया। साथ ही बिजली आपूर्ति बंद करवाई। लाइनमैन मौके पर पहुंचा और केबिल को सही किया। इसके बाद आपूर्ति बहाल कर दी गई। तीमारदारों का कहना है कि सही समय पर आग पर काबू पा लिया गया। नहीं तो किसी बड़ी अनहोनी से इनकार नहीं किया जा सकता है।

क्विक न्यूज

मार्ग दुर्घटना में भाजपा नेता के भतीजे की मौत

फर्रुखाबाद। बाइकों की भिंडत में भाजपा नेता का भतीजा गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे उपचार के लिए लोहिया अस्पताल लाया गया जहाँ उसे मृत घोषित कर दिया गया। मृतक की बहन की एक सप्ताह बाद शादी है। राजेपुर थाना क्षेत्र के ग्राम कनवा बहादुरपुर निवासी 20 वर्षीय आदेश राजपूत पुत्र सुभाष दिल्ली में सिलाई का काम करता था। दस दिन पहले ही घर आया था। परिवार में चाचा विवेक और ब्रजेश की बेटी की शादी होनी है। उसकी तैयारी चल रही है। अपनी सगी बहन बबली को बुलाने थाना मिर्जापुर के बिचौला उसके ससुराल जा रहा था। बदायूं मार्ग पर जरियनपुर के पास बाइक से भिडंत हो गई। पुलिस ने दोनों घायल बाइक सबारों को सीएचसी जरीयनपुर भेजा। आदेश की हालत गंभीर होनें पर उसे लोहिया अस्पताल रिफर कर दिया गया। जहाँ ईएमओ डा. अभिषेक चतुर्वेदी नें उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के पिता सुभाष ने बताया की आदेश उनकी दूसरी पत्नी मुन्नी देवी का इकलौता पुत्र था।इससे छोटी एक बेटी पम्मी है। पहली पत्नी से एक बेटा और दो बेटियां है। मृतक भाजपा नेता सुरेश राजपूत का भतीजा था।

ट्रक से टकराया ट्रक, चालक की मौत

फतेहपुर। ललौली थाना क्षेत्र के दतौली गांव के समीप खड़े ट्रक से ट्रक की हुई भिड़ंत में ट्रक चालक की मौके पर मौत हो गई। वहीं खलासी गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर घायल को इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया जहां डॉक्टर उसका इलाज कर रहे है। बांदा जनपद के तिंदवारी थाना क्षेत्र के बेंदा गांव निवासी चंद्रभान सिंह का 35 वर्षीय पुत्र सुशीला प्रताप सिंह ट्रक चालक था। उसकी ट्रक में छतरपुर जनपद के लवकुश थानां क्षेत्र के देवरहा गांव निवासी देवी सिंह का 25 वर्षीय पुत्र प्रीतम सिंह ट्रक में खलासी है। आज वह ट्रक से ललौली थाने के दतौली की तरफजा रहा था। तभी थाना क्षेत्र के दतौली गांव के समीप खड़े ट्रक में उसकी ट्रक कटरा गई। चालक सुशीला प्रताप सिंह की मौके पर मौत हो गई वही खलासी प्रीतम सिंह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को सरकारी 108 एंबुलेंस से इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजते हुए मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं घायल के जिला अस्पताल पहुंचते ही ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर उसका इलाज कर रहे थे। तभी हादसे की सूचना पर पहुंचे घायल के परिजन उसको शहर के किसी प्राइवेट अस्पताल में इलाज कराने लेकर चले गए।

मंदिर की छत से गिरकर युवक की मौत

फतेहपुर। जिला अस्पताल में एक गंभीर रूप से घायल युवक को इलाज के लिए लाया गया। जो मंदिर की छत पर चढ़कर तार हटाते समय नीचे गिरकर गम्भीर रूप से घायल हो गया था। उसे डॉक्टर ने जाँच के उपरांत मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार बाँदा जनपद के मरका थाना क्षेत्र के बाकल गांव निवासी शिव बोधन का 35 वर्षीय पुत्र पंकज औगासी स्थित जोगनी माता के मंदिर के ट्रस्टी का पुत्र था। वह आज मन्दिर में निर्माण कार्य को देखने गया था। तभी मंदिर के ऊपर चढ़कर तार हटाते समय 20 फिट ऊपर से नीचे गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे की जानकारी उसके परिजनों को हुई तो तुरन्त उसको इलाज के लिए जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टरों ने जाँच के उपरांत उसे मृत घोषित कर दिया। साथ आये मृतक के परिजन शव अपने साथ लेकर चले गए।

करंट की चपेट में आकर अधेड़ समेत दो की मौत

फतेहपुर। किशनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम रामपुर में मंगलवार की शाम हैंडपाइप में पानी भरते समय करंट की चपेट में आ जाने से 50 वर्षीय अधेड़ की मौके पर ही मौत हो गई वहीं धाता थाना क्षेत्र के गोकुलपुर में नलकूप स्टार्ट करते समय करंट लगने से 38 वर्षीय युवक की जान चली गई। जानकारी के अनुसार रामपुर गांव निवासी स्व. रामदत्त अग्निहोत्री का पुत्र हरिदत्त अग्निहोत्री मंगलवार की शाम लगभग साढ़े पांच बजे घर में लगे हैंडपाइप में पानी भरने के लिए जैसे ही गया तभी वह करंट की चपेट में आ गया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं गोकुलपुर गांव निवासी जगजीत सिंह का पुत्र अनिल सिंह गांव के बाहर स्थित निजी नलकूप को स्टार्ट करने के लिए गया तभी वह करंट की चपेट में आ गया। जिससे उसकी घटनास्थल पर मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर विच्छेदन गृह भेज दिया।

राज्यमंत्री ने निजी शीतगृहों का किया निरीक्षण

फतेहपुर। उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार तथा कृषि निर्यात उप्र के राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार दिनेश प्रताप सिंह ने जनपद में स्थापित निजी शीतगृहों मे0 दुर्गा एंड संस एम्पायर प्राइवेट लिमिटेड अहमदपुर, मे0 रस्तोगी आईस एंड कोल्ड स्टोरेज माहपुर पक्का तालाब, मे0 फतेहपुर कोल्ड स्टोरेज अल्लीपुर जीटी रोड एवं मे0 रामरजी आइस एंड कोल्ड स्टोरेज प्राइवेट लिमिटेड सौरा मलवां का औचक निरीक्षण किया।

पिता के साथ मारपीट पुलिस से शिकायत

राठ। कस्बे के सिकंदरपुरा मोहल्ला निवासी हेमंत विश्वकर्मा पुत्र मानसिंह ने बताया कि मंगलवार को वह व उसके पिता घर पर थे। तभी बच्चों के विवाद में कुछ लोग उसके घर पर आए और उसे व उसके पिता के साथ मारपीट कर दी। डायल 112 पुलिस तो वह राजीनामा के लिए तैयार हो गए। बुधवार की सुबह व लोग उसके घर गए तो उसकी बाइक छीन ली। गाली गलौज करने के बाद मारा-पीटा। कोतवाली में तहरीर देकर कार्रवाई करने की गुहार लगाई है।

हंसिया मारकर घायल किया

राठ (हमीरपुर)। चिकासी थाने के इछौरा गांव निवासी रामकिशोर पुत्र वासुदेव राजपूत ने बताया कि मंगलवार की सुबह आठ बजे पड़ोस का राजेश पुत्र स्वराज राजपूत की बकरियां उसके दरवाजे पर आईं तो भगाते हुए शिकायत की। राजेश व उसका बड़ा भाई दृगपाल हाथ हंसिया लेकर घर में घुस आए। बताया हंसिए से बार घायल कर दिया। जिससे उसके बाएं पैर में चोट आईं हैं।

संस्था तीन माह में पॉच सौ एक पौधे रोपित करेगीः डा. सुधीर दीक्षित

गुरसहायगंज (कन्नौज)। समाजसेवा में अग्रणी संस्था भारत विकास परिषद के पदाधिकारियों नें प्रकृति संरक्षण और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए व्यापक वृक्षारोपण अभियान की शुरुआत की है। इस दौरान प्रांतीय उपाध्यक्ष डा. सुधीर दीक्षित ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य लोगों को पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूक कर अधिक से अधिक पेड़ लगाने और हरीतिमा को बढ़ावा देना है।

बुधवार को भारत विकास परिषद के प्रांतीय उपाध्यक्ष डॉ. सुधीर दीक्षित ने विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपित करनें के उपरान्त बताया कि भारत विकास परिषद एवं दीक्षित नेत्र चिकित्सालय द्वारा अगले तीन महीनों में जन सहभागिता से पांच सौ एक पौधे आसपास के क्षेत्र में प्रमुखता से रोपित किये जायेंगे। फलों के पेड़, छायादार वृक्ष और औषधीय पौधों को रोपित किया जाएगा साथ ही साथ पौधों की उचित देखरेख और संरक्षण

पौधे रोपित करते भारत विकास परिषद पदाधिकारी।

के लिए विशेष निगरानी की जाएगी। इस दौरान उन्होनें कहा यह अभियान हमारे पर्यावरण को संरक्षित करने और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक हरित भविष्य सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हम सभी को मिलकर इस अभियान को सफल बनाना है। इस अवसर पर नगर अध्यक्ष अतुल गुप्ता, सचिव अजीत मिश्रा, कोषाध्यक्ष अमित गुप्ता, शाखा उपाध्यक्ष गगन मनीष, प्रांतीय संयोजक ललित मोहन, श्याम सिंह, गजेंद्र मिश्रा, सीटू मिश्रा द्वारा इक्कीस इक्कीस पौधे लगाये।

रोडवेज और निजी बसों की सीधी हुई भिड़ंत दो यात्रियों की मौत, दर्जन भर घायल

संवाददाता। संडीला (हरदोई)

एक प्राइवेट तथा रोडवेज़ बस में हुई आमने सामने की टक्कर में प्राइवेट बस सड़क के किनारे पलट गयी। इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गयी जबकि दर्जन भर लोग घायल हो गएए जिनमें से आधा दर्जन से अधिक लोगों को जिला चिकित्सालय भेजा गया है। मंगलवार की रात यह हादसा हरदोई लखनऊ रोड पर ग्राम रईसों के पास हुआ।

हरदोई की ओर से आती हुई रोडवेज़ बस लखनऊ की ओर से हरदोई जा रही बस से सीधी टक्कर हो गयी। इस भीषण टक्कर से प्राइवेट बस सड़क के किनारे पलट गयी। बस के पलटते ही चीख पुकार मच गयी। इस हादसे की जानकारी होते ही आसपास के लोग बड़ी संख्या में पहुंचे और बस के नीचे दबे हुए लोगों को

घायलों को बस से निकालते लोग

निकालने का प्रयास शुरू कर दिया। इस मामले की सूचना पुलिस को भी दी गयी। पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और बस के नीचे दबे घायलों को बाहर निकालकर उन्हें सीएचसी पहुंचाया।

यहां पतसेनी निवासी श्री कृष्ण पुत्र रूपलाल तथा बघौली निवासी शैलेन्द्र पुत्र रामलखन की मौत हो गयी। इस हादसे में घायल अवधेश कुमार त्रिपाठी पुत्र देवीनारायण त्रिपाठी निवासी ग्राम महरीए छोटेलाल पुत्र सरदार निवासी चांद बेहटा हरदोई, मो. सुलतान पुत्र मो. सलाम निवासी इस्लाम नगर कछौना, सुधीर गुप्ता पुत्र सत्यनारायन गुप्ता निवासी ग्राम हेवली समेत दर्जनभर लोग घायल हो गए।

इनमें से छोटेलाल, अशोक कुमार त्रिपाठी, मो. सुलतान तथा सुधीर गुप्ता को उनकी गंभीर हालत को देखते हुए जिला चिकित्सालय भेजा गया जबकि शेष का इलाज कछौना के ही अस्पतालों में चल रहा है। पुलिस ने दोनों मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर उन्हें पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

पर्यावरण सुरक्षा अभियान का सपाईयों ने किया शुभारंभ

संडीला (हरदोई)। समाजवादी पार्टी के नेताओं ने क्षेत्र में लोगों को पर्यावरण सुरक्षा के प्रति जागरूक करने तथा क्षेत्र के विद्यालयों में वृक्षारोपण अभियान शुरू किया है। वरिष्ठ सपा नेता अभिषेक दीक्षित एडवोकेट के नेतृत्व में शुरू हुए इस कार्यक्रम में सर्वप्रथम प्राथमिक विद्यालय महमूदपुर में सपा कार्यकर्ताओं ने बरगदए नीमए पाकर और आम के पौधों के रोकने का सिलसिला शुरू किया। इस अभियान के संबंध में श्री दीक्षित ने बताया कि सपा मुखिया अखिलेश यादव के जन्मदिन के उपलक्ष में सपाईयों ने क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण और हरियाली को बढ़ाने का संकल्प लिया है। उन्होंनें बताया कि इस कार्यक्रम में विद्यालयों के शिक्षकों के संपर्क कर बच्चों को भी पर्यावरण के प्रति जागरूक करने का अभियान चलेगा। उन्होंनें बताया कि पर्यावरण की सुरक्षा एक वैश्विक जिम्मेदारी है क्योंकि वृक्षों की अंधाधुंध कटाई के कारण पर्यावरण को गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है और आगामी पीढ़ी को इसके

विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण करते अभिषेक दीक्षित

प्रति जागरूक करने की अत्यधिक आवश्यकता है। उन्होंनें बताया कि सपा मुखिया अखिलेश यादव का प्रकृति प्रेम जग जाहिर है। उनके पिता पूर्व मुख्यमंत्री स्व0 मुलायम सिंह यादव ने भी प्रदेश में वन क्षेत्र के विस्तार औश्र पशु पक्षियों के लिए अभ्यारण्यों की स्थापना की थी। समस्त सपा कार्यकर्ता इस अभियान को आगे बढ़ाने में अपना योगदान करेंगे। इस अवसर पर वरिष्ठ सपा नेता वसीम वारसीए अनुपम अग्निहोत्रीए मनीश गौतमए अमन मिश्राए श्री राम अग्निहोत्री आदि मौजूद थे।

खीरी में भव्यता से मना अंतरराष्ट्रीय प्लास्टिक बैग उन्मूलन दिवस

● डीएम की अपील, जूट की थैली लेकर जाएं बाजार, प्लास्टिक बैग से रहें दूर ● खीरी करेगा सिंगल यूज प्लास्टिक का बहिष्कार, डीएम ने दिलाया कपड़े के थैले के उपयोग को बढ़ावा देने का संकल्प

संवाददाता। लखीमपुर खीरी

नगर पालिका परिषद लखीमपुर के तत्वावधान में डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल के अध्यक्षता में बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में अंतरराष्ट्रीय प्लास्टिक बैग उन्मूलन दिवस भव्यता से मनाया गया। बैठक का संचालन, संयोजन ईओ नगरपालिका परिषद संजय कुमार ने किया। डीएम ने कहा कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्लास्टिक बैग्स के उपयोग को समाप्त करना और स्थायी, पर्यावरण अनुकूल विकल्पों को बढ़ावा देना है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि हम सभी की जिम्मेदारी है कि हम अपने पर्यावरण की सुरक्षा के लिए योगदान दें।

डीएम ने कहा कि सरकार ने सिंगल यूज प्लास्टिक पर रोक लगाई है। इसको जमीन पर उतारने के लिए सभी को सहयोग करना होगा। प्रकृति में सभी चीजों की रिसाइकिलिंग होती है। लोग प्लास्टिक का प्रयोग कर प्रकृति की रिसाइकिलिंग व्यवस्था पर व्यवधान न डालें। इधर.उधर फेंकने से मिट्टी में मिल जाता है। प्लास्टिक कचरे को गाय, अन्य जानवर, मछलियां व दूसरे जलीय जीवों खाते हैंए जिसका दुष्प्रभाव मनुष्यों तक भी पहुंचता है। डीएम ने अपील की कि जूट की थैली लेकर जाएं बाजार, प्लास्टिक बैग से रहें दूर। ईओ संजय कुमार सिंह ने बताया कि प्लास्टिक से तात्कालिक जीवन आसान होता हैए लेकिन दीर्धकालिक तौर पर यह धरती पर जीवों के अस्तित्व के लिए खतरा का कारण बन चुका है। पर्यावरण को बचाने के लिए सिंगल यूज प्लास्टिक को अब सभी अपने दैनिक जीवन से निकाल दें और प्लास्टिक के विकल्पों का प्रयोग करें। अपर पुलिस अधीक्षक पवन गौतम, डीएसओ अंजनी कुमार सिंह, एडीआईओ नरेंद्र कुमारए विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं के पदाधिकारी, पर्यावरणप्रेमी, सभासद, बड़ी संख्या में आमजन मौजूद रहे।

डीएम की आमजन से अपील कम से कम एक या दो पौधे अवश्य लगाएं

बुधवार को डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने कलेक्ट्रेट में पेड़ लगाकर सभी को पेड़ो के योगदान को पहचानेए इस दिशा में जितना हो सके उतना योगदान करने को प्रेरित किया। डीएम ने अपील की है कि इस वर्षाकाल में अपने घर.आंगन में कम से कम एक या दो फलदार पौधों का रोपण अवश्य करें। जिले में अधिक से अधिक पौध रोपित कर इनका सिंचन व सतत देखभाल भी करें।

खीरी करेगा सिंगल यूज प्लास्टिक का बहिष्कार

कार्यक्रम में मौजूद लोगों को डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने शपथ दिलाई कि किसी दुकानदार से या किसी अन्य से प्लास्टिक के बैग या थैली की मांग नही करने, खाने के लिए पुनः उपयोग में लाई जा सकने वाली क्राकरी का ही उपयोग करूंगा एवं सिंगल उपयोग के प्लास्टिक सहित अन्य कचरे आदि को नही फेंकूंगा और न ही किसी अन्य को फेंकने दूंगा। अपने समाज, घर, विद्यालय, कार्यक्रम स्थल पर किसी भी उत्सव/कार्यक्रम के दौरान प्लास्टिक के बर्तनों जैसे प्लेट, चम्मच, गिलास आदि का बहिष्कार करूंगा व ऐसे उत्सव/कार्यक्रम आदि में पुनः उपयोग की जा सकने वाली क्राकरी के उपयोग को बढ़ावा दूंगा। डीएम ने शपथ दिलाई कि मैं सप्ताह में एक दिन कम से कम 10 लोगों को प्लास्टिक प्रदूषण की जानकारी दूंगा व उनको भी सिंगल यूज प्लास्टिक के बहिष्कार एवं कपड़े के थैले के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित करूंगा।

उपदेशक 'भोले बाबा' खुद को बताते हैं भगवान

हाथरस भगदड़

भाषा। कासगंज

स्वयं को भगवान के बराबर बताने वाले विवादास्पद उपदेशक भोले बाबा के अनुयायियों की संख्या लाखों में है और हाथरस में हुई घटना को लेकर आसपास के क्षेत्रों में मातम का माहौल है। भोले बाबा का सबसे बड़ा आश्रम उत्तर प्रदेश के मैनपुरी में बताया जाता है। स्वयंभू बाबा ने अपना नाम बाबा नारायण हरि और साकार विश्व हरि भोले बाबा रखा हुआ है। उसका नाम घटना के बारे में दर्ज प्राथमिकी में आरोपियों की सूची में नहीं है, हालांकि शिकायत में उसका नाम है। धार्मिक उपदेशक भोले बाबा ने दो दशक पहले पुलिस की नौकरी छोड़ दी थी। उसके कई आश्रम हैं। इनमें सबसे बड़ा आश्रम मैनपुरी में है जिसके बाहर बुधवार को पुलिस ने घेरा डाल दिया। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि बाबा आश्रम के अंदर है या नहीं। वह अपने उपदेशों वाले एक वीडियो में खुद को भगवान का अवतार बताता नजर आता है। इसमें वह यह कहते हुए दिखता है, मैं मंदिरों, गुरुद्वारों, मस्जिदों और गिरजाघरों में जाता हूं। मुझे जहां बुलाया जाता है, मैं पहुंच जाता हूं। और अगर मुझे नहीं बुलाया जाता तो मैं नहीं जाता। भोले बाबा ने बुधवार को एक संक्षिप्त बयान में हाथरस में मंगलवार को भगदड़ की घटना में 121 लोगों के मारे जाने पर शोक व्यक्त किया और दावा किया कि उसके सत्संग छोड़ने के बाद हुई भगदड़ के पीछे असामाजिक तत्व जिम्मेदार हैं। उसने आगे की कानूनी कार्वाई के लिए उच्चतम न्यायालय के एक वकील को नामित किया। आगरा में उसके दो आगामी समागम अब अधिकारियों द्वारा रद्द कर दिए गए हैं।

दूसरी ओर कासगंज जिले की पटियाली तहसील में स्थित नारायण हरि उर्फ साकार विश्व हरि भोले बाबा के पैतृक गांव बहादुरनगर के लोगों ने बुधवार को इस प्रवचनकर्ता की सराहना की। नारायण हरि भोले बाबा हाथरस के

● पुश्तैनी गांव के लोगों ने धार्मिक शिक्षा के लिए की भोले बाबा की सराहना

सिकन्दराराऊ में मंगलवार को एक सत्संग के बाद मची भगदड़ में 121 लोगों की मौत की घटना के बाद से खासी चर्चा में हैं। नारायण हरि पुलिस की नौकरी छोड़कर धार्मिक उपदेशक बन गए। धीरे-धीरे लोग उनके विचारों से जुड़ते गए और उनके सत्संग में भीड़ जुटने लगी।

स्थानीय लोगों के मुताबिक, भोले बाबा पहले अपने गांव में ही सत्संग करते थे लेकिन बाद में वहां काफी भीड़ होने लगी, इसलिए उन्होंने गांव में सत्संग बंद कर दिया। उनके अनुयायियों का दावा है कि बाबा अपने भक्तों से किसी तरह का दान या चढ़ावा नहीं मांगते। पीटीआई-वीडियो से बातचीत में जब लोगों से पूछा गया कि बाबा ने बिना दान-दक्षिणा के कासगंज में इतना भव्य धाम कैसे बनाया, तो लोगों ने कहा कि यह भक्तों का दान है और बाबा ने उनसे कुछ मांगा नहीं था। महिलाओं का कहना है कि बाबा का आचरण बहुत अच्छा है और वह सिर्फ भगवान के बारे में ही बातें करते हैं। आश्रम के पास रहने वाले धन सिंह, मोहित कुमार और गांव के जय कुमार ने भी बाबा की प्रशंसा की और कहा कि वे और बड़ी संख्या में अन्य लोग अक्सर बाबा के सत्संग में जाते हैं।

स्थानीय लोगों ने बताया कि बाबा की उम्र 60 साल से अधिक है और उनकी कोई संतान नहीं है। उन्होंने बताया कि बाबा ने एक लड़की को गोद लिया था, जिसकी मृत्यु करीब 16-17 साल पहले हो गई थी तथा बाबा ने दो दिन तक उसके शव को घर पर रखा था, क्योंकि उन्हें उम्मीद थी कि वह जीवित हो जाएगी। स्थानीय लोगों के मुताबिक, पुलिस के हस्तक्षेप के बाद उन्होंने लड़की का अंतिम संस्कार किया था। बाबा के बारे में कहा जा रहा है कि वह इस वक्त मैनपुरी के बिछवां स्थित अपने एक आश्रम में हैं। मैनपुरी स्थित आश्रम के बाहर सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए गए हैं। मैनपुरी से प्राप्त रिपोर्ट के मुताबिक, भगदड़ कांड के बाद मैनपुरी के बिछवां कस्बे में स्थित भोले बाबा के आश्रम के बाहर कड़ा सुरक्षा घेरा बनाया गया है। आश्रम के बाहर कई थानों की पुलिस मौजूद है और आश्रम के अंदर मीडिया सहित किसी को भी दाखिल होने की इजाजत नहीं दी जा रही है। पुलिस क्षेत्राधिकारी सुनील कुमार सिंह ने बताया कि हाथरस में भगदड़ कांड के बाद से बिछवां स्थित भोले बाबा के आश्रम में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। इस सवाल पर कि क्या बाबा आश्रम में मौजूद हैं, सिंह ने कोई जवाब नहीं दिया। हालांकि खुफिया विभाग के एक अधिकारी ने नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर बताया कि भोले बाबा आश्रम के अंदर हैं और उनकी सुरक्षा के लिए बड़े पैमाने पर पुलिस बल तैनात किया गया है। हाथरस के फुलरई गांव में विश्वहरि भोले बाबा द्वारा आयोजित सत्संग के दौरान मंगलवार को मची भगदड़ में 121 लोगों की हो गई है।

अंतरधार्मिक विवाह पर उत्तराखंड के न्यायाधीश को निर्देश पता करें क्या महिला पति के साथ जाना चाहती है

नई दिल्ली (भाषा)। एक महिला को दूसरे धर्म के अनुयाई उसके पति के बजाय माता-पिता के साथ रहने की अनुमति देने के छह साल से अधिक समय बाद, उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को एक व्यक्ति की ताजा याचिका पर संज्ञान लिया जिसमें उसने मांग की है कि उसकी पत्नी को उसके अभिभावकों के कब्जे से मुक्त किया जाए। न्यायालय ने सत्र न्यायाधीश से यह पता लगाने को कहा कि क्या वह अब पति के साथ रहना चाहती है।

अंतरधार्मिक विवाह को लेकर विवाद 2018 में शीर्ष अदालत पहुंचा था, जब याचिकाकर्ता मोहम्मद दानिश ने अपनी पत्नी को उसके माता-पिता के संरक्षण से मुक्त करने के निर्देश के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया था। उस समय उसकी पत्नी की उम्र 20 वर्ष थी।

तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश दीपक मिश्रा की अध्यक्षता वाली पीठ ने 17 मई, 2018 को महिला को उसके माता-पिता के पास वापस जाने की अनुमति दी थी, जिन्होंने दावा किया था कि दानिश द्वारा प्रस्तुत निकाहनामा फर्जी था और उसने उनकी बेटी का अपहरण कर लिया था। महिला से बातचीत करने के बाद न्यायाधीशों ने उसे उसके माता-पिता के साथ रहने की अनुमति दे दी थी और कहा था कि वयस्क होने के नाते वह अपनी इच्छा के अनुसार जीवन जीने के लिए स्वतंत्र है। महिला ने तब उत्तराखंड के हल्द्वानी जिले में अपने माता-पिता के साथ जाने की इच्छा जताई थी। शीर्ष अदालत ने दानिश द्वारा अपनी पत्नी को पेश करने के लिए दायर बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका का निपटारा कर दिया था, लेकिन उनकी शादी और निकाहनामे के पहलू पर कोई चर्चा नहीं की थी। पीठ ने कहा था, हमने कुछ पूछताछ की, जिसके बाद हमें पता चला कि उसका दिमाग ठीक है और वह अपने माता-पिता के साथ रहना चाहती है। उपरोक्त बातों को ध्यान में रखते हुए, याचिकाकर्ता द्वारा दायर बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका निस्तारित की जाती है। बुधवार को न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की अवकाश पीठ ने दानिश द्वारा दायर नई याचिका पर संज्ञान लिया, जिसमें दावा किया गया था कि उसकी पत्नी अब उसके पास वापस आना चाहती है।

तीन नए आपराधिक कानूनों के हिंदी और संस्कृत के शीर्षकों के खिलाफ उच्च न्यायालय में याचिका

चेन्नई (भाषा)। मद्रास उच्च न्यायालय ने बुधवार को केंद्र सरकार को उस याचिका पर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया, जिसमें एक जुलाई से लागू हुए तीन नए आपराधिक कानूनों के लिए केंद्र द्वारा हिंदी और संस्कृत भाषा में नामकरण को संविधान के प्रावधानों के विरुद्ध घोषित करने का अनुरोध किया गया है। ए तीन अधिनियम हैं - भारतीय न्याय संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश आर. महादेवन और न्यायमूर्ति मोहम्मद शफीक की खंडपीठ ने अधिवक्ता बी. रामकुमार आदित्यन द्वारा दायर जनहित याचिका पर आगे की सुनवाई 23 जुलाई तक के लिए स्थगित कर दी। याचिका में केंद्र सरकार को तीन नए आपराधिक कानूनों के लिए अंग्रेजी में नामकरण करने के लिए उचित कदम उठाने का निर्देश देने का भी अनुरोध किया गया है। अपनी जनहित याचिका में आदित्यन ने कहा कि केंद्र सरकार ने तीनों कानूनों के शीर्षक हिंदी और संस्कृत भाषा में दिए हैं। उन्होंने कहा कि देश में 28 राज्य और 8 केंद्र शासित प्रदेश हैं और इनमें से केवल 9 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों की आधिकारिक भाषा हिंदी है। उन्होंने कहा कि भारत की कुल आबादी के लगभग 43.63 प्रतिशत लोगों की ही मातृभाषा हिंदी है। आदित्यन ने कहा कि केंद्र सरकार ने हालांकि इन महत्वपूर्ण विधेयकों के नाम हिंदी और संस्कृत भाषा में दिए हैं।

जयपुर में बारिश के बाद सामान्य जनजीवन प्रभावित

भाषा। जयपुर

राजस्थान की राजधानी जयपुर में बुधवार को शाम को झमाझम बारिश हुई जिससे सामान्य जीवन प्रभावित हुआ। मौसम विभाग के मुताबिक पूर्वी राजस्थान के कुछ हिस्सों में आने वाले दिनों में बारिश की गतिविधियों में बढ़ोतरी होने की संभावना है। जयपुर मौसम केंद्र के अनुसार आगामी दो-तीन दिन जयपुर, भरतपुर, कोटा व उदयपुर संभाग के कुछ भागों में मेघ गर्जन के साथ मध्यम से कहीं-कहीं तेज दर्ज की बारिश होने की संभावना है। इस दौरान जयपुर, भरतपुर व कोटा संभाग में एक दो स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है। राजधानी जयपुर में बुधवार शाम को मौसम पलटा और मेघ गर्जन के साथ तेज बारिश हुई जिससे सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ। राजधानी के कई इलाकों में सड़कों पर पानी भर गया और यातायात जाम की स्थिति रही। सड़कों पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। कई इलाकों से जलभराव की शिकायतें भी मिली है।

जयपुर हवाई अड्डे पर रात साढ़े आठ बजे तक 10.7 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। राजधानी में शाम को करीब एक घंटे तक तेज बारिश हुई। राजधानी की जेएलएन रोड, टोंक रोड, सीकर रोड और शहर के अन्य इलाकों में सड़कों पर पानी भराव के साथ जाम की स्थिति बनी रही। मालवीय नगर अंडरपास और अर्जुन नगर अंडरपास सहित शहर के कुछ अंडरपास में बारिश का पानी जमा हो गया और वाहनों की आवाजाही बहाल करने में कुछ समय लगा। इस बीच, मौसम विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि आगामी दिनों में पूर्वी राजस्थान के कुछ हिस्सों में बारिश होने की संभावना है। जयपुर मौसम केंद्र के अनुसार अगले दो-तीन दिन में जयपुर, भरतपुर, कोटा और उदयपुर संभाग के कुछ हिस्सों में मध्यम से भारी बारिश होने की संभावना है। इस दौरान जयपुर, भरतपुर और कोटा संभाग में एक-दो स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है। केंद्र के अनुसार बुधवार सुबह से शाम साढ़े पांच बजे तक अलवर में 32 मिमी, करौली में 12 मिमी और संगरिया में 0.5 मिमी बारिश दर्ज की गई। श्रीगंगानगर में बुधवार को अधिकतम तापमान 44.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो राज्य का सबसे गर्म स्थान रहा। बीकानेर में अधिकतम तापमान 42.6 डिग्री, संगरिया में 42.3 डिग्री, फतेहपुर में 42 डिग्री, जैसलमेर में 41 डिग्री, फलोदी में 40.4 डिग्री, चूरू में 40.1 डिग्री, बाड़मेर में 40 डिग्री, पिलानी में 39.3 डिग्री, सीकर में 39 डिग्री, जोधपुर में 38.9 डिग्री तथा राज्य के अन्य प्रमुख स्थानों पर 37.8 डिग्री सेल्सियस से 31.1 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया।

असम में बाढ़ की स्थिति गंभीर, 11.5 लाख से अधिक प्रभावित

गुवाहाटी (भाषा)। असम में भीषण बाढ़ का संकट जारी है और ब्रह्मपुत्र तथा उसकी सहायक नदियों समेत प्रमुख नदियों का पानी खतरे के निशान के ऊपर बहने के कारण 23 जिलों में 11.50 लाख लोग प्रभावित हैं। एक आधिकारिक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। राज्य में इस साल बाढ़, भूस्खलन और तूफान की घटनाओं में जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर 48 हो गई है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को तटबंध टूटने के बाद गोलाघाट जिले का दौरा किया, बाढ़ ग्रस्त इलाकों का निरीक्षण किया और पीड़ित लोगों से मुलाकात की। उन्होंने बाढ़ के संकट से जूझ रहे लोगों के राहत व पुनर्वास के लिए अधिकारियों के साथ बैठकें कीं। शर्मा का विभिन्न जिलों में बाढ़ की स्थिति की समीक्षा करने के लिए बुधवार को मंत्रिमंडल की बैठक करने का कार्यक्रम है। बाढ़ के कारण बारपेटा, विश्वनाथ, कछार, चराईदेव, चिरांग, दारांग, धेमाजी, डिब्रूगढ़, गोलाघाट, जोरहाट, कामरूप मेट्रोपोलिटन, कार्बी आंगलोंग, करीमगंज, लखीमपुर, माजुली, मोरीगांव, नगांव, नलबाड़ी, शिवसागर, सोनितपुर, तमुलपुर, तिनसुकिया और उदालगुड़ी जिले प्रभावित हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि लखीमपुर में सबसे ज्यादा 1.65 लाख से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में भी बाढ़ की स्थिति गंभीर है जहां जंगल का एक बड़ा हिस्सा जलमग्न हो गया है तथा गैंडे का एक बच्चा बाढ़ के पानी में डूब गया। मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय उद्यान में स्थिति की भी समीक्षा की और प्राधिकारियों को राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहनों की आवाजाही को नियंत्रित करने समेत पर्याप्त ऐहतियात बरतने का निर्देश दिया।

जमानत अवधि दो महीने सीमित करने का उच्च न्यायालय का आदेश गलत : उच्चतम न्यायालय

नई दिल्ली (भाषा)। उच्चतम न्यायालय ने उड़ीसा उच्च न्यायालय के उस आदेश को त्रुटिपूर्ण करार दिया है जिसमें स्वापक औषधि और मन:प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत दर्ज एक मामले में आरोपी को दी गई जमानत की अवधि दो महीने के लिए सीमित कर दी गई थी। पीठ ने शीर्ष अदालत द्वारा पूर्व में पारित एक फैसले का हवाला देते हुए कहा कि यह अब पूरी तरह से स्थापित हो चुका है कि त्वरित सुनवाई के अधिकार को संविधान द्वारा प्रदत्त मौलिक अधिकार के रूप में मान्यता दी गई है तथा यह जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार से निकटता से जुड़ा हुआ है। न्यायमूर्ति जे. बी. पारदीवाला और उज्ज्वल भुइयां की अवकाशकालीन पीठ ने उल्लेख किया कि याचिकाकर्ता ने उच्च न्यायालय में एक जमानत अर्जी दायर की थी तथा अदालत ने इस तथ्य पर गौर किया कि याचिकाकर्ता 11 मई 2022 से हिरासत में है और अब तक केवल एक गवाह से जिरह हुई है। पीठ ने कहा, इन परिस्थितियों में, उच्च न्यायालय ने याचिकाकर्ता को जमानत पर रिहा करने का आदेश देना उचित समझा, लेकिन केवल दो महीने की अवधि के लिए। शीर्ष अदालत ने एक जुलाई के आदेश में कहा, हमारे विचार से, यह एक त्रुटिपूर्ण आदेश है। यदि उच्च न्यायालय का मानना था कि याचिकाकर्ता के त्वरित सुनवाई के अधिकार का हनन हुआ होगा, तो उच्च न्यायालय को मुकदमे के निस्तारण तक याचिकाकर्ता को जमानत पर रिहा करने का आदेश देना चाहिए था। पीठ ने कहा कि उच्च न्यायालय के पास जमानत की अवधि सीमित करने का कोई उचित कारण नहीं था। याचिकाकर्ता द्वारा दायर याचिका पर नोटिस जारी करते हुए पीठ ने निर्देश दिया कि वह शीर्ष अदालत के अगले आदेश तक जमानत पर रहेंगे। उच्च न्यायालय के छह मई के आदेश को याचिकाकर्ता द्वारा चुनौती देने वाली याचिका पर शीर्ष अदालत सुनवाई कर रही थी।

निर्वाचन आयोग ने चुनावी खर्च में विसंगति को लेकर इंजीनियर रशीद को भेजा नोटिस

श्रीनगर (भाषा)। निर्वाचन आयोग ने नवनिर्वाचित सांसद शेख अब्दुल रशीद को जम्मू कश्मीर में बारामूला लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए उनके चुनावी खर्च विवरण में अधिक विसंगति को लेकर एक नोटिस भेजा है। उन्हें इंजीनियर रशीद के नाम से भी जाना जाता है और आतंकवाद के वित्तपोषण के एक मामले में वह जेल में हैं। आयोग ने उनसे दो दिन के अंदर जवाब देने को कहा है। बारामूला के जिला उप निर्वाचन अधिकारी ने रशीद द्वारा सौंपे गए चुनाव खर्च विवरण को रेखांकित करते हुए नोटिस जारी किया। रशीद ने विवरण में 2.10 लाख रुपए चुनावी खर्च होने का उल्लेख किया है, जबकि चुनाव पर्यवेक्षकों द्वारा आयोग को सौंपे गए रिकॉर्ड के अनुसार खर्च की रकम 13.78 लाख रुपए है। आतंकवाद के वित्तपोषण के आरोप में, 2019 में राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) द्वारा अपनी गिरफ्तारी के बाद से रशीद दिल्ली की तिहाड़ जेल में हैं। उन्हें पांच जुलाई को लोकसभा सदस्य के तौर पर शपथ लेने के लिए दो घंटे की पैरोल मिली है, जिस दौरान पुलिसकर्मी भी उनके साथ होंगे। नोटिस में रशीद या उनके प्रतिनिधि को दो दिन के भीतर जिला व्यय निगरानी समिति के समक्ष उपस्थित होकर उक्त विसंगति पर ध्यान देने और निर्वाचन आयोग को समय पर व्यय रिपोर्ट प्रस्तुत करने को सुनिश्चित करने का अनुरोध किया गया है। नोटिस में कहा गया है कि चुनावी व्यय की सही जानकारी नहीं दिए जाने की स्थिति में आयोग द्वारा जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के तहत तीन साल की अवधि के लिए अयोग्य घोषित किया जा सकता है। निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुने गए रशीद ने हालिया लोकसभा चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला को हराकर बारामूला सीट जीती थी। लोकसभा चुनाव के दौरान सवाल उठे थे कि जेल में रहने के बावजूद पिछले पांच साल में रशीद की देनदारियों में कैसे इतनी कमी आई और संपत्ति में कैसे इजाफा हुआ।

जेल में बंद अमृतपाल सिंह पांच को सांसद के रूप ले सकता है शपथ

चंडीगढ़, अमृतसर (भाषा)। जेल में बंद कट्टरपंथी उपदेशक अमृतपाल सिंह के शुक्रवार को लोकसभा सदस्य के रूप में शपथ लेने की संभावना है। वारिस पंजाब दे संगठन के प्रमुख अमृतपाल ने हाल में पंजाब की खडूर साहिब संसदीय सीट से जीत दर्ज की है। अमृतसर में अधिकारियों ने कहा कि वर्तमान में राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत नौ सहयोगियों के साथ असम की डिब्रूगढ़ जेल में बंद अमृतपाल को चार दिन की पैरोल दी गई है ताकि वह लोकसभा सदस्य की शपथ ले सके। फरीदकोट से निर्दलीय सांसद सरबजीत सिंह खालसा ने कहा कि अमृतपाल के पांच जुलाई को सांसद के रूप में शपथ लेने की संभावना है।

खालसा ने पीटीआई-भाषा से फोन पर कहा, मैं बुधवार को दिल्ली में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मिलने उनके आवास पर गया। उन्होंने कहा कि शपथ पांच जुलाई को दिलाई जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि अमृतपाल को शपथ लेने के लिए विभिन्न हलकों से मंजूरी और अनुमति मिल गई है। खालसा ने कहा, मैं समझता हूं कि उन्हें (अमृतपाल) शपथग्रहण के लिए जेल से लाया जाएगा, जो अध्यक्ष के निजी कक्ष में होगा। उन्होंने कहा कि बुधवार को लोकसभा अध्यक्ष से राष्ट्रीय राजधानी में उनकी मुलाकात का एकमात्र एजेंडा अमृतपाल सिंह का शपथग्रहण था। अमृतसर के उपायुक्त सह जिलाधिकारी घनशाम थोरी ने कहा, अमृतपाल सिंह को कुछ शर्तों के साथ पांच जुलाई से चार दिन या उससे कम समय के लिए पैरोल दी गई है, जिसके बारे में जेल अधीक्षक डिब्रूगढ़ को सूचित कर दिया गया है। पैरोल के बारे में एक अन्य प्रश्न के उत्तर में, थोरी ने एक संक्षिप्त बयान में कहा, ...गृह विभाग की मंजूरी के बाद जिलाधिकारी, अमृतसर द्वारा (पैरोल) प्रदान की गई। जेल में अमृतपाल सिंह से मिलने वाले वकील राजदेव सिंह खालसा के अनुसार, अमृतपाल ने डिब्रूगढ़ जेल अधीक्षक के माध्यम से हाल ही में अमृतसर के उपायुक्त को एक पत्र भेजा था, जिन्होंने इसे जेल में बंद उपदेशक को शपथ लेने की आवश्यक मंजूरी दिए जाने के वास्ते राज्य सरकार के पास भेज दिया। अमृतपाल की अस्थाई रिहाई की मांग राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम की धारा 15 के तहत की गई।लोकसभा चुनाव निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में लड़ने वाले अमृतपाल ने खडूर साहिब सीट पर कांग्रेस उम्मीदवार कुलबीर सिंह जीरा को 1,97,120 मतों के अंतर से हराकर जीत हासिल की थी। जालंधर जिले में वाहन और हुलिया बदलकर 18 मार्च को पुलिस की गिरफ्त से भागे खालिस्तान समर्थक अमृतपाल को एक महीने से अधिक समय की लंबी तलाश के बाद पिछले साल 23 अप्रैल को मोगा के रोडे गांव में गिरफ्तार किया था। पंजाब पुलिस ने पिछले साल 23 फरवरी की अजनाला घटना के बाद कार्वाई शुरू की थी। इस घटना में अमृतपाल और समर्थक अपने एक सहयोगी लवप्रीत सिंह तूफान की रिहाई के लिए अवरोधक तोड़कर अमृतसर शहर के बाहरी इलाके में स्थित थाने में घुस गए थे और वहां पुलिसकर्मियों से भिड़ गए थे। इनमें से कुछ लोगों के पास तलवार और बंदूकें भी थीं। अमृतपाल और सहयोगियों पर वर्गों के बीच वैमनस्य फैलाने, हत्या का प्रयास, पुलिसकर्मियों पर हमला और लोकसेवकों को कर्तव्य निर्वहन से रोकने के आरोप में कई आपराधिक मामले दर्ज किए गए थे।

संकल्प पूरा होने पर बिहार के उपमुख्यमंत्री ने अयोध्या में उतारी पगड़ी, सिर मुंडवाया

अयोध्या (भाषा)। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बुधवार को अयोध्या में सुबह अपनी पगड़ी उतार दी और सिर मुंडवाने के बाद सरयू नदी में स्नान किया। चौधरी ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) छोड़कर विपक्ष के इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव एलाइंस (इंडिया) में शामिल होने के बाद पगड़ी पहनना शुरू किया था और उन्होंने संकल्प लिया था कि जब तक कुमार मुख्यमंत्री पद से हट नहीं जाते तब तक वह पगड़ी नहीं उतरेंगे। चौधरी का मानना है कि नीतीश के इंडिया छोड़कर वापस राजग में आने से उनका संकल्प पूरा हो गया है। चौधरी ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा, हमारी प्रतिबद्धता नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद से हटाने की थी। मेरा संकल्प गत 28 जनवरी को पूरा हो गया क्योंकि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार विपक्षी दलों के समूह इंडिया से अलग होकर हमारे (राजग) साथ आ गए और हमारे मुख्यमंत्री बन गए इसलिए मैंने अपनी पगड़ी खोल दी है। अयोध्या दौरे पर चौधरी के साथ बिहार के कुछ मंत्री और पार्टी पदाधिकारी भी थे। सरयू नदी में स्नान करने के बाद चौधरी ने हनुमानगढ़ी मंदिर और राम जन्मभूमि मंदिर में पूजा-अर्चना की।

पेज 1 का शेष

मणिपुर में...

इंडिया ब्लॉक पार्टियों ने उच्च सदन से बहिर्गमन किया। खड़गे संसद की संयुक्त बैठक में राष्ट्रपति के अभिभाषण के लिए धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान मोदी के जवाब के दौरान हस्तक्षेप करना चाहते थे। हालाँकि, अध्यक्ष जगदीप धनखड़ ने उनके अनुरोधों पर ध्यान नहीं दिया। नारेबाजी के बीच मोदी ने अपना भाषण जारी रखा। यह कुछ देर तक चलता रहा और खड़गे बार-बार बोलने की इजाजत देने की गुहार लगाते रहे। जब अनुमति मिली, तो इंडिया ब्लॉक के सांसदों ने सदन से बहिर्गमन किया। धनखड़ ने उनके वाकआउट की निंदा करते हुए कहा कि यह संविधान का अपमान है। मोदी ने भी वाकआउट की निंदा की और कहा कि वह अंक हासिल करने की कोशिश नहीं कर रहे हैं बल्कि अपनी सरकार के प्रदर्शन का हिसाब देने के लिए बाध्य हैं। 27 जून को शुरू हुआ राज्यसभा का 264वां सत्र प्रधानमंत्री द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव का जवाब देने के बाद समाप्त हो गया और सदन ने इसे स्वीकार कर लिया। संसद की संयुक्त बैठक में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव को सदन द्वारा स्वीकार किए जाने के बाद राज्यसभा को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया।

हाथरस भगदड़...

सीएम योगी ने कहा कि इस पूरे घटनाक्रम के लिए हमने एडीजी आगरा की अध्यक्षता में एक एसआईटी गठित की है, जिसने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट दी है। उन्हें इस घटना के तह में जाने के लिए कहा गया है। बहुत सारे ऐसे पहलू हैं, जिन पर जांच होना बहुत आवश्यक है। भोले बाबा के विरुद्ध एफआईआर नहीं होने के प्रश्न पर सीएम योगी ने कहा कि प्रथम दृष्टया एफआईआर उन पर होती है जिन्होंने एप्लीकेशन की परमीशन मांगी थी। इसके बाद इसका दायरा बढ़ता है। निश्चित रूप से जो लोग भी इस घटना के जिम्मेदार होंगे वो सभी इसके दायरे में आएंगे। योगी ने कहा कि गंभीर रूप से घायल लोगों ने बातचीत में बताया कि हादसा उस समय हुआ जब कार्यक्रम के उपरांत कथावाचक का काफिला जीटी रोड पर आया तो उन्हें छूने के लिए महिलाओं का एक दल उधर बढ़ गया। उनके पीछे-पीछे भीड़ गई और इसी के बाद वो एक-दूसरे के ऊपर चढ़ते गए। सेवादार भी लोगों को धक्का देते गए, जिसके चलते जीटी रोड के दोनों ओर ये हादसा घटित हुआ। इसका सबसे दुखद पहलू ये था कि इस तरह के कार्यक्रम के दौरान जो सेवादार प्रशासन को अंदर घुसने नहीं देते, दुर्घटना होने के तत्काल बाद उन्होंने मामले को दबाने का प्रयास किया। लेकिन जब प्रशासन ने घायलों को अस्पताल ले जाने की कार्यवाही शुरू की तो उनमें से ज्यादातर सेवादार वहां से भाग गए। सीएम योगी ने बताया कि अब तक प्रथम दृष्टया हमारी कार्यवाही ये थी कि राहत और बचाव के कार्य को आगे बढ़ाने के बाद आयोजकों को पूछतांछ के लिए बुलाया जाएगा। घटना के कारणों के बारे में उनसे बात की जाएगी और घटना में लापरवाही और जिम्मेदारों की जवाबदेही तय की जाएगी। हम इस बात को खारिज नहीं कर सकते कि इस प्रकार की घटना केवल एक हादसा है। अगर हादसा भी है तो उसके पीछे कौन जिम्मेदार है और अगर हादसा नहीं तो साजिश किसकी है। इन सभी पहलुओं को देखते हुए राज्य सरकार ने तय किया है हम इस पर एक न्यायिक जांच भी करवाएंगे। न्यायिक जांच हाईकोर्ट के एक रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में होगी, जिसमें प्रशासन और पुलिस के भी रिटायर्ड सीनियर अधिकारियों को रखा जाएगा और इस पूरी घटना के तह में जाकर जो भी इसके लिए दोषी होगा उन्हें इसकी सजा दिलाई जाएगी। उन्होंने कहा कि ज्यूडिशियल इंक्वायरी का नोटिफिकेशन आज ही जारी हो जाएगा। साथ ही इस प्रकार की घटना की पुनरावृत्ति न हो इसके लिए उनके माध्यम से एक सुझाव और एसओपी बनाई जाएगी, जिसे आगे इस प्रकार के आयोजनों में लागू किया जाएगा। योगी ने कहा कि आज स्वयं हाथरस में और सिकंदराराऊ के घटनास्थल का भी दौरा किया। यद्यपि वहां काफी बारिश थी, लेकिन इसके बावजूद वहां जाकर के हादसे के कारणों की प्रारंभिक व्यवस्था को देखने का प्रयास किया। हमारे तीन मंत्री और मुख्य सचिव व डीजीपी यहां हादसे के बाद से ही कैंप कर रहे हैं। पुलिस और प्रशासन के सीनियर अधिकारीगण भी यहां पर कैंप करते हुए इस घटना के लिए जिम्मेदारों की जवाबदेही तय करने की दिशा में काम कर रहे हैं। इसके लिए कुछ विशेष दल बनाए गए हैं,जिनके माध्यम से अलग-अलग जनपदों में कार्यवाही प्रारंभ होगी। प्रारंभिक जांच के बाद आगे की कार्यवाही को हम आगे बढ़ाने का काम करेंगे। विपक्षी नेताओं द्वारा हादसे पर की जा रही राजनीति को लेकर सीएम योगी ने कहा कि कुछ लोगों की यह प्रवृत्ति होती है कि इस प्रकार की दुखद और दर्दनाक घटनाओं में भी वो राजनीति ढूढ़ते हैं। ऐसे लोगों की फितरत है चोरी भी और सीनाजोरी भी। यह हर व्यक्ति जानता है कि कथावाचक सज्जन के फोटो किसके साथ हैं। उनके राजनीतिक संबंध किसके साथ जुड़े हुए हैं। आपने देखा होगा कि पिछले दिनों रैलियों के दौरान इस तरह की भगदड़ कहां मचती थी और कौन उसके पीछे थे। मुझे लगता है कि इन सबकी तह में जाना आवश्यक है। जो लोग निर्दोष लोगों के जीवन के साथ खिलवाड़ करते हैं उनकी जवाबदेही भी तय होगी। सीएम ने कहा कि जो निर्दोष लोग इस हादसे के शिकार हुए हैं उनके नाबालिग बच्चों को हम लोग उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के अंतर्गत पढ़ाई की व्यवस्था कराएंगे। वो जिन भी स्कूलों या संस्था में पढ़ रहे होंगे राज्य सरकार व्यवस्था करेगी। हादसे में मृतक लोगों के परिजनों को केंद्र और राज्य की ओर से कुल 4 लाख रुपए और घायलों को कुल एक लाख रुपए की सहायता प्रदान कर रहे हैं। योगी ने कहा कि प्रशासन प्रथम दृष्टया ये मानकर चलता है कि धार्मिक आयोजन है और उनके सेवादार इस प्रकार के आयोजनों की अंदर से जिम्मेदारी स्वयं निभाएंगे। बड़े-बड़े आयोजन होते हैं और सावधानीवश वहां पर फोर्स प्रशासन तैनात करता है, लेकिन फोर्स आउटर रिंग में होती है। यदि आप अंदर देखेंगे तो उनके स्वयंसेवक या सेवादार ही व्यवस्था का संचालन करते हैं। इस तरह के आयोजनों में धार्मिक और आध्यात्मिक श्रद्धाभाव से लोग आते हैं तो वहां भीड़ अनुशासित ही रहती है। लेकिन जब वही कार्यक्रम निहित स्वार्थी तत्वों के हाथों का खिलौना बन जाता है तो अनुशासनहीनता का नजारा देखने को मिलता है। इसका शिकार अंततः वो निर्दोष व्यक्ति होता है जो धार्मिक श्रद्धा के साथ उस आयोजन में भागीदार होता है। उसे साजिश क बारे में तो पता नहीं होता है। साजिश करने वाले लोग साजिश करके चुपचाप खिसकने का प्रयास करते हैं। होना ये चाहिए था कि अगर हादसा हुआ था तो सेवादारों को वहां पर अपनी व्यवस्था को सुदृढ़ करना चाहिए था। और अगर सुदृढ़ नहीं कर पा रहे थे तो प्रशासन का सहयोग लेकर घायलों को अस्पताल में पहुंचाने की व्यवस्था करनी चाहिए थी। हादसे में लोग मर रहे और सेवादार व

अपने बच्चों को खोकर सदमे में हैं कई परिवार

हाथरस भगदड़ काण्ड

हाथरस। सत्येंद्र यादव सत्संग के बाद अपने वाहन की ओर जा रहे थे, तभी उनकी पत्नी ने फोन करके कहा कि उनके तीन वर्षीय बेटे छोटा की कुछ देर पहले मची भगदड़ में मौत हो गई है। उनतीस वर्षीय वाहन चालक यादव दिल्ली से अपनी मां और दो भाभियों सहित अपने परिवार के साथ विश्वहरि भोले बाब के सत्संग में पहुंचे थे। कार्यक्रम समाप्त होने से ठीक पहले वह अपनी मां और बड़े बेटे मयंक (चार) के साथ अपने वाहन की तरफ बढ़े तभी फोन पर उनकी पत्नी ने जो कहा, उस पर उन्हें विश्वास ही नहीं हुआ।

यादव ने पीटीआई-भाषा को बताया, जैसे ही हम अपने वाहन के पास पहुंचे, मुझे मेरी पत्नी का फोन आया...उसने कहा, पिलुआ थाने आ जाओ, छोटा खत्म (मौत) हो गया है। यादव के तीन वर्षीय बेटे रोविन को उसका परिवार प्यार से छोटा बुलाता था। वह मंगलवार को हाथरस के फुलरई गांव में मची भगदड़ में मरने वाले 121 लोगों में शामिल है। रोविन की तरह कई और परिवार हैं जिन्होंने इस दुखद घटना में अपने बच्चों को खो दिया। आयुष (नौ) और काव्या (तीन) नाम के भाई-बहन के लिए सोमवार शाम को राजस्थान के जयपुर से यहां कार्यक्रम स्थल तक का सफर उनकी आखिरी यात्रा साबित हुई। दोनों शोकाकुल परिवारों ने कहा कि कभी नहीं सोचा था कि धार्मिक आयोजन में ऐसी घटना घटेगी।

यादव ने कहा, मैं अपनी पत्नी, उसकी दो बहनों और हमारे दो बेटों के साथ सोमवार रात करीब 11 बजे दिल्ली से निकला और मंगलवार सुबह साढ़े पांच बजे हम यहां पहुंच गए। उत्तर प्रदेश के एटा में अपने गांव में मौजूद यादव ने कहा, रोविन का अंतिम संस्कार मंगलवार रात को गांव में किया गया। यह घटना मेरे परिवार के लिए बहुत दुखद है। भगदड़ के डरावने मंजर को याद करते हुए यादव

ने कहा, एक बार तो मैं समझ ही नहीं पाया कि यह क्या हो गया है? बाद में मैंने देखा कि कुछ लोग एक महिला को कहीं ले जा रहे थे। मुझे लगा कि वह (मौसम के कारण) बेहोश हो गई होगी, इसीलिए उसे इलाज के लिए ले जाया जा रहा है। इसके बाद मेरी पत्नी की कॉल आई। मेरी आवाज तो उस तक पहुंच रही थी, लेकिन मैं उसकी आवाज नहीं सुन पा रहा था। इसलिए मैंने उसे वहां आने के लिए कहा, जहां मैंने अपनी गाड़ी खड़ी की थी। यादव ने कहा कि कुछ समय बाद उसके पास पत्नी का फिर से फोन आया। उस वक्त वह अपनी बहनों के साथ एटा के पिलुआ थाने में थी। फोन पर उसने भगदड़ में रोविन की मौत की खबर दी। बाद में गांव के प्रधान समेत उनके गांव से लोग मौके पर पहुंचे। वहीं, काव्या और आयुष के पिता आनंद के साथ बस से शाहजहांपुर जा रहे उनके रिश्तेदार रामलखन ने कहा कि उन्होंने अब तक आनंद को इस दुखद समाचार के बारे में नहीं बताया है, क्योंकि उन्हें डर है कि इससे उन्हें गहरा सदमा पहुंच सकता है।

रामलखन ने कहा, मुझे शाम करीब पांच बजे इस दुखद घटना के बारे में पता चला। वे (काव्या और आयुष) मेरी पत्नी के साथ सत्संग में गए थे। हम शाहजहांपुर के रहने वाले हैं, लेकिन मैं जयपुर में काम करता हूं। बच्चे और परिवार के अन्य सदस्य सोमवार शाम को जयपुर से निकले थे और सुबह छह बजे तक वे सत्संग वाली जगह पर पहुंच गए। उन्होंने कहा, दोनों बच्चे मेरे काफी करीब थे और रविवार को मैंने उनसे बात भी की थी। यह बेहद दुखद घटना है और हमारा परिवार सदमे में है। हमने कभी नहीं सोचा था कि ऐसी घटना घटेगी। बच्चे और परिवार के सदस्य पहले भी सत्संग में शामिल हुए थे। रामलखन ने कहा कि उन्हें पता चला कि आयोजन स्थल पर भीड़भाड़ थी। उन्होंने कहा, आयुष और काव्या के पिता मेरे साथ (बस में) हैं। मैंने उन्हें दुखद समाचार के बारे में नहीं बताया है, ताकि उन्हें सदमा न लगे।

हाथरस भगदड़ काण्डः विश्व हरि बाबा के मैनपुरी आश्रम की सुरक्षा कड़ी की गई

मैनपुरी (उप्र)। हाथरस के सिकन्दराराऊ में विश्व हरि बाबा भोलेनाथ के सत्संग के बाद उनकी चरण धूलि लेने के लिए दौड़ी भीड़ में भगदड़ मचने की घटना के बाद बाबा के मैनपुरी स्थित आश्रम के बाहर कड़े सुरक्षा बंदोबस्त कर दिए गए हैं। भगदड़ कांड के बाद मैनपुरी के बिछवां कस्बे में स्थित भोले बाबा के आश्रम के बाहर कड़ा सुरक्षा घेरा बनाया गया है। आश्रम के बाहर कई थानों की पुलिस मौजूद है और आश्रम के अंदर मीडिया सहित किसी को भी दाखिल होने की इजाजत नहीं दी जा रही है। पुलिस क्षेत्राधिकारी सुनील कुमार सिंह ने बताया कि हाथरस में भगदड़ कांड के बाद से बिछवां स्थित विश्व हरि बाबा भोलेनाथ के आश्रम में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है।

इस सवाल पर कि क्या बाबा आश्रम में मौजूद हैं, सिंह ने कोई जवाब नहीं दिया। हालांकि खुफिया विभाग के एक अधिकारी ने नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर बताया कि बाबा भोलेनाथ आश्रम के अंदर हैं। उनकी सुरक्षा के लिए बड़े पैमाने पर पुलिस बल तैनात किया गया है। हाथरस के फुलरई गांव में विश्वहरि बाबा भोलेनाथ द्वारा आयोजित सत्संग के दौरान मंगलवार को मची भगदड़ में 121 लोगों की हो गई थी। मरने वालों में ज़्यादातर महिलाएँ हैं। अधिकतर श्रद्धालुओं की दम घुटने से मौत हुई और लोग एक-दूसरे के ऊपर ढेर होते गए। यह हाल के वर्षों में घटित सबसे त्रासद घटना है।

पुलिस ने इस मामले में कार्यक्रम के मुख्य सेवादार तथा उसके सहयोगियों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या तथा अन्य आरोपों में मंगलवार देर रात मुकदमा दर्ज किया। हालांकि आरोपियों में बाबा भोलेनाथ का नाम शामिल नहीं है। सिकंदराराऊ थाने की पोरा चौकी के प्रभारी उप निरीक्षक बृजेश पांडे की तहरीर पर मंगलवार देर रात मुख्य सेवादार देवप्रकाश मधुकर और अन्य सेवादारों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। यह मुकदमा भारतीय न्याय संहिता की धारा 105 (गैर इरादतन हत्या), 110 (गैर इरादतन हत्या करने का प्रयास), 126 (2) (गलत तरीके से रोकना), 223 (लोक सेवक द्वारा जारी आदेश की अवज्ञा), 238 (साक्ष्यों को मिटाना) के तहत दर्ज किया गया है।

तहरीर में कहा गया है कि आयोजकों ने संगठन के पिछले कार्यक्रमों में जुटने वाली लाखों की भीड़ की स्थिति को छुपाते हुए इस बार 80 हजार लोगों के इकट्ठा होने की बात प्रशासन को बताई थी। प्रशासन ने उसी के हिसाब से सुरक्षा की व्यवस्था की थी मगर सत्संग में ढाई लाख से ज्यादा लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई जिससे अव्यवस्था पैदा हुई।

मोदी के जवाब में व्यवधान डालने के लिए रीजीजू ने कांग्रेस को आड़े हाथ लिया

नई दिल्ली। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने बुधवार को विपक्षी कांग्रेस नीत गठबंधन इंडिया को आड़े हाथ लेते हुए आरोप लगाया कि उसने जानबूझकर संसद के दोनों सदनों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भाषणों में व्यवधान डाला। रीजीजू ने यहां संवाददाताओं से कहा कि कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों को राष्ट्रपति अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान सभी मुद्दे उठाने के लिए पर्याप्त समय दिया गया था और उसके बाद भी उन्होंने दोनों सदनों में प्रधानमंत्री के जवाब के दौरान व्यवधान डाला। मंगलवार को लोकसभा में प्रधानमंत्री के दो घंटे से अधिक समय तक चले जवाब के दौरान विपक्षी सदस्य आसन के समीप आकर नारेबाजी करते रहे। इसी तरह का दृश्य बुधवार को राज्यसभा में भी देखा गया, जहां विपक्षी सदस्यों ने मोदी के जवाब के दौरान कुछ देर विरोध और नारेबाजी के बाद सदन से वॉकआउट किया।

रीजीजू ने कहा, भाषण के दौरान थोड़ा बहुत अवरोध ठीक है लेकिन प्रधानमंत्री के पूरे दो घंटे के भाषण को नारेबाजी करके अवरुद्ध करना वाकई सही नहीं है। ऐसा कभी नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि संसदीय कार्यवाही को बाधित करने की कांग्रेस की रणनीति को सरकार कभी सफल नहीं होने देगी। उन्होंने कहा, हम नियमों के अनुसार सदन की कार्यवाही चलाते रहेंगे। रीजीजू ने कहा कि संसद का अगला सत्र एक नया सत्र होगा जिसमें वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण आम बजट प्रस्तुत करेंगी और यह जुलाई के अंतिम सप्ताह में शुरू हो सकता है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, हमें नया सत्र बुलाना होगा। इस बैठक का सत्रावसान होगा और कैबिनेट जल्द ही नए सत्र की तारीख तय करेगी। उन्होंने कहा कि संसद में सरकार और विपक्ष के बीच निजी स्तर पर कोई समस्या नहीं थी और वह सदन में समन्वय के लिए विपक्षी नेताओं से संपर्क साधते रहेंगे।

असम में बाढ़ की वजह भौगोलिक कारकः हिमंत विश्व शर्मा

भाषा। गुवाहाटी

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को बाढ़ की स्थिति के लिए भौगोलिक कारकों को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि इन पर राज्य का कोई नियंत्रण नहीं है। कामरूप जिले में बाढ़ की स्थिति की समीक्षा करने के बाद उन्होंने संवाददाताओं से कहा, राज्य में बाढ़ की दूसरी भीषण लहर की मुख्य वजह पड़ोसी राज्य अरूणाचल प्रदेश में बादल का फटना है। उन्होंने कहा कि चीन, भूटान और अरूणाचल प्रदेश के ऊंचे इलाकों में भारी वर्षा के कारण असम में बाढ़ आई है और यह हमारे नियंत्रण के बाहर है।

शर्मा ने कहा कि इन सालों में बाढ़ नियंत्रण के कई कदम उठाए गए हैं तथा (बाढ़ का) प्रभाव एवं लोगों की परेशानियां भी काफी कम हुई हैं लेकिन हमें हरसंभव तरीके से

प्राकृतिक परिणामों से निपटना है। मुख्यमंत्री ने गराल भट्टपारा गांवबुराह घाट पर स्थिति की समीक्षा की तथा खना नदी पर धारपुर जंगारबाड़ी गेट का मुआयना भी किया। उन्होंने लोगों को क्षतिग्रस्त तटबंधों और सड़कों की मरम्मत कराने तथा राहत शिविरों में ठहरे लोगों को खाने-पीने की चीजें एवं दवाइयां उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया।

शर्मा बाढ़ के पानी में डूबे क्षेत्रों में लाइफ जैकेट पहने एक रबर बोट में अधिकारियों के साथ घूमते नजर आए। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह बृहस्पतिवार को माजुली जाएंगे जहां तटबंध टूट गया है और काफी बड़ा क्षेत्र पानी में डूब गया है। उन्होंने कहा, हम यह सुनिश्चित करने के लिए रात-दिन लगे हैं कि तटबंध और कहीं न टूटे। उन्होंने कहा कि कई प्रभावित जिलों में वर्षा में कमी आई है और यदि ऐसा ही रूझान जारी रहा तो स्थिति एक सप्ताह में सुधरने की उम्मीद है। शर्मा ने कहा, लेकिन यदि जलग्रहण क्षेत्रों में निरंतर वर्षा होती रही तो स्थिति गंभीर बनी रहेगी और फिर हमें उस हिसाब से उससे निपटना होगा। उन्होंने कहा कि राज्य के लोगों की सबसे बड़ी ताकत उनका धैर्य है तथा यह वैसे समय में नजर आता है जब बाढ़ से उत्पन्न चुनौतियों से हम सामूहिक रुप से निपटने को ठान लेते हैं। मुख्यमंत्री ने मंगलवार को ऊपरी असम के गोलाघाट जिले और काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में बाढ़ की स्थिति की समीक्षा की थी।

जिनकी दो पत्नियां उन्हें लाडली बहिन योजना का लाभ नही मिलना चाहिए : मनसे नेता

छत्रपति संभाजीनगर। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के एक नेता ने बुधवार को कहा कि महाराष्ट्र सरकार को अपनी लाडली बहिन योजना का लाभ उन समुदायों, विशेषरूप से मुसलमानों, को नहीं देना चाहिए जिनकी दो पत्नियां हैं। राज्य सरकार ने पिछले सप्ताह वार्षिक बजट में मुख्यमंत्री माझी लाड़की बहिन योजना की घोषणा की थी, जिसके तहत पात्र महिलाओं को प्रति माह 1500 रुपए मिलेंगे। मनसे नेता प्रकाश महाजन ने एक मराठी समाचार चैनल के साथ साक्षात्कार में योजना की आलोचना की और कहा कि इसके कुछ पहलुओं को स्पष्टीकरण की जरूरत है। एक समुदाय, जिसमें लोगों की दो पत्नियां होती हैं दो से ज्यादा बच्चे होते हैं, विशेषरूप से मुस्लिम समुदाय के लोगों को इस योजना का लाभ नहीं मिलना चाहिए। उन्होंने मूल निवास प्रमाण पत्र जारी करने की शर्तों में ढील देने के सरकार के फैसले की भी आलोचना की।

द्रमुक ने नीट को समाप्त करने की मांग उठाई

चेन्नई। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुन्नेत्र कझगम (द्रमुक) ने बुधवार को कहा कि नीट परीक्षा का विरोध अब अखिल भारतीय मुद्दा बन गया है और उसे इसके समाप्त होने जैसे किसी अच्छे परिणाम की उम्मीद है, वहीं मशहूर तमिल अभिनेता विजय ने नीट परीक्षा के खिलाफ तमिलनाडु विधानसभा द्वारा पारित प्रस्ताव का समर्थन किया। द्रमुक की छात्र इकाई ने नीट परीक्षा समाप्त करने की मांग करते हुए प्रदर्शन किया, वहीं अन्नाद्रमुक और भाजपा ने इस मुद्दे पर सत्तारूढ़ पार्टी पर लोगों को गुमराह करने तथा नाटक करने का आरोप लगाया। नीट तमिलनाडु में एक संवेदनशील मुद्दा रहा है क्योंकि पिछले कुछ वर्षों में कई अभ्यर्थियों ने या तो परीक्षा में असफल होने या उत्तीर्ण होने में असमर्थ होने के डर से कथित तौर पर आत्महत्या कर ली।

● अभिनेता विजय ने विस में पारित प्रस्ताव का समर्थन किया

द्रमुक और अन्नाद्रमुक सहित सभी प्रमुख राजनीतिक दल नीट का विरोध कर रहे हैं। द्रमुक लंबे समय से नीट का विरोध कर रही है। उसका दावा है कि यह परीक्षा सामाजिक न्याय और राज्य के अधिकारों के खिलाफ है। पार्टी चाहती है कि मेडिकल पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए 12वीं कक्षा में प्राप्तांक को मानदंड बनाया जाए। द्रमुक के विरोध प्रदर्शन की अगुवाई पार्टी की छात्र इकाई के सचिव और कांचीपुरम से विधायक सीवीएमपी एझिलारसन ने की। प्रदर्शनकारियों ने काले परिधान पहन रखे थे। द्रमुक के संगठन सचिव आर एस भारथी ने प्रदर्शनकारियों को संबोधित किया। इससे कुछ दिन पहले तमिलनाडु विधानसभा ने एक और प्रस्ताव पारित कर राज्य को नीट से छूट देने की मांग की है। उन्होंने कहा कि द्रमुक नीट की शुरुआत के बाद से ही इसका विरोध कर रही है और यह परीक्षा दिवंगत पार्टी अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री एम करुणानिधि के समय तमिलनाडु में प्रवेश नहीं कर सकती थी। यही स्थिति तब थी जब दिवंगत अन्नाद्रमुक सुप्रीमो जे जयललिता की सरकार थी। तमिझगा वेत्री कझगम (टीवीके) के संस्थापक और मशहूर तमिल अभिनेता विजय ने नीट परीक्षा का विरोध करते हुए इसके खिलाफ तमिलनाडु विधानसभा द्वारा पारित प्रस्ताव का समर्थन किया। तमिलनाडु विधानसभा ने राज्य को केंद्र सरकार द्वारा आयोजित इस मेडिकल प्रवेश परीक्षा से छूट देने का प्रस्ताव पारित किया है। दसवीं और 12वीं कक्षा के प्रतिभाशाली बच्चों को सम्मानित करने के लिए आयोजित समारोह में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए विजय ने कहा कि शिक्षा को राज्य की सूची में शामिल किया जाना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) के आने के बाद से तमिलनाडु के छात्र, विशेष रूप से निर्धन विद्यार्थी और ग्रामीण क्षेत्रों में पिछड़े और अति पिछड़े विद्यार्थी चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करने के अपने उद्देश्य में बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा को 1975 में समवर्ती सूची में शामिल किया गया था और नीट राज्यों के अधिकारों के खिलाफ है। विजय ने सवाल किया कि राज्य के पाठ्यक्रम और स्थानीय भाषा में अध्ययन करने वाला कोई छात्र एनसीईआरटी पाठ्यक्रम के आधार पर केंद्र सरकार की परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन कैसे कर सकता है। उन्होंने कहा कि एक राष्ट्र, एक पाठ्यक्रम नहीं हो सकता। उन्होंने कहा, पाठ्यक्रम राज्य केंद्रित होना चाहिए। इसमें विभिन्न दृष्टिकोणों को महत्व दिया जाना चाहिए। विविधता शक्ति होती है, कमजोरी नहीं।

इस बीच प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के अन्नमलई ने द्रमुक पर नीट को लेकर नाटक करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा ने नीट के मुद्दे पर द्रमुक सरकार द्वारा नियुक्त न्यायमूर्ति एके राजन समिति की रिपोर्ट में कई खामियों की ओर इशारा किया है। भाजपा नेता ने कहा कि नीट के बाद, सरकारी मेडिकल कॉलेजों में ग्रामीण और सरकारी स्कूल के छात्रों की संख्या बढ़ाने के लिए भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की सिफारिशों के आधार पर कदम उठाए गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि द्रमुक सरकार द्वारा नियुक्त समिति नीट से पहले सरकारी मेडिकल कॉलेजों में सरकारी स्कूलों के छात्रों के पंजीकरण के बारे में जानकारी नहीं दे सकी जबकि यह जानकारी उससे बार-बार मांगी गई। अन्नामलई ने एक्स पर लिखा, समिति की रिपोर्ट का पूरा ब्योरा नहीं आने के बाद भी द्रमुक के नीट विरोधी नाटक के पीछे क्या रहस्य है?

महाराष्ट्र में जीका वायरस के मामले सामने आने के बाद केंद्र सरकार ने परामर्श जारी किया

नई दिल्ली। महाराष्ट्र में जीका वायरस के कुछ मामले सामने आने के बाद, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने राज्यों को परामर्श जारी कर स्थिति की निरंतर निगरानी बनाए रखने का निर्देश दिया। राज्यों से आग्रह किया गया है कि वे गर्भवती महिलाओं की जीका वायरस जांच कराए जाने पर ध्यान दें तथा संक्रमित पाई जाने वाली महिलाओं के भ्रूण के विकास की निगरानी करें। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक द्वारा जारी परामर्श के अलावा, मंत्रालय ने स्वास्थ्य संस्थानों को एक नोडल अधिकारी नियुक्त करने का भी निर्देश दिया, जो परिसरों के एडीज मच्छरों के संक्रमण से मुक्त रखने की निगरानी और कार्वाई करेंगे। जीका वायरस संक्रमण एडीज मच्छर के काटने से फैलता है। इस मच्छर से डेंगू और चिकनगुनिया भी होता है। जीका संक्रमण से मौत नहीं होती है, इसमें संक्रमित गर्भवती महिला के शिशु में माइक्रोसेफेली की समस्या हो सकती है, जिसमें उसके सिर का आकार अपेक्षाकृत बहुत छोटा हो जाता है।

सुरक्षा, आर्थिक और राजनीतिक मामलों से संबंधित मंत्रिमंडलीय समितियां गठित की

भाषा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने बुधवार को विभिन्न मंत्रिमंडलीय समितियों का गठन किया, जिनमें सुरक्षा, आर्थिक और राजनीतिक मामलों से संबंधित देश की सर्वोच्च निर्णायक समितियां शामिल हैं। एक सरकारी अधिसूचना के अनुसार, सुरक्षा मामलों से संबंधित मंत्रिमंडलीय समिति में प्रधानमंत्री मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृहमंत्री अमित शाह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और विदेश मंत्री एस. जयशंकर शामिल हैं।

आर्थिक मामला संबंधी मंत्रिमंडलीय समिति में प्रधानमंत्री मोदी के अलावा रक्षा मंत्री, गृहमंत्री, वित्त मंत्री, विदेश मंत्री, सड़क परिवहन एवं राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान तथा भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी शामिल हैं।

इस समिति में वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, पंचायती राज एवं मत्स्य पालन मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह भी शामिल हैं।

संसदीय मामले से संबंधित मंत्रिमंडलीय समिति में प्रधानमंत्री मोदी के अलावा रक्षा मंत्री, गृहमंत्री, वित्त मंत्री, पंचायती राज मंत्री, स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा, सामाजिक न्याय मंत्री वीरेंद्र कुमार, नागर विमानन मंत्री किंजारापू राममोहन नायडू, आदिवासी मामलों के मंत्री जुएल ओरांव, संसदीय मामलों के मंत्री किरण रीजीजू और जलशक्ति मंत्री सी आर पाटिल शामिल हैं। इस समिति में कानून राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभारी) अर्जुन राम मेघवाल और कानून मंत्री एल मुरूगन विशेष आमंत्रित सदस्य हैं।

सेना प्रमुख ने नियंत्रण रेखा पर अभियान संबंधी तैयारियों की समीक्षा की

पुंछ, जम्मू। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा स्थिति और नियंत्रण रेखा पर सैनिकों की अभियान संबंधी तैयारियों का जायज़ा लिया। तीस जून को 30वें सेना प्रमुख के तौर पर पदभार संभालने के बाद यह जम्मू क्षेत्र की उनकी पहली यात्रा है। अमरनाथ यात्रा और विशेषकर पहाड़ी जिलों समेत विभिन्न जगहों पर आतंकवाद रोधी अभियान के मद्देनजर उनकी यह यात्रा महत्वपूर्ण है। अधिकारियों ने बताया कि सेना प्रमुख सुबह जम्मू पहुंचे और नियंत्रण रेखा पर सुरक्षा स्थिति तथा अभियानगत तैयारियों की समीक्षा के लिए सीमावर्ती जिले पुंछ रवाना हो गए।

सेना के अतिरिक्त लोक सूचना महानिदेशालय ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि सेना प्रमुख ने उत्तरी कमान के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल सुचिंद्र कुमार और जम्मू स्थित व्हाइट नाइट कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल नवीन

सचदेवा के साथ पुंछ में फील्ड कमांडरों की एक बैठक की अध्यक्षता की और फिर अग्रिम इलाकों की हवाई समीक्षा की। अतिरिक्त लोक सूचना महानिदेशालय ने कहा, उन्हें जमीन पर मौजूद कमांडरों द्वारा अभियानगत तैयारियों के बारे में जानकारी दी गई। सेना प्रमुख ने कामकाज के उच्च मानकों को बनाए रखने के लिए सभी रैंकों की सराहना की और उन्हें सभी मौजूदा व उभरती सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने को लेकर दृढ़ रहने के लिए प्रेरित किया। सेना प्रमुख ने कुछ सैनिकों से बातचीत भी की। अधिकारियों ने बताया कि उनका शाम को दिल्ली लौटने का कार्यक्रम है। जनरल द्विवेदी ने 2022 से 2024 तक उत्तरी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ के रूप में कार्य किया था।

नारायणपुर मुठभेड़ में पांच नक्सली मारे गए, हथियार और विस्फोटक बरामद

भाषा। नारायणपुर

छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित नारायणपुर जिले में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में पांच नक्सलियों को मार गिराया तथा भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक बरामद किया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के कोहकामेटा थाना क्षेत्र के अंतर्गत हिकुलनार और घमंडी गांव के मध्य जंगल में सुरक्षाबलों ने मंगलवार को मुठभेड़ में पांच नक्सलियों को मार गिराया तथा भारी मात्रा में हथियार और अन्य सामान बरामद किया। उन्होंने बताया कि 30 जून को नारायणपुर के कोहकामेटा और सोनपुर थाना तथा ईरकभट्टी, मोहंदी और ढोढरीबेड़ा शिविर से डीआरजी, सीमा सुरक्षा बल, एसटीएफ और भारत तिब्बत सीमा पुलिस के संयुक्त दल को हिकुलनार और घमंडी गांव की ओर रवाना किया गया था।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अभियान के दौरान मंगलवार सुबह लगभग 10.30 बजे हिकुलनार और घमंडी गांव के मध्य नक्सलियों ने सुरक्षाबलों पर गोलीबारी शुरू कर दी। इसके बाद सुरक्षाबलों ने भी जवाबी कार्वाई की। उन्होंने बताया कि कुछ देर तक दोनों ओर से गोलीबारी के बाद नक्सली वहां से फरार हो गए। बाद में सुरक्षाबलों ने घटनास्थल की तलाशी ली तो वहां पांच नक्सलियों के शव, एक .303 राइफल, तीन .315 बोर राइफल, दो भरमार बंदूक, बीजीएल (बैरल ग्रेनेड लांचर) समेत भारी मात्रा में हथियार और अन्य नक्सली सामान बरामद किया गया।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस मुठभेड़ में बड़ी संख्या में अन्य नक्सलियों के घायल होने और मारे जाने की संभावना है। अधिकारियों ने बताया कि मारे गए नक्सलियों की पहचान कराई जा रही है। बताया जा रहा है कि इस मुठभेड़ में माओवादियों के सेंट्रल कमेटी सुरक्षा टीम के पीएलजीए कंपनी नंबर एक के नक्सली मारे गए हैं। सुरक्षा बलों के शिविर में लौटने के बाद इस संबंध में अधिक जानकारी मिल सकेगी। बस्तर क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी ने बताया कि 2024 में बस्तर क्षेत्र से अब तक कुल 136 माओवादियों के शव बरामद किए गए हैं तथा 482 माओवादियों को गिरफ्तार किया गया है जबकि इस क्षेत्र में 453 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है।

बीएनएस में यौन अपराधों को लैंगिक संदर्भ में तटस्थ बनाया गया

नई दिल्ली। ब्रिटिश काल की भारतीय दंड संहिता की जगह लेने वाली नव अधिनियमित भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) में यौन अपराधों को पीड़ितों और अपराधियों के लिए लैंगिक संदर्भ में तटस्थ बना दिया गया है। नए आपराधिक कानून से संबंधित एक व्याख्यात्मक नोट में कहा गया है, अपराधी यौन शोषण के लिए लड़के और लड़कियों दोनों की खरीद-फरोख्त करते हैं। भारतीय दंड संहिता की धारा 366ए में नाबालिग लड़की शब्द को बीएनएस के खंड 96 में बच्चे शब्द से बदल दिया गया है, जिसमें 18 साल से कम उम्र के लड़के और लड़कियों को शामिल किया गया है तथा उनकी खरीद-फरोख्त के अपराध को दंडनीय बना दिया गया है। इसमें कहा गया है कि भारतीय दंड संहिता की धारा 366बी को 'किसी विदेशी देश से लड़की लाए जाने' संबंधी वाक्यांश को 'किसी विदेशी देश से लड़की या लड़के लाए जाने' से बदलकर लैंगिक संदर्भ में तटस्थ बना दिया गया है।

व्याख्यात्मक नोट के अनुसार, इसे बीएनएस में खंड 141 के रूप में पेश किया गया है ताकि 21 साल से कम उम्र की किसी लड़की या 18 साल से कम उम्र के किसी लड़के को इस इरादे से भारत में लाए जाने संबंधी अपराध को शामिल किया जा सके कि ऐसे व्यक्ति को किसी अन्य व्यक्ति के साथ अवैध यौन कृत्यों के लिए मजबूर किया जाएगा या बहलाया-फुसलाया जाएगा। बीएनएस, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) एक जुलाई को लागू हो गए। इन नए कानूनों ने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) और एविडेंस एक्ट की जगह ली है।

दस्तावेजों के अनुसार, बीएनएस में यौन अपराधों से निपटने के लिए महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराध नामक एक नया अध्याय भी पेश किया गया है। आईपीसी के तहत इसी तरह के अपराध मानव शरीर को प्रभावित करने वाले अपराध अध्याय का हिस्सा थे। बीएनएस में आईपीसी और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो)अधिनियम से बलात्कार पीड़ितों का आयु-आधारित वर्गीकरण पेश किया गया है तथा 18, 16 एवं 12 वर्ष से कम उम्र के नाबालिगों के साथ बलात्कार के मामलों में अलग-अलग सजा विकल्प निर्धारित किए गए हैं। व्याख्यात्मक नोट के अनुसार, विभिन्न उम्र के नाबालिगों के साथ बलात्कार के मामलों में दंड की सीमा आईपीसी, पॉक्सो और बीएनएस में काफी हद तक समान है। इसमें कहा गया है कि धारा 64(1) बलात्कार के दोषी को 10 साल से लेकर आजीवन कारावास तक की सजा का प्रावधान करती है, जबकि धारा 64(2) बलात्कार के गंभीर मामलों में 10 साल से लेकर दोषी को शेष जिंदगी के लिए आजीवन कारावास तक की सजा का प्रावधान करती है। इसके अतिरिक्त, बीएनएस का खंड 70(2) 18 वर्ष से कम उम्र की महिला के साथ सामूहिक बलात्कार संबंधी अपराध को 'नए सिरे से पेश करता है।

बीएनएस के इस खंड में आईपीसी की धारा 376डीए और 376डीबी को मिला दिया गया है तथा नाबालिग महिला के साथ सामूहिक बलात्कार को गंभीर अपराध मानने के लिए उम्र-आधारित मानदंड को हटा दिया गया है।

दस्तावेज में कहा गया है, नए कानून के तहत सभी नाबालिग महिलाओं के साथ सामूहिक बलात्कार के लिए मौत की सजा या आजीवन कारावास की सजा दी जाएगी। आईपीसी वर्तमान में धारा 376डीबी के तहत केवल 12 साल से कम उम्र की महिला के साथ सामूहिक बलात्कार के लिए यह सजा विकल्प प्रदान करती है। व्याख्यात्मक दस्तावेज के अनुसार, एक और 'महत्वपूर्ण परिवर्तन' यह है कि बलात्कार की परिभाषा (खंड 63 बीएनएस और धारा 375 आईपीसी) के तहत किसी विवाहित महिला के लिए सहमति की आयु 15 से बढ़ाकर 18 वर्ष कर दी गई है। इसमें कहा गया है, आईपीसी की धारा 375 के अपवाद 2 में प्रावधान है कि किसी पुरुष और उसकी पत्नी के बीच यौन संबंध, जिसकी पत्नी 15 वर्ष से कम उम्र की न हो, बलात्कार नहीं है। सहमति की उम्र में बदलाव का उद्देश्य इंडिपेंडेंट थॉट बनाम भारत संघ (2017) मामले में उच्चतम न्यायालय के फैसले को विधाई प्रभाव देना है। संबंधित मामले में वैवाहिक बलात्कार अपवाद को इस हद तक पढ़ा गया था कि इसमें 15 साल से अधिक उम्र के पुरुष और उसकी नाबालिग पत्नी के बीच यौन संबंध की अनुमति की बात कही गई थी।

बीएनएस के खंड 63 में वैवाहिक बलात्कार संबंधी अपवाद को बरकरार रखा गया है। बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराधों के मामलों को लेकर भी कुछ बदलाव किए गए हैं। दस्तावेज के अनुसार, बीएनएस का नया जोड़ा गया खंड 95 उस व्यक्ति को दंडित करता है जो 18 वर्ष से कम उम्र के किसी भी व्यक्ति को अपराध करने के लिए काम पर रखता है। खंड 95 की व्याख्या में कहा गया है कि यौन शोषण या अश्लील साहित्य के लिए बच्चे का उपयोग करना इसके अर्थ में शामिल है। इसके अतिरिक्त, बीएनएस के खंड 137 में आईपीसी की धारा 361 में बदलाव किया गया है। आईपीसी के तहत, इस धारा के तहत 18 साल से कम उम्र की लड़कियों के अपहरण के साथ-साथ 16 साल से कम उम्र के लड़कों के अपहरण को भी अपराध माना गया है।

विदेश मंत्री जयशंकर ने रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के समक्ष भारतीय नागरिकों की सुरक्षा का मुद्दा उठाया

भाषा। अस्ताना (कजाखस्तान)

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बुधवार को यहां रूस के अपने समकक्ष सर्गेई लावरोव के समक्ष युद्ध क्षेत्र में रूसी सेना के लिए लड़ रहे भारतीय नागरिकों का मुद्दा उठाया और उनकी सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने का अनुरोध किया।

जयशंकर शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के वार्षिक शिखर सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व करने मंगलवार को यहां पहुंचे। दोनों विदेश मंत्रियों के बीच यह मुलाकात प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात करने के लिए मॉस्को की प्रस्तावित यात्रा से पहले हुई है। अभी इस यात्रा की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है लेकिन ऐसी जानकारी है कि मोदी अगले सप्ताह मॉस्को की यात्रा कर सकते हैं। जयशंकर ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से मुलाकात कर आज खुशी हुई। हमारी द्विपक्षीय साझेदारी और समकालीन मुद्दों पर व्यापक बातचीत हुई। दिसंबर 2023 में हमारी आखिरी मुलाकात के बाद से कई क्षेत्रों में हुई प्रगति पर चर्चा की। जयशंकर ने पोस्ट में कहा, भारतीय नागरिकों को लेकर अपनी गंभीर चिंता जताई जो अभी युद्ध क्षेत्र में हैं। उनकी सुरक्षित तथा जल्द वापसी पर जोर दिया। उन्होंने बैठक की तस्वीरें भी पोस्ट की हैं।

रूस के विदेश मंत्रालय ने भी बैठक की तस्वीरों के साथ एक्स पर ऐसा ही पोस्ट किया है। इसमें कहा

गया है, रूस के विदेश मंत्री सर्गेइ लावरोव और भारत के विदेश मंत्री डॉ. सुब्रमण्यम जयशंकर ने शंघाई सहयोग संगठन की बैठक के इतर चर्चा की। रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से ही भारत रूस से उसकी सेना द्वारा भर्ती किए भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और देश वापसी पर जोर देता रहा है। उसने युद्ध क्षेत्र में भारतीयों के बारे में सूचना मिलने पर फौरन कार्वाई की है। विदेश मंत्रालय ने बताया कि खबरों के अनुसार, रूसी सेना में सुरक्षा सहायक के तौर पर करीब 200 भारतीय नागरिकों को भर्ती किया गया है। जून मध्य तक यह स्पष्ट हो गया कि युद्ध क्षेत्र में चार भारतीय नागरिकों की मौत हो गई है। विदेश सचिव विनय क्वात्रा ने 12 जून को कहा था, पहले दिन से ही हम लगातार रूसी अधिकारियों और नेतृत्व के साथ इस मामले पर चर्चा कर रहे हैं। हमारे सभी प्रयासों का उद्देश्य भारतीयों को सुरक्षित रखना है। विदेश मंत्रालय ने दो भारतीयों की मौत की पुष्टि करते हुए कहा था कि भारत ने रूस के साथ इस मामले को दृढ़ता से उठाया है और रूसी सेना में कार्यरत सभी भारतीय नागरिकों की शीघ्र वापसी की मांग की है।

भारत ने यह भी मांग की है कि रूसी सेना द्वारा भारतीय नागरिकों की आगे किसी भी भर्ती पर रोक लगाई जाए तथा ऐसी गतिविधियां हमारी साझेदारी के अनुरूप नहीं होंगी। जून मध्य तक रूसी सेना के साथ सहायक के रूप में काम करने वाले कुल 10 भारतीयों को मुक्त कर दिया गया है और भारत वापस भेज दिया गया। विदेश मंत्री जयशंकर ने लावरोव के साथ वैश्विक सामरिक परिदृश्य पर भी चर्चा की।

जयशंकर ने कजाखस्तान की राजधानी में पुश्किन पार्क में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर भी श्रद्धांजलि अर्पित की। उनके साथ भारतीय समुदाय के सदस्य तथा भारत के मित्र भी कार्यक्रम में शामिल हुए। इससे पहले, विदेश मंत्री जयशंकर ने मंगलवार को यहां कजाखस्तान के उपप्रधानमंत्री मूरत नूरतलेउ से मुलाकात की।

पुतिन ने हाथरस भगड़द में लोगों की मौत पर संवेदना जताई

मॉस्को। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बुधवार को उत्तर प्रदेश में एक धार्मिक समागम में हुई भगदड़ में लोगों की जान जाने पर शोक व्यक्त किया। इस हादसे में 121 लोगों की मौत हुई है। भारत में रूसी दूतावास ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने उत्तर प्रदेश में हुई दुखद भगदड़ पर भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को शोक संदेश भेजा: कृपया उत्तर प्रदेश में हुई दुखद दुर्घटना पर हार्दिक संवेदना स्वीकार करें। उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले में सिकंदराराऊ क्षेत्र के फुलरई गांव के पास मंगलवार को एक सत्संग समारोह के बाद भगदड़ मच गई। उत्तर प्रदेश पुलिस ने बुधवार को सत्संग के आयोजकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है।

राम मंदिर की प्रतिकृति न्यूयॉर्क में भारत दिवस पर परेड का हिस्सा बनेगी

भाषा। वाशिंगटन

न्यूयॉर्क में भारत दिवस के मौके पर 18 अगस्त को होने वाली परेड में राम मंदिर की प्रतिकृति प्रदर्शित की जाएगी। इस आयोजन में न्यूयॉर्क और उसके आसपास से हजारों भारतीय अमेरिकी शामिल होंगे। विश्व हिन्दू परिषद अमेरिका (विहिप) के महासचिव अमिताभ मित्तल के अनुसार मंदिर की प्रतिकृति 18 फुट लंबी, नौ फुट चौड़ी और आठ फुट ऊंची होगी। यह पहली बार होगा जब राम मंदिर की प्रतिकृति अमेरिका में प्रदर्शित की जाएगी। न्यूयॉर्क में हर वर्ष भारत दिवस पर होने वाली यह परेड भारत के बाहर स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य पर सबसे बड़ा आयोजन है। यह परेड हर साल मिडटाउन न्यूयॉर्क में ईस्ट 38 स्ट्रीट से ईस्ट 27 स्ट्रीट तक निकाली जाती है जिसे। 50,000 से अधिक लोग देखने आते हैं। फेडरेशन ऑफ इंडियन एसोसिएशन (एफआईए) द्वारा आयोजित की जाने वाली इस परेड में विभिन्न भारतीय अमेरिकी समुदायों और उनकी संस्कृति की विविधता का प्रतिनिधित्व करने वाली ढेर सारी झांकियां न्यूयॉर्क की सड़कों पर देखने को मिलेंगी। विहिप-अमेरिका ने हाल में राम मंदिर रथ यात्रा का आयोजन किया था जिसने 60 दिन में 48 राज्यों के 851 मंदिरों को कवर किया था।

सिंगापुर में भारतीय मूल की महिला को ठगी के जुर्म में तीन साल की कैद

सिंगापुर। सिंगापुर में भारतीय मूल की 33 वर्षीय एक महिला को 12 लोगों से ।,06,000 सिंगापुरी डॉलर से अधिक रकम ठगने के जुर्म में बुधवार को तीन साल कैद की सजा सुनाई गई। जिला न्यायाधीश जॉन एनजी ने प्रिशिला शामनी मनोहरन नामक महिला पर 2000 सिंगापुरी डॉलर का जुर्माना भी लगाया। मनोहरन ने 2022 में ठगी का धंधा शुरू किया था। मनोहरन ने यह दावा कर एक व्यक्ति से 57,250 सिंगापुरी डॉलर की ठगी की कि उसके बेटे-बेटी की मृत्यु हो गई है और उसे हाउसिंग बोर्ड की सार्वजनिक योजना के तहत एक अपार्टमेंट से संबंधित लेनदेन के लिए भुगतान करना है। द स्ट्रेट टाइम्स की खबर के अनुसार खुद को वकील बताते हुए उसने अपनी मौत की झूठी कहानी रची तथा संबंधित व्यक्ति को बकाया कानूनी शुल्क की फर्जी बिल भेजकर उसे चूना लगाया। अन्य मामलों में महिला ने अपने और अस्पताल के एक कर्मी के बीच कथित रूप से फर्जी व्हाट्सअप चैट रिकार्ड तैयार किया और अस्पताल कर्मी को यकीन दिलाया कि चिकित्सा शुल्क के लिए उसे पैसों की सख्त जरूरत है। महिला ने इस साल के प्रारंभ में दो लोगों को 11,800 सिंगापुरी डॉलर का चूना लगाया। बीस जून को मनोहरन ने छह विभिन्न आरोपों में अपना गुनाह कबूल किया था।

जयशंकर ने कजाखस्तान में बेलारूस के विदेश मंत्री से मुलाकात की

अस्ताना (कजाकिस्तान)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बुधवार को यहां बेलारूस के अपने समकक्ष मैक्सिम रायजेनकोव से मुलाकात कर द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के वार्षिक शिखर सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व करने तथा विभिन्न द्विपक्षीय बैठकों में भाग लेने के लिए यहां आए जयशंकर ने एससीओ समूह के नवीनतम सदस्य के रूप में पूर्वी यूरोपीय देश बेलारूस का स्वागत किया। जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर बैठक की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, बेलारूस के विदेश मंत्री मैक्सिम रायजेनकोव से आज मिलकर खुशी हुई। हमारे द्विपक्षीय संबंधों और इसके भविष्य की विकास संभावनाओं पर चर्चा हुई।

मुंबई आतंकवादी हमलों के आरोपी राणा को भारत प्रत्यर्पित किया जा सकता है : अमेरिकी अटॉर्नी

भाषा। वाशिंगटन

मुंबई में 2008 के आतंकवादी हमलों में संलिप्तता के लिए भारत में वांछित अपराधी तहव्वुर राणा को अमेरिका-भारत प्रत्यर्पण संधि के स्पष्ट प्रावधानों के तहत प्रत्यर्पित किया जा सकता है। अमेरिका के एक अटॉर्नी ने एक संघीय अदालत में यह बात कही।

सहायक अमेरिकी अटॉर्नी, आपराधिक अपील प्रमुख ब्राम एल्डेन अमेरिकी की एक अदालत में अंतिम दलीलें दे रहे थे जहां राणा ने कैलिफोर्निया में अमेरिकी डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के आदेश के खिलाफ अपील की है। कैलिफोर्निया की अदालत ने बंदी प्रत्यक्षीकरण रिट को अस्वीकार कर दिया था।

पाकिस्तानी मूल के कनाडाई कारोबारी राणा (63) ने मई में अदालत के आदेश को चुनौती देते हुए बंदी प्रत्यक्षीकरण रिट याचिका दायर की थी। अदालत ने मुंबई आतंकवादी हमलों के आरोपी को भारत प्रत्यर्पित करने के अमेरिकी सरकार के अनुरोध को स्वीकार कर लिया था।

एल्डेन ने कहा, राणा को संधि के स्पष्ट प्रावधानों के तहत भारत प्रत्यर्पित किया जा सकता है और भारत ने आतंकवादी हमलों में उसकी भूमिका के लिए उस पर मुकदमा चलाने की संभावित वजह साबित की है। इन हमलों में 166 लोगों की मौत हो गई थी तथा 239 लोग घायल हुए थे। एल्डेन ने पांच जून को अदालत में दलीलें पेश करते हुए कहा कि भारत और अमेरिका दोनों संधि के प्रावधान पर सहमत हुए हैं। उन्होंने कहा, दोनों पक्षों ने अब कहा है कि इस प्रावधान की व्याख्या अपराध के तत्वों के आधार पर की जानी चाहिए न कि उन अपराधों के अंतर्निहित आचरण के आधार पर। अभी लॉस एंजिलिस की जेल में बंद राणा मुंबई हमलों में अपनी संलिप्तता के आरोपों का सामना कर रहा है और उसे पाकिस्तानी-अमेरिकी आतंकवादी डेविड कोलमैन हेडली का साथी माना जाता है जो 26।11 के मुंबई हमलों के मुख्य साजिशकर्ताओं में से एक है।

राणा की पैरवी कर रहे वकील जॉन डी क्लाइन ने कहा कि संभावित वजह का समर्थन करने वाला कोई उचित सबूत नहीं है। एल्डेन ने कहा कि संभावित वजह का समर्थन करने के लिए पर्याप्त सबूत है कि राणा जानता था कि 2006 और 2008 के बीच भारत में क्या होने जा रहा है। उन्होंने कहा, उसने कई बार डेविड हेडली से मुलाकात की। ऐसे दस्तावेजी सबूत हैं जो हेडली की गवाही का समर्थन करते हैं, जिसमें नकली वीज़ा आवेदन भी शामिल हैं जो इसलिए दिए गए थे कि हेडली आतंकवादी हमलों को अंजाम देने के लिए निगरानी करने के वास्ते भारत में एक फर्जी व्यवसाय संचालित कर सके।

मुंबई में 2008 में हुए आतंकवादी हमलों में छह अमेरिकी नागरिकों समेत कुल 166 लोगों की मौत हुई थी। मुंबई में 10 पाकिस्तानी आतंकवादियों ने 60 घंटे से अधिक समय तक हमलों को अंजाम दिया और शहर के कई प्रमुख स्थानों पर लोगों की हत्या की।

ब्रिटेन के आम चुनाव में भारतीय मूल के उम्मीदवारों की बड़ी संख्या में जीत की आशा

भाषा। लंदन

ब्रिटेन में बृहस्पतिवार को होने वाले आम चुनाव में देश के इतिहास में अब तक की सबसे विविधतापूर्ण प्रकार की संसद देखने को मिल सकती है, जिनमें देशभर से चुनाव में अपना दावा करने वाले भारतीय मूल के सांसदों की अच्छी-खासी संख्या हो सकती है।
ब्रिटिश फ्यूचर थिंक टैंक के एक विश्लेषण के अनुसार, अगर लेबर पार्टी बहुमत हासिल करती है तो उसमें जातीय अल्पसंख्यक सांसदों की अभी तक की सबसे अधिक संख्या हो सकती है।

विश्लेषण में कहा गया है कि इस बार करीब 14 प्रतिशत सांसद जातीय अल्पसंख्यक समुदायों के थे, जबकि नई संसद में उनकी संख्या पहले की तुलना में अधिक रह सकती है। ब्रिटिश फ्यूचर के निदेशक सुंदर कटवाला ने कहा, इस चुनाव में जातीय अल्पसंख्यक प्रतिनिधित्व में बड़ी वृद्धि दिखेगी और यह अब तक की सबसे विविध संसद होगी। वर्ष 2019 में हुए पिछले आम चुनाव में भारतीय मूल के 15 सांसद चुने गए थे, जिनमें से कई दोबारा चुनाव लड़ रहे हैं।

उनके अलावा भारतीय मूल के कई लोग पहली बार आम चुनाव लड़ रहे हैं। प्रतिष्ठित ब्रिटिश भारतीयों में से एक कंजर्वेटिव पार्टी के सांसद आलोक शर्मा और लेबर पार्टी के वरिष्ठ नेता वीरेंद्र शर्मा इस बार क्रमश: रीडिंग वेस्ट और इलींग साउथल से पुन: चुनाव नहीं लड़ रहे हैं।

इलींग साउथल में बड़ी संख्या में पंजाबी मतदाता हैं। वहां से इस बार दो ब्रिटिश सिख उम्मीदवार संगीत कौर भैल और जगिंदर सिंह निर्दलीयों के तौर पर चुनाव लड़ रहे हैं। बृहस्पतिवार को होने वाले चुनाव में कुछ प्रमुख ब्रिटिश भारतीय उम्मीदवारों में प्रफुल नार्गुंड शामिल हैं, जो लेबर पार्टी की टिकट पर इस्लिंगटन नॉर्थ से चुनाव लड़ रहे हैं।

जस अथवाल लेबर पार्टी के गढ़ इफोर्ड साउथ से चुनाव लड़ रहे हैं, जबकि बैगी शंकर डर्बी साउथ, सतवीर कौर साउथम्पटन टेस्ट और हरप्रीत उप्पल हडर्सफील्ड से चुनाव लड़ रहे हैं। इंदौर में जन्मे राजेश अग्रवाल पहली बार लीसेस्टर ईस्ट से चुनाव लड़ रहे हैं और उनका मुकाबला एक अन्य ब्रिटिश भारतीय एवं कंजर्वेटिव पार्टी की उम्मीदवार शिवानी राजा से है। भारतीय मूल के मतदाताओं की अच्छी-खासी तादाद वाले इस निर्वाचन क्षेत्र में मुकाबला दिलचस्प होने की उम्मीद है, क्योंकि गोवा मूल की पूर्व सांसद कीथ वाज भी यहां से निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ रही हैं।

इस बीच, भारतीय मूल के ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के उत्तरी इंग्लैंड में रिचमंड और नॉर्थअलर्टन की अपनी सीट बरकरार रखने की उम्मीद है। साथ ही उनके मंत्रिमंडल की पूर्व सहयोगी प्रीति पटेल के एसेक्स में विथम और सुएला ब्रेवरमैन के फारेहैम तथा वाटरलूविले में जीतने की उम्मीद है।

बाइडन की तुलना में हैरिस के राष्ट्रपति पद का चुनाव जीतने की अधिक संभावना: सीएनएन सर्वेक्षण

भाषा। वाशिंगटन

भारतीय-अफ्रीकी मूल की अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस यदि राष्ट्रपति पद के चुनाव में खड़ी होती हैं तो राष्ट्रपति जो बाइडन की तुलना में उनके जीतने की संभावना अधिक है। सीएनएन के एक हालिया सर्वेक्षण में यह कहा गया है। बाइडन (81) की देश के अगले राष्ट्रपति के रूप में स्वीकृति की रेटिंग पिछले सप्ताह अटलांटा में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप साथ हुई बहस में उनके निराशाजनक प्रदर्शन के बाद गिर गई है। राष्ट्रपति पद के चुनाव से पहले बाइडन और ट्रंप के बीच हुई पहली बहस के बाद से सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक पार्टी में यह मांग उठ रही है कि बाइडन को पीछे हट जाना चाहिए और पांच नवंबर को होने वाले राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए पार्टी की ओर से किसी अन्य उम्मीदवार को मौका देना चाहिए।

सीएनएन के सर्वेक्षण के अनुसार, ट्रंप लोकप्रियता के मामले में बाइडन से छह अंक आगे हैं। सर्वेक्षण में हैरिस, ट्रंप के बीच काल्पनिक मुकाबले को लेकर भी सर्वेक्षण कराया गया जिसके अनुसार 47 प्रतिशत पंजीकृत मतदाता ट्रंप का समर्थन करते हैं जबकि 45 प्रतिशत हैरिस के समर्थक हैं यानी उनके आमने-सामने होने की स्थिति में मुकाबला नजदीकी होगा। इस बीच, बाइडन ने बहस में अपने निराशाजनक प्रदर्शन के लिए अपने हालिया विदेशी दौरों के कारण हुई थकान को जिम्मेदार ठहराया।

उन्होंने वाशिंगटन डीसी में एक कार्यक्रम में कहा, मैंने होशियारी से काम नहीं लिया। मैंने बहस से कुछ समय पहले ही दुनिया भर में यात्रा करने का फैसला किया। मैंने अपने सहयोगी कर्मचारियों की सलाह नहीं मानी...और फिर मैं मंच पर लगभग सो गया था।

तूफान बेरिल अब जमैका की ओर बढ़ा कम से कम छह लोगों की मौत

सेंट जॉर्ज। दक्षिण-पूर्वी कैरेबियाई द्वीप समूह में तबाही मचाने के बाद तूफान बेरिल अब जमैका की ओर बढ़ रहा है तथा इसके कारण कम से कम छह लोगों की मौत हो गई है। राष्ट्रीय तूफान केंद्र के अनुसार, जमैका, ग्रांड केमैन, लिटल केमैन और केमैन ब्राक में तूफान की चेतावनी दी गई है। बेरिल की तीव्रता कम हो रही है लेकिन पूर्वानुमान है कि जब यह तूफान बुधवार तड़के जमैका के पास, बृहस्पतिवार को केमैन द्वीप के पास और शुक्रवार को मेक्सिको के युकाटन प्रायद्वीप के पास से गुजरेगा तब भी यह शक्तिशाली रहेगा। सोमवार देर शाम को बेरिल श्रेणी-पांच के तूफान के रूप में मजबूत हो गया था जिसके कारण 270 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चली। इसके बाद यह श्रेणी-चार के तूफान के रूप में थोड़ा कमजोर हो गया लेकिन अब भी ताकतवर है। मंगलवार रात जमैका के किंगस्टन से करीब 480 किलोमीटर पूर्व-दक्षिणपूर्व में था। बेरिल से जमैका में खतरनाक गति से हवा चलने और समुद्र में ऊंची लहरें उठने की आशंका है और अधिकारियों ने बाढ़ के लिहाज से संवेदनशील इलाकों में रह रहे लोगों को मकान खाली करने की चेतावनी दी। जमैका के पीएम एंड्रयू होलनेस ने कहा, मैं सभी जमैका वासियों से तूफान को गंभीर खतरे के रूप में लेने का अनुरोध कर रहा हूं।

इटली में भारतीय कृषि श्रमिक की मौत के मामले में कृषि कंपनी का मालिक गिरफ्तार

भाषा। रोम

इटली की पुलिस ने एक भारतीय श्रमिक की मौत के मामले में एक कृषि कंपनी के मालिक को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने एक भारी मशीन से कृषि श्रमिक का हाथ कटने के बाद उसे चिकित्सा सहायता मुहैया कराने की बजाय ऐसे ही सड़क पर छोड़ दिया था।

भारतीय कृषि श्रमिक की मौत से पूरे इटली में आक्रोश है और देश के नेतृत्व ने स्वयं इस पर शोक जताया है। एएनएसए समाचार एजेंसी की खबर में बताया गया कि पिछले माह रोम के निकट लाजियो क्षेत्र में स्ट्रॉबेरी पैक करने वाली मशीन से भारतीय कृषि श्रमिक सतनाम सिंह (31) का हाथ कट गया था जिसके बाद उसके मालिक ने उसे ऐसे ही सड़क पर छोड़ दिया और अत्यधिक रक्त बहने के कारण उसकी मौत हो गई। अंतत: सिंह का इस हालत में पता लगने के बाद उसे हवाई मार्ग से रोम के एक अस्पताल में लाया गया, जहां दो दिन बाद उसने दम तोड़ दिया।

खबर में कहा गया कि पुलिस ने मंगलवार को सिंह की हत्या के संदेह में कृषि कंपनी के मालिक एंटोनेलो लोवाटो को गिरफ्तार कर लिया। अभियोजकों ने एक बयान में कहा कि सिख कृषि श्रमिक की मौत अत्यधिक रक्त बहने के कारण हुई थी, यदि उसे तुरंत चिकित्सा सहायता मिल जाती तो संभवत: उसे बचाया जा सकता था। लाजियो-भारतीय समुदाय के प्रमुख गुरमुख सिंह ने कहा, मौत की खबर से लोगों में रोष है। खबर में उसके हवाले से कहा गया, सबसे बुरी बात यह थी कि लोवाटो ने उसे अस्पताल ले जाने के बजाय, उसके घर के बाहर छोड़ दिया।

गुरमुख ने कहा, हादसा कभी भी और कहीं भी हो सकता है लेकिन चिकित्सा सहायता मुहैया न कराना कदापि स्वीकार्य नहीं है। सिंह की मौत से गैंगमास्टरिंग (कृषि कार्य के लिए अस्थाई या प्रवासी श्रमिकों को काम पर रखने वाले) के खिलाफ आक्रोश फैल गया है।

खबर में पहले बताया गया था कि लोवाटो ने सिंह और उनकी पत्नी को एक वैन से उनके घर के पास सड़क के किनारे छोड़ दिया था और सिंह के कटे हुए हाथ को फलों के एक डिब्बे में रख दिया। सिंह और उनकी पत्नी सोनी अवैध प्रवासी हैं, लेकिन इस घटना के बाद सोनी को उनका अवैध प्रवासी का दर्जा समाप्त करते हुए इटली में रहने की विशेष अनुमति दी गई है।

भारत ने 26 जून को इटली से सिंह की मौत के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ शीघ्र कार्रवाई करने का आग्रह किया था। सीपीवी और ओआईए के सचिव मुक्तेश परदेसी ने विदेश में इतालवी नागरिकों और प्रवासन नीतियों के महानिदेशक लुइगी मारिया विग्नाली को सिंह की मौत पर भारत की चिंता से अवगत कराया था। इटली स्थित भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि उन्होंने इस घटना के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ शीघ्र कार्वाई का आग्रह किया है। सतनाम सिंह के परिवार को सहायता मुहैया कराने और पार्थिव शरीर को भारत ले जाने में मदद करने के लिए, दूतावास उनके संपर्क में है।

इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने पिछले माह कहा था कि देश में खेतों में काम करने वाले हजारों भारतीय प्रवासियों में शामिल सिंह अमानवीय कृत्य का शिकार हुए। कैबिनेट बैठक के बाद उन्होंने कहा था, ए अमानवीय कृत्य हैं और ए इटली के लोगों की प्रकृति के विपरीत हैं।

उम्मीद करती हूं कि इस बर्बरता के लिए दोषी को कड़ी सजा दी जाएगी। इटली की श्रम मंत्री मरीना काल्डेरोन ने कहा कि सिंह की मौत क्रूरता का उदाहरण है।

लातिना में हजारों आप्रवासी मजदूर रहते हैं, जिनमें से बहुत से सिख हैं और ए स्थानीय कृषि-माफिया के लिए फल और सब्जियां तोड़ने का काम करते हैं।

टीटीपी ने अपहृत पाक श्रमिकों का वीडियो जारी किया

पेशावर। प्रतिबंधित पाकिस्तानी तालिबान आतंकवादी संगठन ने बुधवार को पिछले महीने अपहृत किए गए चार मजदूरों का एक कथित वीडियो जारी किया, जिसमें बंधक पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज से उनकी रिहाई सुनिश्चित करने की गुहार लगाते नजर आ रहे हैं। अशांत खैबर पख्तूनख्वा (केपीके) प्रांत के टांक जिले में उच्च क्षमता वाली विद्युत पारेषण लाइनों पर काम कर रहे कम से कम 13 मजदूरों को तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के आतंकवादियों ने 29 जून को अगवा कर लिया। पुलिस ने अपहरण के कुछ घंटों बाद ही नौ श्रमिकों को बचा लिया, लेकिन चार अब भी बंधक हैं। यह वीडियो टीटीपी संबद्ध एक कम चर्चित संगठन ऐल्दम बेल्दम द्वारा जारी किया गया था, जिसमें प्रवक्ता खालिद भी वीडियो फुटेज में दिखाई दे रहा है।

चीन ने ताइवानी नौका के चालक दल की हिरासत की कार्रवाई में हस्तक्षेप न करने की चेतावनी दी: ताइवान

ताइपे। ताइवान ने बुधवार को दावा किया कि चीन ने उसके (ताइवान के) तटरक्षक बलों को मछली पकड़ने वाली एक ताइवानी नौका रोके जाने के मामले में हस्तक्षेप न करने की चेतावनी दी है। इसे ताइवान के क्षेत्र पर अतिक्रमण करने के चीन के नवीनतम प्रयासों के रूप में देखा जा रहा है। ताइवान के तटरक्षक ने नौका और उसके चालक दल के सदस्यों को छोड़े जाने की फिर से मांग की, जिन्हें मंगलवार रात चीनी तट के पास ताइवान नियंत्रित किनमेन द्वीप के जलक्षेत्र से हिरासत में लिया गया था, लेकिन चीन ने ताइवान की सरकार से संवाद करने से इनकार कर दिया है।

यह घटना विलियम लाइ चिंग-ते के ताइवान के राष्ट्रपति चुने जाने के बाद चीन के साथ बढ़े राजनीतिक तनाव के बीच हुई है। लाइ चिंग-ते की पार्टी चीन के साथ ताइवान के एकीकरण को अस्वीकार करती है, जबकि चीन ने ताइवान की स्वतंत्रता के समर्थकों को जान से मारने की स्पष्ट धमकी दी है। ताइवानी तटरक्षक के प्रवक्ता हसीह चिंग-चिन ने कहा कि जब चीनी एजेंट ने नौका रोका, तब वह चीनी जलक्षेत्र में नहीं थी। उन्होंने कहा कि चीनी एजेंट नौका को चीन के फुजियान प्रांत के बंदरगाह पर ले गए। चिंग-चिन ने कहा, हम (चीनी पक्ष से) स्पष्टीकरण देने और नौका एवं उसके चालक दल को छोड़ने का आग्रह करते हैं। ताइवान के समुद्री अधिकारियों ने एक बयान में कहा कि दो चीनी जहाजों ने दाजिनमैन 88 को मंगलवार शाम किनमेन द्वीपसमूह पर रोक लिया। बयान के मुताबिक, ताइवान ने दाजिनमैन 88 को बचाने के लिए तीन पोत भेजे, लेकिन चीनी नावों ने उन्हें रोक दिया और हस्तक्षेप नहीं करने की चेतावनी दी। ताइवान की आधिकारिक सेंट्रल न्यूज एजेंसी ने बताया कि नौका पर एक कैप्टन और चालक दल के पांच अन्य सदस्य थे। चालक दल के सदस्य ताइवानी और इंडोनेशियाई हैं। ताइवान के अधिकारियों ने बताया कि जब तटरक्षक नौका पर सवार हुए तब नौका चीन के जिनजियांग से सिर्फ 20 किलोमीटर दूर थी।

नेपाली कांग्रेस ने प्रचंड से इस्तीफा देने और नई सरकार का मार्ग प्रशस्त करने का किया आग्रह

काठमांडू। नेपाली कांग्रेस ने बुधवार को प्रधानमंत्री पुष्प कमल दाहाल प्रचंड से नई सरकार के गठन का मार्ग प्रशस्त करने का आग्रह किया। हिमालई राष्ट्र की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी ने पूर्व गुरिल्ला नेता के नेतृत्व वाली मौजूदा सरकार को हटाने के लिए सीपीएन-यूएमएल के साथ एक दिन पहले सत्ता-साझेदारी समझौता किया है। पार्टी अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा के बूढ़ानीलकंठा स्थित आवास पर हुई नेपाली कांग्रेस सेंट्रल वर्क परफोरमेंस कमेटी (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में वर्तमान राजनीतिक स्थिति और पार्टी की भविष्य की रणनीति पर चर्चा की गई।

नेपाली कांग्रेस अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा और नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी-एकीकृत मार्क्सवादी लेनिनवादी (सीपीएन-यूएमएल) के अध्यक्ष के.पी. शर्मा ओली द्वारा प्रधानमंत्री पुष्प कमल दाहाल प्रचंड के नेतृत्व वाले सत्ताधारी गठबंधन को बदल नई सरकार बनाने के लिए सोमवार रात एक समझौते को अंतिम रूप देने के एक दिन बाद पार्टी की प्रमुख समिति की बैठक हुई। बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में पार्टी प्रवक्ता डॉ. प्रकाश शरण महत ने कहा, सबसे बड़ी पार्टी नेपाली कांग्रेस और यूएमएल ने कहा है कि वह मिलकर नई सरकार बनाएंगे, इसलिए प्रधानमंत्री को मार्ग प्रशस्त करना चाहिए....। माय रिपब्लिका समाचार पोर्टल ने उनके हवाले से कहा, अन्य पार्टियां भी नए नेपाली कांग्रेस-यूएमएल गठबंधन का समर्थन कर रही हैं। इसलिए, नेपाली कांग्रेस सीडब्ल्यूसी ने प्रधानमंत्री से मार्ग प्रशस्त करने का अनुरोध किया है। महत ने कहा कि अगर प्रधानमंत्री नई सरकार के गठन का मार्ग प्रशस्त नहीं करते हैं तो संवैधानिक प्रक्रिया के माध्यम से नई सरकार का गठन किया जाएगा। हालांकि, संकटग्रस्त प्रधानमंत्री प्रचंड ने पद से इस्तीफा देने से इनकार कर दिया है और कहा है कि वह संसद में विश्वास मत का सामना करना चाहेंगे। संवैधानिक प्रावधान के अनुसार, सदन में बहुमत खोने वाले प्रधानमंत्री को 30 दिनों के भीतर बहुमत साबित करना होगा। सत्ताधारी गठबंधन द्वारा समर्थन वापस लेने के बाद प्रधानमंत्री को विश्वास मत हासिल करना होगा।

भारतीय अमेरिकी अटॉर्नी को रिपब्लिकन कन्वेंशन के लिए वैकल्पिक डेलिगेट नियुक्त किया गया

वाशिंगटन। भारतीय अमेरिकी समुदाय के नेता एवं अटॉर्नी जनरल हरदाम त्रिपाठी को इस महीने विस्कॉन्सिन में होने वाले रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन के लिए एक आधिकारिक वैकल्पिक डेलिगेट के तौर पर चुना गया है। अमेरिका के राष्ट्रपति पद के चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी का उम्मीदवार चुनने के लिए होने वाले सम्मेलन को रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन कहा जाता है और डेलिगेट वह व्यक्ति होता है जिसे अमेरिका की किसी राजनीतिक सभा में लोगों के एक समूह का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना जाता है। ट्रंप (78) राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए रिपब्लिकन पार्टी के संभावित उम्मीदवार हैं और उनका मुकाबला डेमोक्रेटिक पार्टी के जो बाइडन (81) से होने की संभावना है। विस्कॉन्सिन के मिल्वौकी में 14 से 18 जुलाई तक होने वाले रिपब्लिकन नेशनल पार्टी (आरएनपी) के इस सम्मेलन में राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए ट्रंप को औपचारिक रूप से पार्टी का उम्मीदवार नामित किया जाएगा। देश में राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव पांच नवंबर को होगा। रिपब्लिकन पार्टी के आजीवन सदस्य त्रिपाठी ने कहा, यह आरएनसी में नेशनल डेलिगेट के रूप में मेरी पहली सेवा होगी और अमेरिका में होने वाले इस ऐतिहासिक चुनाव में फ्लोरिडा के 15वें कांग्रेशनल डिस्ट्रिक्ट का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए सम्मान की बात है। त्रिपाठी एक अमेरिकी आव्रजन वकील हैं और ट्रंप लॉ कंपनी के मैनेजिंग अटॉर्नी हैं। इस सप्ताह की शुरुआत में भी भारतीय-अमेरिकी चिकित्सक डॉ. संपत शिवांगी को रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन का छठी बार आधिकारिक डेलिगेट चुना गया था।

तोशाखाना भ्रष्टाचार मामले में विरोध प्रदर्शन से संबंधित प्रकरण में इमरान खान बरी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की एक अदालत ने तोशाखाना भ्रष्टाचार मामले में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को अयोग्य घोषित करने के निर्वाचन आयोग के फैसले के खिलाफ प्रदर्शन से संबंधित मामले में बुधवार को खान और उनकी पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं को बरी कर दिया। जिला एवं सत्र न्यायालय ने जिन अन्य नेताओं को बरी किया है, उनमें शाह महमूद कुरैशी, शेख रशीद, असद क

टी-20 विश्व विजेता भारतीय टीम का होगा रोड शो, फिर वानखेड़े में सम्मानित किया जाएगा

मुंबई। टी20 विश्व कप विजेता भारतीय क्रिकेट टीम को गुरुवार को खुली बस में रोड शो के बाद यहां वानखेड़े स्टेडियम में आयोजित समारोह में सम्मानित किया जाएगा। भारतीय टीम के गुरुवार को सुबह छह बजकर 20 मिनट पर नई दिल्ली पहुंचने की उम्मीद है। भारतीय टीम श्रेणी चार के तूफान के कारण तीन दिन बारबाडोस में फंसे रहने के बाद अंततः बुधवार को ग्रांटली एडम्स अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से विशेष विमान के जरिए दिल्ली के लिए रवाना हो गई। एयर इंडिया के विशेष विमान एआईसी24डब्ल्यूसी (एयर इंडिया चैंपियंस 24 विश्व कप) ने स्थानीय समयानुसार सुबह लगभग चार बजकर 50 मिनट पर उड़ान भरी और गुरुवार को भारतीय समयानुसार सुबह लगभग छह बजकर 20 मिनट पर दिल्ली पहुंचेगा।

विमान में भारतीय टीम, उसका सहयोगी स्टाफ, खिलाड़ियों के परिवार और कुछ भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अधिकारी तथा भारतीय मीडिया के कुछ सदस्य सवार हैं। इस विशेष उड़ान का इंतजाम बीसीसीआई ने किया है।

बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने पीटीआई से कहा, टीम बीसीसीआई द्वारा मुहैया कराई गई एयर इंडिया के विशेष विमान से बारबाडोस से रवाना हो गई। बारबाडोस में फंसे भारतीय पत्रकार भी बीसीसीआई अध्यक्ष (रोजर बिन्नी) और सचिव (जय शाह) के साथ इसी फ्लाइट में आ रहे हैं। फ्लाइट कल सुबह छह बजे दिल्ली हवाईअड्डे पर उतरेगी। टीम सुबह 11 बजे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उनके निवास पर मुलाकात करेगी। इसके बाद टीम मुंबई के लिए उड़ान भरेगी जहां उनके सम्मान में एक कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

शुक्ला ने कहा, नरीमन प्वाइंट से खुली बस में रोड शो कराया जाएगा और फिर खिलाड़ियों को घोषित 125 करोड़ रुपए की पुरस्कार राशि से सम्मानित किया जाएगा। भारतीय टीम शाम चार बजे मुंबई पहुंचेगी और उसके नेशनल सेंटर फॉर परफोरमिंग आर्ट्स (एनसीपीए) पहुंचने की उम्मीद है जहां से वे खुली बस में दो घंटे की परेड शुरू करेंगे। खुली बस की परेड नरीमन प्वाइंट के करीब एनसीपीए से शाम पांच बजे के आसपास शुरू होगी और लगभग दो घंटे की यात्रा के बाद वानखेड़े स्टेडियम पहुंचेगी। खिलाड़ियों और टीम के सदस्यों को सम्मानित करने के लिए सम्मान कार्यक्रम शाम सात से साढ़े सात के बीच होगा जिसके बाद खिलाड़ी अपने होटल रवाना हो जाएंगे। बीसीसीआई सचिव शाह ने सभी खेल प्रेमियों का गुरुवार की शाम विक्ट्री परेड (जीत के जश्न में परेड) में जुड़ने का स्वागत किया। शाह ने एक्स पर लिखा, टीम इंडिया की विश्व कप जीत के जश्न में आयोजित विक्ट्री परेड में हमारे साथ जुड़िए। चार जुलाई को शाम पांच बजे मरीन ड्राइव से वानखेड़े स्टेडियम तक पहुंच कर हमारे साथ जश्न मनाईए। तारीख याद रखिए। इससे पहले भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने भी सोशल मीडिया पर प्रशंसकों का स्वागत किया। उन्होंने कहा, हम इस विशेष पल का आनंद आप सभी के साथ लेना चाहते हैं। चलिए इस जीत का जश्न चार जुलाई को शाम पांच बजे के बाद मरीन ड्राइव और वानखेड़े पर विक्ट्री परेड के साथ मनाते हैं। रोहित ने एक्स पर लिखा, घर आ रहे हैं। भारतीय टीम के सदस्यों के लिए वानखेड़े में सम्मान समारोह की भी योजना बनाई गई है। इसी तरह का रोड शो 14 साल पहले भी कराया गया था जब महेंद्र सिंह धोनी की अगुआई वाली टीम ने 2007 में दक्षिण अफ्रीका में शुरूआती विश्व टी20 के फाइनल में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को हराकर खिताब जीता था।

चैम्पियंस ट्राफी : भारत-पाक मैच एक मार्च को, बीसीसीआई की सहमति अभी बाकी

नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने चैम्पियंस ट्राफी के अस्थाई कार्यक्रम में अपनी टीम का चिर प्रतिद्वंद्वी भारत के खिलाफ मैच अगले साल एक मार्च को रखा है, हालांकि बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) ने अभी तक इस पर सहमति नहीं दी है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) बोर्ड के एक सीनियर सदस्य ने बुधवार को पीटीआई को यह जानकारी दी। टूर्नामेंट अगले साल 19 फरवरी से नौ मार्च तक खेला जाएगा जिसमें 10 मार्च रिजर्व डे होगा। पता चला है कि पीसीबी चेयरमैन मोहसिन नकवी ने 15 मैच का कार्यक्रम सौंप दिया है जिसमें भारत के मैच सुरक्षा और लाजिस्टिकल कारणों से लाहौर में ही रखे गए हैं। नकवी को टी20 विश्व कप फाइनल देखने के लिए बारबाडोस में आमंत्रित किया गया था।

आईसीसी बोर्ड के सदस्य ने कहा, पीसीबी ने आईसीसी चैम्पियंस ट्राफी के 15 मैच के कार्यक्रम का मसौदा सौंप दिया है जिसमें सात मैच लाहौर में, तीन मैच कराची में और पांच मैच रावलपिंडी में रखे गए हैं। सूत्र ने कहा, पहला मैच कराची में रखा गया है जबकि दो सेमीफाइनल कराची और रावलपिंडी में जबकि फाइनल लाहौर में कराया जाएगा। भारत के सभी मैच (टीम के क्वालीफाई करने के स्थिति में सेमीफाइनल सहित) लाहौर में रखे गए हैं। भारत को ग्रुप ए में पाकिस्तान, बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के साथ रखा गया है। ग्रुप बी में आस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड और अफगानिस्तान शामिल हैं।

हाल में आईसीसी के टूर्नामेंट प्रमुख क्रिस टेटले ने पीसीबी चेयरमैन नकवी से इस्लामाबाद में मुलाकात की थी। इससे पहले विश्व संस्था की सुरक्षा टीम ने स्थल और अन्य इंतजामों का मुआयना किया था।

पिछली बार पाकिस्तान ने 2023 में हाइब्रिड मॉडल के हिसाब से एशिया कप की मेजबानी की थी जिसमें भारत ने अपने मैच श्रीलंका में खेले थे क्योंकि सरकार ने खिलाड़ियों को सीमा के बाहर यात्रा करने की अनुमति नहीं दी थी। सूत्र ने कहा, आईसीसी चैम्पियंस ट्राफी के प्रतिभागी देशों के (बीसीसीआई के इतर) सभी बोर्ड प्रमुखों ने पूरा समर्थन दिया है लेकिन बीसीसीआई सरकार से सलाह मश्विरा करके आईसीसी को अपडेट करेगा। वहीं आईसीसी किसी भी बोर्ड को अपनी सरकार की नीति के खिलाफ जाने के लिए बाध्य नहीं कर सकता जिससे यह देखना दिलचस्प होगा कि इस मामले में बीसीसीआई कब फैसला करता है।

नीरज पेरिस ओलंपिक में एक और पदक जीतने की सर्वश्रेष्ठ स्थिति में: मैके

विजयनगर (कर्नाटक)। इंस्पायर इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स (आईआईएस) में स्ट्रेंथ एंड कंडिशनिंग कोच स्पेंसर मैके का कहना है कि भारत के स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा पेरिस ओलंपिक में पदक जीतने के लिए शारीरिक रूप से सर्वश्रेष्ठ स्थिति में हैं। भारत का यह 26 साल का एथलीट पिछले दो महीनों से जांघ की चोट से परेशान है जिससे वह रविवार को होने वाली पेरिस डायमंड लीग में भी हिस्सा नहीं ले रहा है और सीधे ओलंपिक के लिए रवाना होगा। तोक्यो में 2021 में ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतने से पहले कोहनी की चोट के लिए आईआईएस में रिहैबिलिटेशन करने वाले चोपड़ा के बारे में मैके ने पीटीआई वीडियो से साक्षात्कार में कहा, वह शारीरिक रूप से बेहतर स्थिति में है और पूरी तरह से तैयार है।

उन्होंने कहा, उनकी पुरानी चोटों और हाल की चोट अब बीती बात है। जब ओलंपिक फाइनल शुरू होगा, तब नीरज देश के लिए एक और पदक जीतने के लिए शानदार स्थिति में होंगे।

ओलंपिक और विश्व चैम्पियन चोपड़ा ने फिनलैंड में पावो नुर्मी खेलों में पहला स्वर्ण पदक जीतने के बाद एक महीने के लंबे ब्रेक के बाद जून में प्रतियोगिताओं में वापसी की। वह मई में दोहा डायमंड लीग में दूसरे स्थान पर रहे थे। चोपड़ा ने भुवनेश्वर में राष्ट्रीय फेडरेशन कप सीनियर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में भी हिस्सा लिया था जिसमें उन्होंने स्वर्ण पदक जीता था। मैके ने कहा, एक खिलाड़ी के लिए हर समय सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की वारंटी नहीं दी जा सकती, विशेषकर नीरज जैसे एथलीट के लिए जो शीर्ष स्तर पर प्रतिस्पर्धा करते हैं। लेकिन उसकी योजना बहुत स्पष्ट है कि खुद को फिट, मजबूत और संतुलित रखना ताकि ओलंपिक में अपना सर्वश्रेष्ठ कर सके।

टीम बस के लिए समय पर नही पहुंचने के कारण भारत के खिलाफ मैच से बाहर हुए थे तास्किन

ढाका। बांग्लादेश ने उप कप्तान तास्किन अहमद को टी20 विश्व कप में भारत के खिलाफ महत्वपूर्ण सुपर आठ मुकाबले से कथित तौर पर इसलिए हटा दिया गया क्योंकि वह अधिक समय तक सोते रहे और टीम की बस मे सवार होने के लिए नहीं पहुंचे थे। इस दावे का हालांकि इस तेज गेंदबाज ने खंडन करते हुए कहा कि टीम संयोजन के कारण वह बाहर हुए। बाइस जून को एंटीगा के नॉर्थ साउंड में हुए मैच में बांग्लादेश को 50 रन से हार का सामना करना पड़ा था। टीम ने इस मैच में एक बदलाव करते हुए तास्किन की जगह जाकिर अली को खिलाया था।

ईएसपीएनक्रिकइंफो ने ढाका स्थित समाचार पत्र अजकेर पत्रिका से तास्किन के हवाले से कहा, मैं थोड़ा देर से पहुंचा था लेकिन मैं टॉस से पहले मैदान पर पहुंच गया था। उन्होंने कहा, मैं टॉस से लगभग 30 से 40 मिनट पहले मैदान पर पहुंचा। मैं टीम बस में सवार होने के लिए नहीं पहुंच पाया। बस सुबह आठ बजकर 35 मिनट पर होटल से चली गई। तास्किन ने कहा, मैं मैदान के लिए आठ बजकर 43 मिनट पर रवाना हुआ। मैं लगभग बस के साथ ही मैदान पहुंचा। ऐसा नहीं है कि उन्होंने मुझे इसलिए नहीं चुना क्योंकि मैं देर से पहुंचा था। मैं वैसे भी खेलने वाला नहीं था।

तास्किन ने 24 जून को अफगानिस्तान के खिलाफ बांग्लादेश के अगले मैच के लिए एकादश में वापसी की। तास्किन ने इसके लिए माफी मांगी लेकिन अनुभवी ऑलराउंडर और पूर्व कप्तान शाकिब अल हसन ने कहा कि इस तेज गेंदबाज के देर से पहुंचने के कारण उनका चयन मुश्किल हो गया। शाकिब ने मंगलवार को संवाददाताओं से कहा, बस आमतौर पर एक निश्चित समय पर निकलती है। यह नियम है कि टीम की बस किसी का इंतजार नहीं करती।

उन्होंने कहा, अगर कोई बस में बैठने से चूक जाता है तो वह मैनेजर की कार या टैक्सी से आ सकता है। वेस्टइंडीज परिवहन के लिए एक मुश्किल जगह है। वह टॉस से पांच से 10 मिनट पहले पहुंचे इसलिए स्वाभाविक रूप से टीम प्रबंधन के लिए उनका चयन करना मुश्किल था। शाकिब ने कहा, खिलाड़ी के लिए भी यह एक मुश्किल स्थिति थी। तास्किन ने टीम से माफी मांगी और सभी ने इसे बहुत सामान्य रूप से लिया। यह एक अनजाने में की गई गलती थी। बात यहीं खत्म हो गई। इस घटना के लिए तास्किन पर कोई जुर्माना नहीं लगाया गया। घटना के बारे में पूछे जाने पर बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष नजमुल हसन ने कहा, जब मैंने देखा कि तास्किन एकादश में नहीं है तो मैंने (टीम मैनेजर) रबीद (इमाम) को फोन किया जिन्होंने मुझे बताया कि तास्किन टीम की बस से चूक गया है।

हमें निरंतर रहना होगा दक्षिण अफ्रीका की आल राउंडर क्लो ट्रायोन

चेन्नई। दक्षिण अफ्रीका की आल राउंडर क्लो ट्रायोन ने बुधवार को स्वीकार किया कि उनकी टीम को इस साल के अंत में बांग्लादेश में होने वाले आगामी महिला टी20 विश्व कप के लिए आत्मविश्वास हासिल करने के मद्देनजर निरंतर प्रदर्शन करने की जरूरत है। दक्षिण अफ्रीका की टीम इस समय भारत दौरे पर है जिसने तीन वनडे और एकमात्र टेस्ट मैच गंवा दिया। अब तीन मैच की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला शुक्रवार से शुरू होगी और वैश्विक टूर्नामेंट से पहले यह उनकी अंतिम प्रतिस्पर्धी तैयारी होगी इसलिए ट्रायोन का मानना है कि सही समय पर लिए गए सही फैसले अहम साबित होंगे। ट्रायोन ने बुधवार को यहां पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा, हमने टुकड़ों में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन हमें और निरंतर होना होगा। हमें खेल के सभी पहलुओं में अच्छा प्रदर्शन करके सुनिश्चित करना होगा कि हम सही चरण में सही चीजें करें।

क्विक न्यूज

पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण देश और सीनियर खिलाड़ियों का सच्चा सम्मान होगा : हरमनप्रीत

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह आगामी पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने के लिए बेताब है जो देश और इस खेल दिग्गज खिलाड़ियों के लिए सच्चा सम्मान होगा। ओलंपिक में आठ बार के चैंपियन भारत ने तोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीत कर 41 वर्षों के लंबे इंतजार को खत्म किया था। हरमनप्रीत की अगुवाई वाली टीम का लक्ष्य पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतना है। हरमनप्रीत ने जिओ सिनेमा के एक कार्यक्रम में कहा, हम अपने इतिहास और विरासत को आगे बढ़ाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। स्वर्ण पदक जीतना भारत और हमारे सीनियर खिलाड़ियों के लिए सच्चा सम्मान होगा। तोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली टीम के कप्तान रहे मनप्रीत सिंह ने भी इसी तरह के विचार व्यक्त किए। मनप्रीत ने कहा, दाहिनी तरफ जब मैंने तिरंगा देखा तो मुझे लगा कि अगली बार हम अधिक मेहनत करके अपने तिरंगा को बीच में देख सकते है और तब हमारा राष्ट्रगान भी बज रहा होगा। यह हमारी यात्रा की शुरुआत है। अनुभवी गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने कहा, आपको हराने के लिए कहीं कोई कड़ी मेहनत कर रहा है। यह सोचकर मै और कड़ी मेहनत करने लग जाता हूं। जब भी मै अभ्यास करता हूं तो यह सोचता हूं कि मुझे अपने देश के एक अरब 40 करोड लोगो को निराश नही करना है।

डेमिरल के दो गोल से तुर्की ने ऑस्ट्रिया को 2-1 से हराया, यूरो 2024 के क्वार्टर फाइनल में

लेपजिग (जर्मनी)। पहले ही मिनट मे गोल और फिर अंतिम लम्हो मे शानदार बचाव करते हुए तुर्की ने मंगलवार को यहां ऑस्ट्रिया को प्री क्वार्टर फाइनल मे 2-1 से हराकर यूरोपीय फुटबॉल चैंपियनशिप (यूरो 2024) के अंतिम आठ मे जगह बनाई। मेरिह डेमिरल ने तुर्की की ओर से दोनो गोल दागे जिसमे सिर्फ 57 सेकेंड मे किया गोल भी शामिल है। गोलकीपर मर्ट गुनोक ने इसके बाद इंजरी टाइम मे शानदार बचाव करते हुए तुर्की की जीत सुनिश्चित की। गुनोक ने दूसरे हाफ के इंजरी टाइम के चौथे मिनट मे क्रिस्टोफ बोमगार्टनर के हैडर से लगाए शॉट को दाईं ओर गोता लगाते हुए नाकाम किया। ऑस्ट्रिया की ओर से मैच का एकमात्र गोल दूसरे हाफ मे माइकल ग्रेगोरिश ने किया। ऑस्ट्रिया ने गोल करने के 21 मूव बनाए लेकिन तुर्की सिर्फ छह मूव बनाने के बावजूद जीत दर्ज करने मे सफल रहा। तुर्की की टीम अब शनिवार को क्वार्टर फाइनल मे नीदरलैंड से भिड़ेगी।

प्रज्ञानानंदा ने बोगडान डेनियल से ड्रा खेला, अलीरेजा सुपरबेट क्लासिक टूर्नामेंट शतरंज में चमके

बुक्वारेस्ट। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा को यहां सुपरबेट क्लासिक टूर्नामेंट के छठे दौर मे रोमानिया के कम रैंकिंग वाले डीएक बोगडान डेनियल से ड्रा खेलकर अंक बांटने पड़े। ईरानी-फ्रांसिसी ग्रैंडमास्टर अलीरेजा फिरोजा ने अमेरिक के वेस्लो सो को पराजित किया। भारत के डी गुकेश ने फ्रांस के मैक्सिम वाचियर लाग्रेव से बाजी ड्रा कराई। प्रज्ञानानंदा ने जीतने की कोशिश करते हुए कई चाल चली लेकिन रोमानियाई खिलाड़ी डटकर सामना करता रहा और 38 चाल के बाद ड्रा खेलने मे कामयाब रहा। इस 350,000 डॉलर की पुरस्कार राशि के महज तीन दौर बाकी है और अमेरिका के फैबियानो कारूआना (चार अंक) शीर्ष पर बने हुए है।

विनेश फोगाट को स्पेन दौरे के लिए शेंगेन वीज़ा मिला

नई दिल्ली। विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता पहलवान विनेश फोगाट को स्पेन का दौरा करने के लिए सरकार की मदद से बुधवार को शेंगेन वीज़ा मिल गया। फोगाट को स्पेन ग्रां प्री 2024 मे भाग लेना है। उन्हे बुधवार की रात रवाना होना है लेकिन आज सुबह तक उन्हे वीजा नही मिला। इसके बाद उन्होने खेल मंत्री मनसुख मांडविया और विदेश मंत्रालय से मदद मांगी। इसके तीन घंटे बाद फोगाट ने सूचित किया कि उन्हे शेंगेन का वीज़ा मिल गया है। इसके लिए उन्होने सरकार का आभार भी व्यक्त किया। स्पेन मे अभ्यास करने और प्रतियोगिताओं मे भाग लेने के बाद फोगाट पेरिस ओलंपिक की तैयारी के लिए फ्रांस मे 20 दिन तक अभ्यास करेगी।

दीक्षा पहले दौर के बाद संयुक्त 60वें स्थान पर

लंदन। भारतीय महिला गोल्फर दीक्षा डागर ने यहां अरामको सीरीज गोल्फ टूर्नामेंट के शुरूआती दौर मे दो ओवर 75 का कार्ड खेला जिससे वह संयुक्त 60वे स्थान पर बनी हुई है। गर्दन मे दर्द के कारण वह पिछले हफ्ते इटैलियन ओपन मे नही खेल पाई थी। दीक्षा पेरिस ओलंपिक दल का हिस्सा है। उन्होने पहले दौर मे तीन बर्डी लगाई जबकि तीन बोगी और एक डबल बोगी कर बैठी। अभी पहले दौर का खेल पूरा नही हुआ है जिससे अन्य भारतीयो मे प्रणवी उर्स ने अभी शुरूआत नही की है जबकि त्वेसा मलिक तीन होल मे एक ओवर पर है।

वियतनाम मे तीन देशों के टूर्नामेंट मे भाग लेगा भारत

नई दिल्ली। भारतीय फुटबॉल टीम अक्टूबर में फीफा विंडो के दौरान वियतनाम में तीन देशों के टूर्नामेंट में भाग लेगी। भारत और वियतनाम के अलावा लेबनान इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेगा। अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ (एआईएफएफ) ने यह जानकारी दी। वियतनाम (116) और लेबनान (117) फीफा की ताजा विश्व रैंकिंग में भारत (124) से आगे हैं। एआईएफएफ ने भारतीय टीम के विश्व कप क्वालीफायर्स के तीसरे दौर में नहीं पहुंच पाने के बाद मुख्य कोच इगोर स्टिमक को बर्खास्त कर दिया था। उसके बाद यह पहला टूर्नामेंट होगा जिसमें भारतीय टीम भाग लेगी। एआईएफएफ ने अभी तक नए कोच की घोषणा नहीं की है और यह देखना होगा कि तीन देशों के टूर्नामेंट में कौन भारतीय कोच की भूमिका निभाता है।इस टूर्नामेंट में भारत अपना पहला मैच नौ अक्टूबर को वियतनाम के खिलाफ खेलेगा जबकि 12 अक्टूबर को उसका सामना लेबनान से होगा। टूर्नामेंट का तीसरा मैच 15 अक्टूबर को वियतनाम और लेबनान के बीच खेला जाएगा।

ओलंपिक में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद: सात्विक-चिराग

नई दिल्ली। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार भारतीय पुरुष युगल जोड़ी सर्विस वैरिएशन चुनौती से पार पाने के बाद आगामी पेरिस ओलंपिक में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह से शारीरिक और मानसिक अनुकूलन पर फोकस बनाए हुए हैं। सात्विक (23 वर्ष) और चिराग (26 वर्ष) की जोड़ी को अपने प्रतिद्वंद्वी की सर्विस में बहुत सारी विविधता जैसे टंबल , स्पिन और वाइड से परेशानी होती रही है जिसमें विशेष रूप से कोरियाई और इंडोनेशियाई जोड़ियां शामिल हैं जिन्होंने हाल के टूर्नामेंट में इनका इस्तेमाल किया।

चिराग ने कहा कि उन्होंने इस नई चुनौती से पार पा लिया है और पेरिस ओलंपिक के दौरान इससे निपटने के लिए आत्मविश्वास से भरे हैं। चिराग ने पीटीआई को दिए ईमेल साक्षात्कार में कहा, जहां तक सर्विस वैरिएशन का संबंध है तो यह नई चुनौती है लेकिन इसे पूरी तरह से महत्वपूर्ण मानना भी सही नहीं होगा। ऐसा भी समय था जब हम इसका सामना करने से जूझते रहे थे लेकिन हमने आखिरकार इससे पार पा लिया है। हम जानते हैं कि इससे कैसे निपटना है, हम इसका अभ्यास कर रहे हैं और हमें पूरा भरोसा है कि हम ओलंपिक में इसका सामना करने में मजबूत साबित होंगे। दुनिया की मौजूदा तीसरे नंबर की जोड़ी पिछले ओलंपिक में अपने ग्रुप के तीन में से दो मैच जीतने के बावजूद क्वार्टरफाइनल में पहुंचने से चूक गई थी। सात्विक ने कहा, तोक्यो ओलंपिक में खेलने का अनुभव पेरिस ओलंपिक की हमारी तैयारियों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इस तरह के ऊंचे स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने से हमें महत्वपूर्ण सीख मिली कि दबाव से कैसे निपटा जाए, फोकस कैसे रखा जाए और खेलने की विभिन्न परिस्थितियों के अनुकूल किस तरह हुआ जाए।

पंड्या टी20 अंतरराष्ट्रीय ऑलराउंडर रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने वाले पहले भारतीय बने

दुबई। हार्दिक पंड्या बुधवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की टी20 अंतरराष्ट्रीय ऑलराउंडर रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने वाले पहले भारतीय बने। हाल में संपन्न टी20 विश्व कप में खिताब जीतने के बाद भारत के क्रिकेटरों की रैंकिंग में सुधार हुआ है। टी20 विश्व कप के फाइनल में 29 जुलाई को अर्धशतक जड़ने वाले हेनरिक क्लासेन और डेविड मिलर को आउट करके दक्षिण अफ्रीका पर भारत की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले पंड्या दो स्थान के फायदे से श्रीलंका के स्टार वानिंदु हसरंगा के साथ पुरुष टी20 ऑलराउंडर की सूची में संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। पंड्या ने फाइनल में 20 रन देकर तीन विकेट हासिल किए।

आईपीएल में मुंबई इंडियन्स के नए कप्तान के रूप में प्रशंसकों की हूटिंग का सामना करने के बाद पंड्या ने अमेरिका और वेस्टइंडीज में हुए

टी20 विश्व कप में वापसी करते हुए प्रभावी प्रदर्शन किया। पंड्या ने निचले क्रम में बल्ले से प्रभावी पारियां खेली और गेंद से भी उम्दा प्रदर्शन किया तथा जब टीम को जरूरत थी तो विकेट चटकाए। उन्होंने टूर्नामेंट में 150 से अधिक के स्ट्राइक रेट से 144 रन बनाए और 11 विकेट भी चटकाए। पंड्या ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन फाइनल में किया। दक्षिण अफ्रीका की टीम को 30 गेंद में 30 रन की दरकार थी और क्लासेन शानदार बल्लेबाजी कर रहे थे लेकिन उन्होंने भारत को वापसी दिलाते हुए जीत दिला दी।

पंड्या ने 17वें ओवर की पहली गेंद पर क्लासेन को आउट किया। वह अंतिम ओवर में 16 रन का बचाव करने उतरे और सात रन की जीत के साथ भारत को दूसरा टी20 विश्व कप खिताब दिलाया। टी20 विश्व कप में 15 विकेट चटकाकर टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बने भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह गेंदबाजी रैंकिंग में 12 स्थान के फायदे से 12वें स्थान पर पहुंच गए हैं जो 2020 के बाद उनकी सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग है।

टी20 ऑलराउंडर रैंकिंग में शीर्ष 10 में मार्कस स्टोइनिस, सिकंदर रजा, शाकिब अल हसन और लियाम लिविंगस्टोन को एक-एक स्थान का फायदा हुआ है। मोहम्मद नबी चार स्थान के नुकसान से शीर्ष पांच से बाहर हो गए हैं। गेंदबाजी रैंकिंग में दक्षिण अफ्रीका के एनरिक नोर्किया सात स्थान के फायदे से करियर के सर्वश्रेष्ठ दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। इंग्लैंड के आदिल राशिद शीर्ष पर हैं।

वोंद्रोसावा 1994 से विंबलडन के पहले दौर से बाहर होने वाली पहली महिला गत चैंपियन बनी

लंदन। मार्केटा वोंद्रोसोवा 1994 से विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के पहले दौर से बाहर होने वाली पहली महिला गत चैंपियन खिलाड़ी बनीं। ऑल इंग्लैंड क्लब पर 12 महीने पहले खिताब जीतकर सभी को हैरान करने वाली वोंद्रोसोवा को जेसिका बोजास मनेइरो ने 6-4, 6-2 से हराया। वोंद्रोसोवा पिछले साल घास के कोर्ट पर होने वाले इस ग्रैंडस्लैम को जीतने वाली पहली गैर वरीयता प्राप्त महिला खिलाड़ी बनीं थी। वोंद्रोसोवा ने हालांकि मंगलवार को एक अनचाहा रिकॉर्ड अपने नाम कराया। वर्ष 1964 में शुरू हुए खेल के ओपन युग में इससे पहले सिर्फ एक बार विंबलडन की गत चैंपियन महिला खिलाड़ी को अगले साल पहले दौर में शिकस्त झेलनी पड़ी थी। दिग्गज स्टेफी ग्राफ को 30 साल पहले लोरी मैकनील के खिलाफ इस स्थिति का सामना करना पड़ा था।

वोंद्रोसोवा को इस बार छठी वरीयता मिली थी लेकिन तोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाई। दूसरी तरफ जेसिका ने अपने तीसरे ही ग्रैंडस्लैम में गत चैंपियन खिलाड़ी को हराया। उन्होंने इससे पहले दोनों ग्रैंडस्लैम में पहले दौर के मुकाबले गंवाए थे। जेसिका ने इससे पहले टूर स्तर पर ग्रास कोर्ट पर कोई मैच नहीं जीता और शीर्ष 10 में शामिल खिलाड़ी को भी कभी नहीं हरा पाई थी। इससे पहले एंडी मरे ने पुरुष एकल में हिस्सा नहीं लेने का फैसला किया। वह सिर्फ युगल में चुनौती पेश करेंगे। वह विंबलडन में अंतिम बार अपने बड़े भाई जेमी के साथ उतरेंगे। मंगलवार को बाहरी कोर्ट पर बारिश के कारण एक से अधिक बार खेल रोकना पड़ा। छठे वरीय आंद्रे रूबलेव को मंगलवार को हार का सामना करना पड़ा जबकि दूसरे दिन महिला एकल विजेताओं में दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी ईगा स्वियातेक, 2022 की चैंपियन एलेना रिबाकिना और पांचवीं वरीय जेसिका पेगुला शामिल रहीं। पुरुष वर्ग मे सात के बार चैंपियन नोवाक जोकोविच, चौथे वरीय एलेक्जेंडर ज्वेरेव और सातवें वरीय ह्यूबर्ट हुरकाज ने अगले दौर में जगह बनाई। जोकोविच ने क्वालीफायर विट कोपरिवा को सीधे सेट में 6-1, 6-2, 6-2 से हराया। पांच जून को दाएं घुटने की सर्जरी के बाद यह उनका पहला मैच था।

नागल विम्बलडन पुरुष युगल के पहले दौर में बाहर

विम्बलडन। भारतीय टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल के अपने सर्बियाई जोड़ीदार डुसान लाजोविच के साथ बुधवार को यहां पुरुष युगल स्पर्धा के पहले दौर में सीधे सेटों में बाहर होने के बाद विम्बलडन टेनिस ग्रैंडस्लैम में उनका अभियान खत्म हो गया। नागल और लाजोविच की जोड़ी को एक घंटे और सात मिनट तक चले मैच में जाउमे मुनार और पेड्रो मार्टिनेज की स्पेनिश जोड़ी से 2-6, 2-6 से हार मिली। भारत के शीर्ष रैंकिंग के खिलाड़ी नागल सोमवार को पुरुष एकल के पहले दौर में हार गए थे। लड़कों के वर्ग में पूर्व विम्बलडन युगल चैम्पियन नागल दो घंटे 48 मिनट तक चले मैच में सर्बिया के मियोमीर केसमानोविच से 2-6 6-3 3-6 4-6 से पराजित हो गए थे। भारत के रोहन बोपन्ना और आस्ट्रेलियाई मैथ्यू एब्डेन की दूसरी वरीय जोड़ी नीदरलैंड के सैंडर अरेंड्स और रोबिन हासे की जोड़ी से भिड़ेगी।

कोको गॉफ विम्बलडन के तीसरे दौर में

लंदन। दूसरी वरीयता प्राप्त कोको गॉफ ने बुधवार को यहां रोमानिया की क्वालीफायर एंका टोडोने को हराकर विम्बलडन टेनिस ग्रैंडस्लैम के तीसरे दौर में प्रवेश किया। अमेरिकी ओपन चैम्पियन गॉफ ने 15 साल की उम्र में यहीं 2019 में आल इंग्लैंड क्लब में पदार्पण करते हुए वीनस विलियम्स को हराया था। टोडोनी को 6-2, 6-। से शिकस्त दी। 19 वर्षीय टोडोनी अपना ग्रैंडस्लैम पदार्पण कर रही थीं। पांच साल पहले गॉफ ने पांच बार की विम्बलडन चैम्पियन वीनस विलियम्स को पहले दौर में 6-4, 6-4 से पराजित किया था।

चोपड़ा ने कहा, पेरिस डाइमंड लीग मेरे प्रतियोगिता कैलेंडर का हिस्सा नहीं थी

सारब्रकेन (जर्मनी)। ओलंपिक और विश्व चैंपियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने बुधवार को स्पष्ट किया कि रविवार को होने वाली पेरिस डाइमंड लीग इस साल कभी उनके प्रतियोगिता कैलेंडर का हिस्सा नहीं थी। बयान उस मीडिया रिपोर्ट के बाद आया है जिसमें कहा गया था कि चोपड़ा ने जांघ में मामूली चोट के कारण इस प्रतियोगिता से अपना नाम वापस ले लिया है जो पिछले कुछ महीनों से उन्हें परेशान कर रही थी। 26 वर्षीय खिलाड़ी ने एक्स पर कहा कि जब उन्होंने अपना नाम प्रतियोगिता के लिए भेजा ही नहीं तो नाम वापस लेने का सवाल ही नहीं उठता। तोक्यो ओलंपिक चैंपियन चोपड़ा ने लिखा, सभी को नमस्ते। बस स्पष्ट करने के लिए: पेरिस डाइमंड लीग इस सत्र में मेरे प्रतियोगिता कैलेंडर का हिस्सा नहीं थी इसलिए मैंने इससे नाम वापस नहीं लिया है। मैं ओलंपिक खेलों के लिए तैयार होने पर ध्यान केंद्रित कर रहा हूं। चीजों को समझने और समर्थन के लिए धन्यवाद, और प्रतिस्पर्धा करने वाले सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं।

इंडियन रेलवे केटरिंग एण्ड टूरिज़्म कॉरपोरेशन लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम – मिनी रत्न)
सीआईएन : L74899DL1999GOI101797
IRCTC LiFE
आईआरसीटीसी आमंत्रित करता है:–
1. खुली ई–निविदा: आईआरसीटीसी/सीओ/सांविधिक अनुपालन/2023–24 – सांविधिक अनुपालन मैनेजमेंट एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर का कार्यान्वयन। प्री–बिड मीटिंग: 19.07.2024 को 11:30 बजे वीसी के माध्यम से। जमा करने की अंतिम तिथि: 30.07.2024 को 12:00